राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, शुक्रवार, 08 मई 2026

वर्ष 07, अंक 212, पृष्ट 12, मूल्यः 03 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

अयोध्या में बड़ा हादसा, बस्ती के तीन युवक सरयू नदी में डूब...02

फर्जी फर्म बनाकर करोड़ों रुपए का हेरफेर करने वाले गैंग का मुखिया महफूज गिरफ्तार...11

काश जजों की नियुक्ति भी चुनाव आयुक्तों की तरह ही जल्द हो सुप्रीम कोर्ट

- सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की
- कोर्ट ने न्यायिक नियुक्तियों में भी ऐसी ही तत्परता की कामना की
- याचिकाकर्ताओं ने विपक्ष से परामर्श के बिना जल्दबाजी में नियुक्तियों पर सवाल उठाए, हालांकि कोर्ट ने केंद्र के इरादे पर तुरंत सहमति नहीं जताई
- मामले की अगली सुनवाई 14 मई को होगी

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की और कहा-काश जजों की नियुक्ति भी चुनाव आयुक्तों की तरह ही जल्द होती. सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने गुरुवार को इस मामले की सुनवाई करते हुए ये टिप्पणी की।

याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से वरिष्ठ वकील विजय हंसारिया ने कहा कि विपक्ष के नेता से प्रभावी परामर्श किए बिना ही चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति जल्दबाजी में की गई. 2024 में नए कानून के अनुसार चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर रोक लगाने के लिए एक अर्जी दायर की गई थी।

हंसारिया ने दावा किया कि अदालत में अर्जी की सुनवाई से पहले ही केंद्र सरकार ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए जल्दबाजी में कदम उठाए।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में जल्दबाजी का आरोप

हंसारिया ने कहा कि 13 मार्च 2024 को विपक्ष के नेता को 200 चयनित नामों की सूची दी गई थी. अगले दिन चयन समिति की बैठक हुई और ज्ञानेश कुमार और सुखबीर संधू के नाम चुने गए। हंसारिया ने आगे कहा कि जब आप एक व्यक्ति को पूर्ण शक्ति दे देते हैं तो यही होता है. विपक्ष के नेता से एक दिन में इतने सारे नामों की जांच करने की अपेक्षा कैसे की जा सकती है?

इस पर जस्टिस दीपांकर दत्ता ने टिप्पणी की और कहा कि हम केवल यही कह सकते हैं कि हम जजों की नियुक्ति में विशेष रूप से ॥ष्ट के जजों की नियुक्ति में ऐसी ही तत्परता की कामना करते हैं।

14 मई को मामले की अगली सुनवाई

हालांकि, बेंच इस बात से सहमत नहीं थी कि केंद्र ने स्टे एप्लीकेशन की सुनवाई को पटरी से उतारने के लिए जल्दबाजी में नियुक्तियां कीं. सुनवाई के दौरान जस्टिस दत्ता ने पूछा कि क्या आप हमें यह दिखाए बिना कोई मकसद बता सकते हैं कि केंद्र को 15 तारीख के बारे में जानकारी थी? जब आप चाहते हैं कि हम यह घोषित करें कि किसी मकसद से कुछ एक्टिवेट किया गया था, तो आपको हमें यह भी सैटिस्फाई करना होगा कि यूनियन को भी पता था कि 15 तारीख ही तारीख है और इसलिए, इसे (सिलेक्शन) 14 तारीख को आगे बढ़ाया गया।'

हंसारिया ने माना कि उनके पास केंद्र की तरफ से ऐसी जानकारी साबित करने के लिए कोई मटीरियल नहीं है. जस्टिस दत्ता ने कहा, 'इसे यहीं छोड़ देते हैं.' मामले की अगली सुनवाई 14 मई को होगी।

संसद ने इस विषय पर कानून क्यों नहीं बनायाः सुप्रीम कोर्ट

अदालत ने यह भी पूछा कि सुप्रीम कोर्ट से पहले संसद ने इस विषय पर कानून क्यों नहीं बनाया? इस पर भूषण ने जवाब दिया कि हर सरकार ने नियुक्ति प्रक्रिया का फायदा उठाया, इसलिए सुधार नहीं किए गए।

सुनवाई के दौरान जस्टिस दत्ता ने डॉ. बीआर अंबेडकर पर बनी एक डॉक्यूमेंट्री का जिक्र करते हुए कहा कि संविधान लागू होने के कुछ वर्षों बाद ही अंबेडकर ने कहा था कि देश में लोकतंत्र सही तरीके से काम नहीं कर रहा है।

बॉम्बे HC ने 22 आरोपियों को बरी करने का फैसला बरकरार रखा

- सोहराबुद्दीन एनकाउंटरः बॉम्बे हाई कोर्ट ने सोहराबुद्दीन एनकाउंटर मामले में बड़ा फैसला सुनाया है. कोर्ट ने सीबीआई कोर्ट द्वारा 22 आरोपियों को बरी करने के फैसले को बरकरार रखा
- सोहराबुद्दीन के भाइयों की अपीलें खारिज कर दी गई. यह देश के सबसे विवादास्पद एनकाउंटर मामलों में से एक है

साल 2005 के सोहराबुद्दीन एनकाउंटर केस में बॉम्बे हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है. सीबीआई कोर्ट द्वारा 22 लोगों को बरी करने के फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी गई थी. इस याचिका को कोर्ट ने खारिज करते हुए फैसला बरकरार रखा है. हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस चंद्रशेखर और जस्टिस गौतम अंखड की डिवीजन बेंच ने आरोपियों को बरी किए जाने के फैसले को सही ठहराया है. इसके साथ ही शेख के भाइयों रुबाबउद्दीन और नायबउद्दीन द्वारा दायर अपीलें खारिज कर दीं।

यह केस देश के सबसे कंट्रोवर्शियल एनकाउंटर्स में एक माना जाता है. याचिकाकर्ताओं के वकील ने कहा कि बॉम्बे हाईकोर्ट ने हमारी अपील को खारिज कर दिया है. हालांकि यह एक ऑपरेटिव आर्डर आया है. अभी तक हमें ग्राउंड्स नहीं पता हैं. डिटेल्ड ऑर्डर आने के बाद पता चलेगा कि किस वजह से इसको खारिज किया गया है. अगर आप इस केस की बात करें तो साल 2005 में सोहराबुद्दीन शेख का फेक एनकाउंटर किया गया था।

एनकाउंटर में मारे गए तुलसीराम प्रजापति

उनकी पत्नी कौसर बी कभी मिली नहीं और उनके साथी तुलसीराम प्रजापति को भी बाद में एनकाउंटर में मार दिया गया था. वकील ने कहा, हम आज सोहराबुद्दीन शेख के भाई रुबाबुद्दीन शेख की से तरफ कोर्ट में पेश हुए. आगे सुप्रीम कोर्ट जाना है या नहीं, इस बारे में हम उनसे बात कर आगे बढ़ेंगे क्योंकि उनके परिवार ने भी इतने सालों में बहुत कुछ झेला है।

शेख के भाइयों ने अपनी अपील में ट्रायल कोर्ट के फैसले को रद्द करने की मांग की थी. साथ ही वैकल्पिक रूप से दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 386(ए) के तहत पुनर्विचार के लिए निर्देश देने की अपील की थी. वहीं, बॉम्बे हाई कोर्ट ने सोहराबुद्दीन शेख, उनकी पत्नी कौसर बी और उनके सहयोगी तुलसीराम प्रजापति के एनकाउंटर में मारे जाने के मामले में 21 पुलिसकर्मियों सहित सभी 22 आरोपियों को बरी किए जाने को चुनौती देने वाली अपीलें खारिज कर दीं।

रुबाबुद्दीन ने गृह मंत्रालय को भी लिखा था पत्र

हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाने से पहले रुबाबुद्दीन ने गृह मंत्रालय, सीबीआई और कैबिनेट सचिव को भी पत्र लिखा था. इसमें सरकार से फैसले को चुनौती देने का अनुरोध किया गया था. इस बीच सीबीआई ने हाई कोर्ट में कहा कि उसने फैसले को स्वीकार कर लिया है. अपील में चुनौती देने का कोई फैसला नहीं लिया है. ये मामला 23 नवंबर 2005 की घटना से जुड़ा है।

संक्षिप्त ख़बरें

सरकारी स्कूलों में लापरवाही को दर्शाता वीडियो वायरल

कोंच(जालौन)– नदीगांव विकासखंड क्षेत्र में सरकारी स्कूलों की लापरवाही का एक मामला सामने आया है। यहां विद्यालयों में समय पर शिक्षक न पहुंचने से शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में कहीं स्कूल के गेट पर ताला लटका दिखाई दे रहा है तो कहीं मासूम बच्चे खुद विद्यालय का ताला खोलते नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि शासन के निर्देशानुसार विद्यालय सुबह 7:30 बजे तक खुल जाने चाहिए, लेकिन सुबह 8:30 बजे तक भी कई स्कूलों में शिक्षक नहीं पहुंचे। ऐसे में बच्चे स्कूल परिसर में बैठकर शिक्षकों का इंतजार करते रहे। मामला नदीगांव विकासखंड के गंगथरा और भगवंतपुरा गांव का बताया जा रहा है। वायरल वीडियो में पूर्व माध्यमिक विद्यालय गंगथरा और प्राथमिक विद्यालय भगवंतपुरा की तस्वीरें सामने आई हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र के कई सरकारी विद्यालयों में अक्सर यही स्थिति बनी रहती है और शिक्षक समय से स्कूल नहीं पहुंचते। लोगों का कहना है कि सरकार शिक्षा व्यवस्था सुधारने के लिए लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन कुछ लापरवाह शिक्षक व्यवस्था को खराब करने में लगे हैं। ग्रामीणों ने मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल वीडियो वायरल होने के बाद शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। अब देखना होगा कि जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा मामले में क्या कार्रवाई की जाती है।

आगरा में हादसा, नाला सफाई करते में नगर निगम कर्मचारी दीवार ढहने से दबे, एक की मौत

आगरा। थाना हरीपर्वत की पाश कॉलोनी बाग फरजाना में गुरुवार दोपहर हादसा हो गया। बरसात से पहले नालों की सफाई नगर निगम की ओर से कराई जा रही है। सफाई कार्य के दौरान चिकित्सक के घर की बाउंड्री वॉल ढह गई। इसके मलबे में दबकर नगर निगम के एक संविदा कर्मी ने दम तोड़ दिया, जबकि दूसरा घायल है। हादसा चिकित्सक दंपती डा. राहुल नागरथ और डा. मोनिका नागरथ के घर के बाहर हुआ। गेट के बाहर नगर निगम के संविदा श्रमिक नाले की खोदाई कर रहे थे। इसी दौरान चिकित्सक दंपती की गेट के बराबर की दीवार ढह गई। जिसमें एक श्रमिक लकावली निवासी 55 वर्ष के रमेश की मौत हो गई। दूसरा श्रमिक 26 वर्ष का करण घायल हो गया है।

ग्राम पंचायत निदूरी खम्हौवा में मनरेगा में बड़ा फर्जीवाड़ा

- रोजगार सेवक ने खोली फर्जीवाड़ा की पोल
- रोजगार सेवक घनश्याम तिवारी को दर किनार करके ग्राम प्रधान मनमानी लगा रही फर्जी हाजिरी
- नाला खुदाई कार्य के नाम पर ग्राम प्रधान सुन्दरावती देवी कर रही खेलसचिव नेहा वर्मा, टीए व मनरेगा एपीओ भ्रष्टाचार कराकर ग्राम प्रधान से ले रहे मुंहमांगा कमीशन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। जिले के विकासखण्ड हरैया की ग्राम पंचायत निदूरी खम्हौवा में मनरेगा कार्य के नाम पर बड़े भ्रष्टाचार का खुलासा हुआ है। रोजगार सेवक घनश्याम तिवारी ने खुद ग्राम प्रधान व सचिव पर गंभीर आरोप लगाए हैं। रोजगार सेवक घनश्याम तिवारी की मनरेगा आईडी रोजगार सेवक के पास है फिर भी रोजगार सेवक की आईडी से मनरेगा मजदूरों की फर्जी हाजिरी लगाई जा रही है। ग्राम पंचायत में चल रहे मनरेगा कार्य के बारे में रोजगार सेवक घनश्याम को कोई जानकारी नहीं है। ग्राम प्रधान सुन्दरावती व सचिव नेहा वर्मा द्वारा रोजगार सेवक के अधिकार का हनन किया जा रहा है। ग्राम प्रधान सुन्दरावती व सचिव नेहा वर्मा ने नाला खुदाई के नाम पर फर्जी ऑनलाइन मस्टर रोल जारी करवाया है। फर्जी मस्टर रोल के सहारे सरकारी धन लूटने की तैयारी में ग्राम प्रधान सुन्दरावती जुटी है। खण्ड विकास अधिकारी विनय कुमार द्विवेदी की मिलीभगत से बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। जब रोजगार सेवक की आईडी रोजगार सेवक के पास है तो बिना ओपीटी/पासवर्ड के हाजिरी कैसे लग रही है? क्या फर्जी आईडी/पासवर्ड प्रधान-सचिव के पास है? रोजगार सेवक घनश्याम तिवारी ने खुद इस भ्रष्टाचार का खुलासा किया है।

मीडिया टीम ने ग्राम पंचायत निदूरी खम्हौवा में चल रहे नाला खुदाई कार्य का धरातलीय भ्रमण किया तो पता चला कि आनलाइन जारी फर्जी मस्टर रोल कार्य पर नाली में बरसात का पानी भरा हुआ है और नाली में बड़ी- बड़ी झड़िया उगी हुई है फिर भी सचिव नेहा वर्मा, टीए व एपीओ मनरेगा की मदद से ग्राम प्रधान सरकारी खजाने को लूटने के प्रयास में लगी हुई है। अब देखना यह है कि ग्राम पंचायत निदूरी खम्हौवा में चल रहे फर्जीवाड़ा मामले को गंभीरता से लेते हुए डीडीओ बस्ती, सीडीओ बस्ती और डीएम बस्ती द्वारा उक्त मामले की जांच कराकर ग्राम प्रधान, सचिव व बीडीओ के खिलाफ कार्रवाई कर पाते हैं या नहीं?

आगरा में 72 करोड़ के नकली दवा सिंडिकेट पर कसेगा ED का शिकंजा

आगरा। करोड़ों के नकली दवा सिंडिकेट पर ईडी ने शिकंजा कस दिया है। ईडी ने पुलिस आयुक्त से इस मामले में दर्ज मुकदमों और उनके आरोपितों के बारे में जानकारी मांगी है। पिछले वर्ष एसटीएफ और औषधि विभाग ने पुडुचेरी से नकली दवाओं की आपूर्ति की सूचना पर छापेमारी कर 72 करोड़ की दवाएं जब्त की थीं। टीम को एक करोड़ की रिश्वत देने के आरोप में हिमांशु अग्रवाल और दवा कारोबारी संजय बंसल, उसके भाई और भतीजे को जेल भेजा गया था। दवा बाजार में पिछले साल 22 अगस्त को औषधि विभाग और एसटीएफ ने हे मां मेडिको, बंसल मेडिकल एजेंसी और उनकी सहयोगी फर्म पर छापा मारा था। सात दिन की कार्रवाई में पांच फर्म और गोल्डन ट्रांसपोर्ट कंपनी से 28 दवाओं के नमूने लिए गए थे। 72 करोड़ की दवाएं सील की गई थी। कोतवाली और एमएम गेट में सिंडिकेट पर तीन मुकदमे दर्ज किए गए। हे मां मेडिको और उसकी सहयोगी फर्म का लाइसेंस भी निरस्त हो चुका। इसके बाद ड्रग कंट्रोलर और सेंट्रल ड्रग्स कंट्रोल आर्गनाइजेशन (सीडीएससीओ) की संयुक्त टीम ने पुडुचेरी में मीनाक्षी फार्मा की अवैध फैक्ट्री पर छापा मारा। फैक्ट्री में फार्मा कंपनी सनोफी, सनफार्मा, एमएसडी सहित आधा दर्जन बड़ी कंपनियों की नकली दवाएं बनाकर आगरा ट्रेन से सप्लाई की जा रहीं थीं।

नया सत्र शुरू होने के एक महीने बाद भी एनसीईआरटी किताबों की किल्लत

- छात्रों को करना पड़ रहा इंतजार
- शैक्षणिक सत्र शुरू होने के एक महीने बाद भी एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों की भारी कमी है, योजनाबद्ध 15 करोड़ में से केवल 8 करोड़ ही छपी हैं।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। शैक्षणिक सत्र शुरू हुए एक महीने से अधिक समय बीत गया है, लेकिन एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों की मांग और आपूर्ति के अंतर को पाटने के लिए संघर्ष कर रही है। अब तक केवल आधी से कुछ अधिक पुस्तकें ही छपी हैं। एनसीईआरटी ने नए पाठ्यक्रम ढांचे के तहत कक्षा तीन से नौ तक की संशोधित पाठ्यपुस्तकें जारी की हैं और 2026-27 के शैक्षणिक सत्र के लिए 15 करोड़ पुस्तकें छापने की योजना बनाई थी। हालांकि, अधिकारियों ने पुष्टि की है कि अब तक केवल आठ करोड़ प्रतियां ही छपी हैं।

पाठ्यपुस्तकों से वंचित रह गए कई छात्र

मांग और आपूर्ति के अंतर के बारे में पूछे जाने पर शिक्षा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''हमें उम्मीद है कि मई में हम निर्धारित संख्या में पुस्तकें छाप पाएंगे।''इस देरी के कारण कई छात्र नई पाठ्यपुस्तकों से वंचित रह गए हैं, जबकि शैक्षणिक सत्र एक अप्रैल से शुरू हो चुका है।

किताबों की उपलब्धता में देरी के अलावा निजी स्कूलों की निजी प्रकाशकों की महंगी किताबों पर बढ़ती निर्भरता को लेकर भी चिंताएं बढ़ रही हैं। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियांक कानूंगो ने आरोप लगाया कि एक ''शिक्षा माफिया'' सस्ती स्कूली पुस्तकों के लिए सरकार के प्रयासों को पटरी से उतारने की कोशिश कर रहा है। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सीबीएसई ने निजी स्कूलों से एनसीईआरटी की किताबों का इस्तेमाल करने का आग्रह किया है।

गोला में सौ मीटर सड़क के लिए फूटा गुस्सा, बनरही गांव में प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुरः गोला ब्लॉक क्षेत्र के बनरही गांव में सड़क निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। बुधवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण मुख्य मार्ग पर उतर आए और प्रदर्शन करते हुए प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। ग्रामीणों का कहना है कि महज सौ मीटर सड़क न बनने के कारण पूरा गांव आज भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। ग्रामीणों के अनुसार, गांव को मुख्य सड़क से जोड़ने वाला करीब सौ मीटर का रास्ता अब भी कच्चा है। बरसात के मौसम में यह रास्ता कीचड़ में तब्दील हो जाता है, जिससे आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता है। हालात ऐसे हो जाते हैं कि पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। इसका सबसे अधिक असर स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों पर पड़ता है। कई बार आपात स्थिति में एंबुलेंस या अन्य वाहन गांव तक नहीं पहुंच पाते, जिससे लोगों की परेशानी और बढ़ जाती है। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने बताया कि वे वर्षों से सड़क निर्माण की मांग करते आ रहे हैं। जनप्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों को कई बार ज्ञापन भी दिया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे नाराज

ग्रामीणों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जल्द से जल्द सड़क निर्माण की मांग उठाई।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। गांव के अजय पांडेय, रामेश्वर दुबे, श्रीकांत यादव, रामकलव, रामदरश यादव, राहुल दुबे, अमित यादव, कृष्ण मोहन यादव, आशुतोष दुबे और दीपक यादव सहित कई लोगों ने कहा कि केवल सौ मीटर सड़क बनने से पूरे गांव की तस्वीर बदल सकती है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। इस मामले में ग्राम सचिव उपेंद्र कुमार यादव ने बताया कि संबंधित रास्ता विवादित है, जिसके चलते निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। उन्होंने कहा कि उच्च अधिकारियों से निर्देश मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विद्यालय की जमीन पर गैस एजेंसी को लाइसेंस कैसे मिला?

सिस्टम पर उठे सवाल लगे भ्रष्टाचार के आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महाराजगंज (नौतनवा) ग्राम सभा मुड़िला में शिक्षा विभाग की जमीन पर चल रहे 'प्रगतिशील गैस एजेंसी' के लाइसेंस और अनापत्ति प्रमाण पत्र ने पूरे सिस्टम को कठघरे में खड़ा कर दिया है। बड़ा सवाल यह है कि जब आराजी संख्या 944मि की 1.368 हेक्टेयर जमीन 'इंटर कॉलेज' और 0.405 हेक्टेयर 'कन्या इंटर कॉलेज' के नाम दर्ज है, तो वहां गैस गोदाम को अनुमति किसने दी?

जमीन स्कूल की, संचालन नहीं

पूर्व जिला पंचायत सदस्य नरसिंह पाण्डेय द्वारा 28/04/2026 को जिलाधिकारी को दिए गए पत्र में बताया गया है कि जिस आराजी संख्या 944मि पर गैस गोदाम बना है, वहां 'इंटर कॉलेज' संचालित नहीं होता। वहीं से लगभग 50 मीटर की दूरी पर दूसरे आराजी नंबर पर दूसरे लोगों द्वारा विद्यालय का संचालन किया जा रहा है। फिर भी राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज शैक्षणिक भूमि को व्यावसायिक उपयोग के लिए कैसे दे दिया गया?

NOC और लाइसेंस पर बड़ा 'खेल'

नियमानुसार रिहायशी और शैक्षणिक क्षेत्र में ज्वलनशील पदार्थ का गोदाम बनाने के लिए कड़ी शर्तें हैं। फिर भी गैस एजेंसी को NOC और लाइसेंस मिल गया। यह सीधे तौर पर मिलीभगत की ओर इशारा करता है। सबसे पहला सवाल यही उठ रहा है कि राजस्व विभाग ने भू-अभिलेखों की जांच किए बिना शैक्षणिक भूमि पर व्यावसायिक NOC कैसे जारी कर दी। दूसरा सवाल शिक्षा विभाग की सहमति को लेकर है। बिना शिक्षा विभाग की अनुमति के जमीन का भू-उपयोग बदला ही कैसे जा सकता है। तीसरा सवाल सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर है। 50 मीटर दूर दूसरे आराजी नंबर पर विद्यालय संचालित होने के बाद भी अग्निशमन और विस्फोटक विभाग ने खतरे को नजरअंदाज क्यों किया।

क्या पूरा सिस्टम भ्रष्टाचार के दलदल में

स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह बिना ऊपर से नीचे तक सेटिंग के संभव नहीं है। पहले आराजी संख्या 944मि पर विद्यालय का संचालन बंद हुआ, और फिर खाली पड़ी जमीन पर गैस एजेंसी को लाइसेंस दे दिया गया। यह जमीन घोटाले का नया पैटर्न है। अगर जांच हो तो कई सफेदपोश बेनकाब होंगे।

डीएम से कार्रवाई की मांग

पत्र में मांग की गई है कि न सिर्फ जमीन कब्जा मुक्त हो, बल्कि NOC और लाइसेंस देने वाले सभी अधिकारियों और कर्मचारियों पर FIR दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाए। शैक्षणिक भूमि का दुरुपयोग करने वाले किसी भी कीमत पर बचने नहीं चाहिए। अब सबकी निगाहें जिलाधिकारी महाराजगंज पर हैं। देखना है कि प्रशासन इस 'खेल' का पर्दाफाश करता है या फाइलों में दबा देता है।

51आंगनबाड़ी सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र एवं 225 सहायिकाओं को बांटे स्मार्टफोन

सिद्धार्थनगर। बढ़नी ब्लाक परिसर में बुधवार को बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के द्वारा आयोजित 51 आंगनबाड़ी सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र एवं 225 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को स्मार्टफोन का वितरण शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा की मौजूदगी में किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के पास एक स्मार्टफोन होना चाहिए। वह जो मेहनत करती हैं उसका रियल टाइम डाटा हमें समय पर नहीं मिल पाता है, समय पर डाटा अपलोड न पाने की वजह से हमारी रैंकिंग कम होती है, इसलिए स्मार्टफोन देना और उन्हें इसके उपयोग में पारंगत करना आवश्यक है। आपकी भूमिका कितनी बढ़ने वाली है, इसलिए हर प्रकार की सुविधा देने के लिए काम को आगे बढ़ाया जा रहा है।इस दौरान बीडीओ अनिशि मणि पाण्डेय, सीडीपीओ रविन्द्र यादव, मुख्य सेविका कविता तिवारी व नाजिया खातून, प्रदीप कमलापुरी, विष्णु सिंह आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

बालाबेहट के बरेना में वर्षों से जर्जर अवस्था में पड़ा रोड

आवागमन में लोगों को हो रही भारी परेशानी

डीएम को ज्ञापन भेजकर उठायी सड़क निर्माण की मांग

ललितपुर। ग्राम पंचायत बालाबेहट के मजरा बरेना में विगत कई वर्षों से जर्जर हालत में पड़ा रोड को सही कराया जाकर लोगों की समस्या दूर किये जाने की मांग उठायी गयी है। इस सम्बन्ध में गुरूवार को बालाबेहट से जिला पंचायत सदस्य धनन्जय यादव के नेतृत्व में गांव के प्रधान समेत दर्जनों ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट पहुंच कर जिलाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने बताया कि बालाबेहट के मजरा बरेना में ननेरी तिराहा से लेकर बरेना तक कुल 3.5 किलोमीटर तक का सड़क विगत बीस वर्षों पुराना है। इस समय उक्त रोड जर्जर अवस्था में है। पूर्व में यह रोड मण्डी समिति द्वारा निर्माण कराया गया था। उसके बाद से आज तक इस रोड की सुध नहीं ली गयी और समय गुजरने के साथ ही यह रोड अब काफी जर्जर अवस्था में है। हालात यहां तक खराब हैं कि इस रोड से लोगों को वाहन से तो दूर पैदल निकलना भी मुश्किल है, जिससे बच्चों को विद्यालय आने-जाने और बुजुर्गों व महिलाओं को भी आवागमन में भारी परेशानियों को उठाना पड़ रहा है। बताया कि कई बार मण्डी समिति से निवेदन करने के बाद भी उक्त सड़क का निर्माण नहीं कराया गया और न ही इस सड़क की रिपेयरिंग की गयी। इसके अलावा ग्रामीणों ने भी बताया कि इस मार्ग से अधिकांश दुर्घटनाएं भी घटित हो रहीं हैं। ग्रामीणों ने अभय सिंह के मकान से लेकर प्राथमिक विद्यालय बरेना तक पक्का सीसी रोड निर्माण कराये जाने की मांग उठायी है और इसके अलावा शेष मार्ग की मरम्मत कराये जाने की आवश्यकता पर बल दिया। ज्ञापन देते समय जिला पंचायत सदस्य बालाबेहट धनन्जय सिंह यादव के अलावा अनेकों ग्रामीण मौजूद रहे।

नेहरू नगर वार्ड में खराब हैंडपंप हुए दुरुस्त

पानी की समस्या से मिली राहत

ललितपुर। शहर के मोहल्ला नेहरू नगर वार्ड नंबर-3 में महीनों से खराब पड़े हैंडपंपों को आखिरकार दुरुस्त करा दिया गया है। हैंडपंप खराब होने के कारण स्थानीय लोगों को पानी भरने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था, खासकर गर्मी के मौसम में जब पाइपलाइन से पानी की सप्लाई बाधित रहती थी। मोहल्लेवासियों के अनुसार कई स्थानों पर हैंडपंप लंबे समय से खराब पड़े थे, जिससे लोगों को दूर-दराज लगे हैंडपंपों से पानी लाना पड़ता था। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए वार्ड पार्षद मोहिनी दरौनियां के प्रयासों से खराब हैंडपंपों की मरम्मत कराई गई। पार्षद प्रतिनिधि विवेक दरौनियां ने मौके पर मौजूद रहकर जल संस्थान की टीम के सहयोग से मरम्मत कार्य कराया। इस दौरान जल संस्थान के कर्मचारी पर्वत सिंह, अरविन्द यादव और गब्बर सिंह ने विभिन्न स्थानों पर खराब पड़े हैंडपंपों को ठीक किया। मरम्मत किए गए हैंडपंपों में भूपेश यादव के घर के सामने, लव के घर के सामने, महाराज सिंह के घर के सामने, रहमान साइकिल वाले की दुकान के सामने, सुनील अहिरवार के घर के सामने, ओमप्रकाश महाराज की राशन दुकान के पास सहित वार्ड के कई प्रमुख स्थान शामिल हैं। हैंडपंप ठीक होने के बाद मोहल्लेवासियों ने राहत महसूस की और पार्षद मोहिनी दरौनियां व उनकी टीम के प्रयासों की सराहना की। स्थानीय लोगों का कहना है कि अब उन्हें पानी के लिए भटकना नहीं पड़ेगा।

सागर रोड स्थित ढाबे पर ऑनलाइन सट्टा खिलाते दबोचा गया आरोपी

मोबाइल से चल रहा था खेल

ललितपुर। अपराध नियंत्रण अभियान के तहत कोतवाली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने सागर रोड स्थित एक ढाबे के पास ऑनलाइन सट्टा खिलाते हुए एक आरोपी को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से मोबाइल फोन बरामद हुआ, जिसमें ऑनलाइन सट्टेबाजी का प्लेटफॉर्म खुला मिला। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 6 मई 2026 को उपनिरीक्षक रज्जन बाबू पुलिस टीम के साथ मसौरा चौकी क्षेत्र में शांति व्यवस्था एवं अपराध नियंत्रण के लिए गश्त पर थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि सागर रोड स्थित साहूजी ढाबा के पास एक व्यक्ति मोबाइल के जरिए ऑनलाइन सट्टा खिला रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम दिनेश साहू पुत्र प्रभुदयाल साहू निवासी आजादपुरा तृतीय, थाना कोतवाली ललितपुर बताया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से एक सैमसंग गैलेक्सी एफ23 5जी मोबाइल फोन बरामद हुआ। मोबाइल की जांच करने पर उसमें ऑनलाइन सट्टा साइट खुली मिली, जिसमें हजारों रुपये के लेनदेन का रिकॉर्ड पाया गया। पुलिस ने मौके पर ही मोबाइल का फोटो और डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित कर लिया। कोतवाली पुलिस ने आरोपी दिनेश साहू के खिलाफ सार्वजनिक जुआ अधिनियम 1867 की धारा 13 के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

अयोध्या में बड़ा हादसा, बस्ती के तीन युवक सरयू नदी में डूबे, तलाश में जुटीं राहत टीमें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले से जन्मदिन पर अयोध्या स्नान और जन्मदिन मनाने गए युवकों के साथ गुरुवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। सरयू नदी में स्नान के दौरान तेज लहरों की चपेट में आने से बस्ती के तीन युवक नदी में डूब गए/लापता हो गये। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई, जबकि सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और राहत टीमें युवकों की तलाश में जुट गईं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के मंगल बाजार के पांच युवक कार संख्या यूपी 78 सीडी 9555 से गुरुवार तड़के करीब 5 बजे अयोध्या गये थे। बताया जा रहा है कि सभी युवक जन्मदिन मनाने के लिए अयोध्या गए थे। सुबह लगभग 6 बजे सरयू नदी में स्नान के दौरान अचानक तेज बहाव और लहरों चपेट में आने के कारण तीन युवक गहरे पानी में चले गए और देखते ही देखते लापता हो गए।

हादसे में लापता युवकों की पहचान अमित गुप्ता (19 वर्ष), अभिषेक सोनी (19 वर्ष) और राज कसौधन (19 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि इनमें से एक युवक बस्ती के एक प्रतिष्ठित व्यापारी परिवार से संबंध रखता है। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और बड़ी संख्या में लोग अयोध्या के लिए रवाना हो गए।

वहीं युवकों के साथ मौजूद लकी (19 वर्ष) और किशन सोनी (19 वर्ष) सुरक्षित बताए जा रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार स्नान के दौरान अचानक पानी के तेज लहर आया , जिससे तीनों युवक संतुलन खो बैठे और नदी में बह गए।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस, गोताखोर और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंच गई। नदी में लापता युवकों की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। प्रशासन का कहना है कि राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी है। इस दर्दनाक हादसे के बाद बस्ती के मंगल बाजार क्षेत्र में शोक और चिंता का माहौल बना हुआ है।

रसूख के आगे बेबस बीडीए? अवैध निर्माण पर खामोशी, उठ रहे गंभीर सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जनपद में विकास प्राधिकरण (बीडीए) की कार्यशैली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। आरोप है कि सत्तापक्ष के राजनीतिक प्रभाव के चलते प्राधिकरण के अधिकारी आंख-कान बंद किए बैठे हैं, जिससे खुलेआम मानकों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। ताजा मामला बड़ेवन रोड स्थित संतकबीर आई हॉस्पिटल के सामने हो रहे एक अवैध निर्माण से जुड़ा है, जहां नियमों को दरकिनार कर दबंगई और पैसे के दम पर निर्माण कार्य तेजी से जारी है, लेकिन जिम्मेदार विभाग मूकदर्शक बना हुआ है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह निर्माण पूरी तरह से नियमों के विपरीत हो रहा है। बिना मानचित्र स्वीकृति और निर्धारित मानकों के उल्लंघन के बावजूद करीब 10 फीट ऊंचा ढांचा खड़ा कर दिया गया है। हैरानी की बात यह है कि इस अवैध निर्माण में बिजली के पोल को भी बाउंड्री के अंदर समेट लिया गया है, जो न केवल नियमों का उल्लंघन है बल्कि जन सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा बन सकता है।क्षेत्रवासियों में इस बात को लेकर खासा आक्रोश है कि बीडीए की कार्रवाई केवल कमजोर और मध्यम वर्गीय लोगों तक ही सीमित रह जाती है।

लोगों का आरोप है कि जिनके पास पैसा और राजनीतिक पहुंच है, उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती। यही कारण है कि खुलेआम नियमों की अनदेखी कर निर्माण किया जा रहा है, लेकिन विभाग की ओर से कोई नोटिस तक जारी नहीं किया गया।गौरतलब है कि कुछ ही दिनों पहले बीडीए ने घरसोहिया क्षेत्र में अवैध निर्माण के खिलाफ बुलडोजर चलाकर सख्त कार्रवाई की थी। उस समय विभाग ने नियमों का हवाला देते हुए कई निर्माणों को ध्वस्त कर दिया था। ऐसे में अब सवाल उठता है कि क्या बड़ेवन रोड पर हो रहे इस अवैध निर्माण पर भी वही सख्ती दिखाई जाएगी या फिर प्रभावशाली लोगों के सामने बीडीए घुटने टेक देगा?

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अगर समय रहते इस निर्माण पर रोक नहीं लगाई गई, तो यह एक गलत संदेश जाएगा और अन्य लोग भी नियमों को ताक पर रखकर निर्माण करने लगेंगे। इससे शहर की नियोजन व्यवस्था पूरी तरह चरमरा सकती है। बीडीए की चुप्पी पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। क्या विभाग को इस अवैध निर्माण की जानकारी नहीं है, या फिर जानबूझकर अनदेखी की जा रही है? अगर जानकारी है, तो अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई? इन सवालों के जवाब जिम्मेदार अधिकारियों को देना होगा। जनता अब यह जानना चाहती है कि क्या कानून सभी के लिए बराबर है या फिर रसूखदारों के लिए अलग नियम बनाए गए हैं। प्रशासन से मांग की जा रही है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच कर तत्काल कार्रवाई की जाए और दोषियों पर सख्त कदम उठाए जाएं। अब देखना यह होगा कि बीडीए अपनी साख बचाने के लिए इस अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाता है या फिर यह मामला भी अन्य मामलों की तरह ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है।

बस्ती पुलिस मे आनन फानन मे निलंबन और फिर पोस्टिंग पर उठे सवाल

- **मामला संदिग्ध लग रहा है कहीं मोटी रकम लेकर के पोस्टिंग तो नहीं होगी निलंबन के तीन दिन बाद सोनू पार चौकी का चार्ट दे दिया गया पुलिस व्यवस्था पर उठ रहे सवाल**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

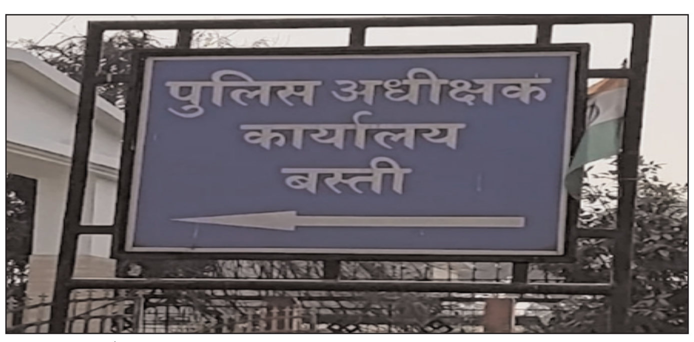

बस्ती। पुलिस महकमे मेनिलंबन के बाद तेज पोस्टिंग पर सवाल उठ रहे हैं। जनपद के छावनी थाना क्षेत्र स्थित विक्रमजोत चौकी क्षेत्र में हुए हत्या के एक मामले को लेकर की गई पुलिस कार्रवाई अब सवालों के घेरे में आ गई है। पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने घटना के बाद उपनिरीक्षक समेत संबंधित पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए जांच के निर्देश दिए गए थे। पुलिस अधीक्षक के सख्त तेवर और त्वरित कार्यवाही की सोशल मीडिया मे खूब चर्चा हुई। दण्डात्मक कार्यवाही के महज दो-तीन दिन के भीतर ही नई तैनाती कर दी गई। लोगों का कहना है कि इतनी गंभीर घटना में जहां विस्तृत और निष्पक्ष जांच अपेक्षित थी, वहीं इतनी तेजी से पोस्टिंग होना प्रक्रिया पर सवाल खड़े करता है। निलंबन की सजा पाये पुलिसकर्मियों ने तीन दिन के भीतर कौन सा ऐसा कार्य कर दिया कि पुलिस अधीक्षक उससे प्रभावित हो गये।

निलंबन के कुछ ही घंटों बाद चौकी इंचार्ज एसआई शशिशेखर सिंह को सोनूपार चौकी प्रभारी बना दिया गया। इस त्वरित तैनाती को लेकर क्षेत्र में चर्चाएं तेज हैं। एक ओर जहां कुछ लोग नई तैनाती को प्रशासनिक सक्रियता मान रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कई लोग इसे जांच पूरी होने से पहले जल्दबाजी में लिया गया फैसला मानकर आशंका जता रहे हैं। पूरा मामला विक्रमजोत चौकी क्षेत्र में हुई हत्या की घटना से जुड़ा है, जिसके बाद पुलिस महकमे में हलचल मच गई थी।

आपको याद दिला दें छावनी थाना क्षेत्र के रमहटिया गांव में झाड़ियों में 40 वर्षीय गया प्रसाद का शव मिला था। परिजनों का आरोप था कि पड़ोस के राजन नाम के व्यक्ति से वर्षो से दुश्मनी चल रही थी, उसने पहले गया प्रसाद को तेजाब पिलाया और फिर चेहरे पर तेजाब डाल कर मौत के घाट उतार दिया। इस मामले मे चौकी इंचार्ज की भूमिका संदिग्ध पाये जाने पर पुलिस कप्तान ने दो आरक्षियों समेत चौकी इंचार्ज को निलंबित कर दिया था। पीड़ित परिजनों का आरोप है कि चौकी इंचार्ज और उन के साथ आए दो सिपाहियों ने 50 हजार की डिमांड की।

नाबालिग को शादी का झांसा देकर भगाने वाला युवक गिरफ्तार, अपहृता सकुशल बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। थाना पचपेड़वा पुलिस ने नाबालिग लड़की को शादी का झांसा देकर बहला-फुसलाकर भगाने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने अपहृता को सकुशल बरामद करते हुए आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना पचपेड़वा क्षेत्र के ग्राम डुमरी, सुग्गानगर डुमरी निवासी एक व्यक्ति ने 05 मई 2026 को थाना पचपेड़वा में तहरीर देकर बताया था कि उसकी नाबालिग पुत्री को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। मामले में थाना पचपेड़वा पर मु0अ0सं0 057/2026 धारा 137(2), 87 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

विवेचना के दौरान राजित कुमार उर्फ गोलू पुत्र दान सिंह निवासी ग्राम डुमरी, सुग्गानगर डुमरी थाना पचपेड़वा का नाम प्रकाश में आया। इसके बाद पुलिस अधीक्षक बलरामपुर श्री विकास कुमार के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक श्री विशाल पाण्डेय एवं क्षेत्राधिकारी तुलसीपुर डॉ. जितेन्द्र कुमार के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक ओम प्रकाश चौहान के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। थाना पचपेड़वा पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग तथा सुरागरसी के दौरान अभियुक्त राजित कुमार उर्फ गोलू को गिरफ्तार कर लिया गया। साथ ही अपहृता को सकुशल बरामद कर लिया गया। पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय रवाना कर दिया है। वहीं अपहृता को महिला आरक्षी आरती देवी एवं महिला आरक्षी प्रीती शर्मा की सुपुर्दगी में अग्रिम विधिक कार्रवाई हेतु वन स्टॉप सेंटर बलरामपुर भेजा गया है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक रमाकांत त्रिपाठी, कांस्टेबल मंजीत कुमार एवं महिला कांस्टेबल प्रीती शर्मा शामिल रहीं।

सिद्धार्थनगर में पेड़ से बांधकर युवक की पिटाई का वीडियो वायरल, पुलिस जांच में जुटी

सिद्धार्थनगर। जिले के त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के सरोथर कठौतिया गांव का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में एक युवक को पेड़ से बांधकर मारने-पीटने का आरोप लगाया जा रहा है। वीडियो में युवक यह कहते हुए सुनाई दे रहा है कि इसने हमको मारापीटा जबकि मौके पर पुलिस की मौजूदगी भी दिखाई दे रही है। हालांकि स्वतंत्र प्रभात वायरल वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है। वायरल वीडियो में एक अन्य युवक यह भी कहता नजर आ रहा है कि दो दिन पहले जब हम तुम्हारे यहां गए थे तब तुम लोगों ने हमें मारापीटा था। इससे साफ है कि मामला पुरानी रंजिश और आपसी विवाद से जुड़ा हुआ है। थानाध्यक्ष चंद्रकांत पाण्डेय ने बताया कि मामला संज्ञान में है। दो दिन पूर्व दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ था इसके चलते फिर कहासुनी और विवाद हो गया। इस दौरान एक पक्ष ने युवक को पेड़ से बांध दिया ताकि वह मौके से भाग न सके। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। थानाध्यक्ष के अनुसार दोनों पक्षों को थाने पर बुलाकर मामले की जांच की जा रही है और आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

ऑपरेशन चक्रव्यूह' के तहत थाना गौरीगंज पुलिस की बड़ी कार्यवाही, भारी मात्रा में गांजा बरामद

- **'नशा मुक्त अमेठी अभियान' के अन्तर्गत 10 किलो 100 ग्राम गांजा (अनूतर्राष्ट्रीय कीमत 12 लाख रूपये) के साथ 01 अभियुक्त गिरफ्तार**
- **घटना में प्रयुक्त मोबाइल व मोटरसाइकिल बरामद**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गौरीगंज अमेठी। पुलिस अधीक्षक अमेठी सरवणन टी. के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों की धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे 'ऑपरेशन चक्रव्यूह' अभियान तथा 'नशा मुक्त अमेठी अभियान' के तहत क्षेत्राधिकारी गौरीगंज अखिलेश वर्मा के कुशल नेतृत्व में थाना गौरीगंज पुलिस द्वारा संदिग्धों की चेकिंग व देखभाल क्षेत्र के दौरान सैंठा बार्डर के पास प्रतापगढ़ की ओर से आ रहा प्लेटिना मोटरसाइकिल संख्या यूपी 72 बीयू 2684 सवार अभियुक्त घनश्याम कुमार शुक्ल पुत्र रामकुमार शुक्ल निवासी पूरे बल्दी मजरे रेहुआ लालगंज थाना उदयपुर जनपद प्रतापगढ़ उम्र करीब 28 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। तलाशी से मोटरसाइकिल की डिग्गी से व मोटरसाइकिल पर टंगे 02 झोलों से अलग-अलग 06 पैकेटों में कुल 10 किलो 100 ग्राम गांजा व गांजा क्रय-विक्रय की घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन बरामद हुआ। पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्त ने बताया कि वह पिछले कुछ महीनों से गांजा बेचनें का काम कर रहा है व मोबाइल फोन में वेब एप के माध्यम से जी.एस. नाम के व्यक्ति से बात करके प्रयागराज के सांसों के पास से गांजा लाता है। जी.एस. उपरोक्त का कोई नंबर नहीं है, वह गांजे की फोटो वेब एप पर भेजकर दिखाता है जिससे बात करके अभियुक्त 30 किलोग्राम गांजा लाया था जिसमें शेष गांजा आज बरामद हुआ है। बरामदगी के आधार पर थाना गौरीगंज पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की गई।

संभागीय परिवहन अधिकारीयों ने बस्ती कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती संभागीय परिवहन अधिकारी फरीदुद्दीन एवं सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी माला बाजपेई ने बस्ती कार्यालय डीटीआई कटरा का औचक निरीक्षण किया गया। संपूर्ण निरीक्षण करने के उपरांत अधीनस्थों को उचित साफ सफाई एवं दस्तावेजों का व्यवस्थित रखरखाव करने को को निर्देश दिए गए। तथा कार्यालय में आगंतुकों के शुद्ध पेय जल के लिए लगा आरओ सर्विस योग्य है जिसका तत्काल सर्विस कराने के निर्देश दिए गए जिसमें वर्तमान में भीषण गर्मी से आगंतुकों/ आवेदकों को शुद्ध जल की व्यवस्था हो सके। वाहन फिटनेस संबंधी समय बद्ध निस्तारण हेतु संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन के द्वारा सुरेन्द्र कुमार,मोटरयान निरीक्षक सिद्धार्थनगर की ड्यूटी बस्ती में सप्ताह के दो दिन क्रमशः बुधवार एवं बृहस्पतिवार को अग्रिम आदेशों तक लगा दी गई है।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) द्वारा निर्गत आदेश द्वारा दिनांक 5.6.2026 द्वारा प्रेम सागर कनिष्ठ सहायक की ड्यूटी डीटीआई में ड्राइविंग लाइसेंस के समस्त आवेदन पत्रों का भौतिक रूप से जांच करने के तथा विशेष कर ड्राइविंग लाइसेंस के नवीनीकरण, पता परिवर्तित, के आवेदकों के विशेष सावधानियां बरतते हुवे ऐसे आवेदकों के ड्राइविंग लाइसेंस एक्ट्रेक्ट सारथी पोर्टल से डाउनलोड करके उसका भलीभांति परीक्षण कराकर लिया जाए तथा संतुष्ट होने के उपरांत ही अग्रिम कार्यवाही की जाय।

परिवहन अधिकारियों द्वारा बायोमेट्रिक कक्ष का भी निरीक्षण किया जाता जिसमें यह पाया गया की स्कूटनिंग/बायोमेट्रिक हेतु नियुक्त आउटसोर्सिंग कर्मचारियों द्वारा निर्धारित यूनिफार्म धारण नहीं किया गया था तथा उन कर्मचारियों के अपने पहचान पत्र भी नहीं मौके पर पाए गए। निर्देश दिए गए कि उक्त कर्मचारियों द्वारा निर्धारित वेशभूषा और पहचान पत्र धारण करने के साथ एवं पूर्ण निष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन किया जाए। उक्त के अतिरिक्त यह भी निर्देश दिए गए कि कार्यालय परिसर में किसी भी प्रकार की अनियमता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की संस्तुति कर दी जाएगी।

परिवार रजिस्टर नकल वितरण अभियान तेज, डीएम के निर्देशन में ग्राम पंचायतों में बांटी गई प्रतियां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन के निर्देशन में गुरुवार को जनपद के समस्त विकास खंडों की ग्राम पंचायतों में परिवार रजिस्टर नकल वितरण अभियान चलाया गया। इस दौरान रजवापुर, रामगढ़मैटाहवा, धर्मपुर, चौधरीडीह सहित विभिन्न ग्राम पंचायतों में परिवारों को परिवार रजिस्टर की प्रतियां उपलब्ध कराई गईं। ग्राम पंचायत सचिवों द्वारा संबंधित पंचायतों में पहुंचकर परिवार रजिस्टर नकल का वितरण किया गया। प्रशासन की ओर से यह पहल ग्राम स्तर पर अभिलेखों को अद्यतन रखने एवं आमजन को समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई है।

जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर पर परिवारों का अद्यतन अभिलेख उपलब्ध कराना तथा शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि परिवार रजिस्टर नकल एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जिसमें परिवार के सदस्यों के नाम, उम्र एवं आपसी संबंध दर्ज रहते हैं। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी ग्राम पंचायतों में परिवार रजिस्टर का सुव्यवस्थित रख-रखाव सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को आवश्यक प्रमाण पत्र एवं प्रशासनिक सेवाएं समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराई जा सकें। साथ ही अभिलेखों का नियमित सत्यापन एवं अद्यतन कार्य भी कराया जाए, जिससे शासन की योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पारदर्शी तरीके से पहुंच सके।

बलरामपुर के जुड़ावन गांव का रास्ता जर्जर:हल्की बारिश में भर जाता है पानी, आवागमन बाधित

बलरामपुर जनपद बलरामपुर के महाराजगंज तराई से जुड़ावन गांव को जोड़ने वाला मार्ग पूरी तरह जर्जर हो गया है। हल्की बारिश में ही यह रास्ता गड्ढों और पानी से भर जाता है, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि थोड़ी सी बारिश होते ही रास्ता बंद हो जाता है। सुबह स्कूल जाने वाले बच्चों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, और लौटते समय भी उन्हें ऐसी ही स्थिति से गुजरना पड़ता है। ग्राम प्रधान राम गणेश ने जानकारी दी कि रास्ते की मरम्मत अति आवश्यक है। राजा राम, राम लोटन, अवध राम, संचित और राजकुमार सहित अन्य ग्रामीण भी सड़क की मरम्मत की गुजारिश कर रहे हैं। गांव के लोगों को बाजार तक पहुंचने के लिए भी काफी मशक्कत करनी पड़ती है। सड़क की बदहाली के कारण उन्हें लंबा और कठिन रास्ता तय करना पड़ता है। यह मार्ग पूरी तरह से टूट चुका है और बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो गया है। सड़क की मरम्मत न होने से ग्रामीणों में गहरा रोष है।

जिलाधिकारी ने गांव पहुंचकर परखी पाइप पेयजल परियोजना की हकीकत

- **'ग्रामीणों से संवाद कर जानी पानी सप्लाई की स्थिति**
- **भीषण गर्मी को देखते हुए सुबह-शाम के साथ दोपहर में भी जलापूर्ति सुनिश्चित करने के दिए निर्देश**
- **पानी की गुणवाा की नियमित जांच एवं ओवरहेड टैंक की साफ-सफाई पर विशेष जोर**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित जल जीवन मिशन के अंतर्गत जनपद में पाइप पेयजल परियोजनाओं का कार्य तेजी से संचालित किया जा रहा है। योजनाओं के क्रियान्वयन एवं धरातलीय स्थिति की वास्तविक जानकारी लेने के लिए जिलाधिकारी संजय चौहान स्वयं गांव पहुंचकर परियोजनाओं का निरीक्षण कर रहे हैं। इसी क्रम में गुरुवार को जिलाधिकारी ने विकासखंड जामों अंतर्गत ग्राम रामपुर चौधरी पहुंचकर ग्रामीण पाइप पेयजल परियोजना का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परियोजना से जुड़े प्रत्येक पहलू की गहनता से समीक्षा की तथा अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि भीषण गर्मी के दौरान किसी भी गांव में पेयजल आपूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता जल निगम से परियोजना के संचालन, जलापूर्ति की समय-सारिणी, ओवरहेड टैंक की साफ-सफाई, पाइपलाइन व्यवस्था तथा रखरखाव संबंधी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देशित किया कि पानी की सप्लाई निर्धारित समयानुसार नियमित रूप से सुनिश्चित की जाए तथा ग्रामीणों को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए। इसके उपरांत जिलाधिकारी स्वयं गांव में पहुंचे और ग्रामीणों से सीधे संवाद कर पानी की उपलब्धता एवं सप्लाई की वास्तविक स्थिति जानी। उन्होंने घरों में जाकर नलों की जांच की तथा स्वयं नल खोलकर पानी सप्लाई की सच्चाई परखी। मौके पर नलों से नियमित रूप से पानी की आपूर्ति होती पाई गई, जिस पर जिलाधिकारी ने संतोष व्यक्त किया। ग्रामीणों ने भी जलापूर्ति व्यवस्था को लेकर अपने अनुभव साझा किए। जिलाधिकारी संजय चौहान ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वर्तमान भीषण गर्मी को देखते हुए केवल सुबह और शाम ही नहीं, बल्कि आवश्यकता अनुसार दोपहर में भी पानी की सप्लाई सुनिश्चित की जाए, ताकि ग्रामीणों को पेयजल संकट का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि जलापूर्ति में लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि पेयजल की गुणवत्ता की समय-समय पर जांच कराई जाए तथा ओवरहेड टैंक एवं अन्य संरचनाओं की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए, जिससे ग्रामीणों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो सके। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया कि शिकायत प्राप्त होने पर उसका तत्काल निस्तारण किया जाए। अधिशासी अभियंता जल निगम ए.के. राव ने बताया कि उक्त परियोजना के माध्यम से 11 मजरों एवं दो राजस्व गांवों में जलापूर्ति की जा रही है। योजना के अंतर्गत कुल 620 घरों को पेयजल कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने बताया कि जनपद अमेठी में जल जीवन मिशन के अंतर्गत कुल 487 पाइप पेयजल परियोजनाएं संचालित हैं, जिनमें से 370 परियोजनाओं में कार्य पूर्ण कर जलापूर्ति प्रारंभ की जा चुकी है। जनपद में कुल 3,32,724 घरों को पेयजल कनेक्शन दिए जाने का लक्ष्य निर्धारित था, जिसके सापेक्ष अब तक 3,32,300 घरों में कनेक्शन उपलब्ध करा दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी पूजा साहू, अधिशासी अभियंता जल निगम ए.के. राव, संबंधित कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

चालानों का राष्ट्रीय लोक अदालत में कराये सरल निस्तारण

जिला न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रातः 10 बजे से होगा आयोजन

रायबरेलीः- राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 09 मई 2026 को दीवानी न्यायालय, रायबरेली में प्रातः 10 बजे से किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में अन्य मामलों के साथ-साथ वाहनों के ई-चालानों का निस्तारण सुगमता से कराया जा सकता है। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनिशा द्वारा बताया गया कि जिन व्यक्तियों के वाहनों का पुलिस अथवा यातायात पुलिस द्वारा ई-चालान किया गया है वे सभी व्यक्ति 09 मई 2026 को दीवानी न्यायालय परिसर रायबरेली में आकर राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से सुगमता से अपने मामले का निस्तारण करा सकते है।

हमें अपने चरित्र को उत्तम और आचरण को सही करना होगा,नमाज़ की पाबन्दी के बिना कुछ भी सम्भव नहीं:-फुरकान मियां हाशमी

खैराबाद सीतापुर- स्थानीय दरगाह हाफ़िज़िया अस्लमिया में चल रहे पांच दिवसीय 181 वें उर्स के दूसरे दिन प्रातःकाल क़ुरआन ख्वानी हुई तथा 3 बजे से महफिले समा प्रारम्भ हुई और सांय काल हाफिज हजरत मोहम्मद अली शाह का कुल शरीफ संपन्न हुआ उक्त अवसर पर उपस्थित सज्जादगान में नजमुल हसन शोएब मियां,सैय्यद अज़ीज़ुल हसन रिज़वी मदनी मियां, सैय्यद गयास मियां, एजाज़ हसन एडवोकेट,दरगाह समदिया फफूंद शरीफ़ के मौलाना सैय्यद अज़हर मियां चिश्ती,सैय्यद लईक अहमद किरमानी,हैदराबाद से हज़रत हबीब अली शाह के सज्जादानशीन जावेद पाशा,तथा हकीम एजाज़,सैय्यद मुख्तार , रहीम गिलिमी,हमीद मिर्ज़ाई तथा मुम्बई से इमरान अहमद,इरफान अहमद,इबाद अहमद,मद्रास चेन्नई से सज्जाद अली बावा आदि मौजूद थे इसके पश्चात रात में हाफ़िज़ मोहम्मद सैय्यद मोहम्मद हसन मियां के आस्ताने पर संदल शरीफ़ पेश किया गया। उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि हम सबको अपने बुजुर्गों की शिक्षा पर पूरी तरह अमल करना चाहिए और नमाज़ की पाबन्दी आवश्यक रूप से करनी होगी।दरगाह में आयोजित सभी कार्यक्रमों में उपस्थित रहने वालों में दरगाह के मतवल्ली सैय्यद नवेद असलम हाशमी सैय्यद फरजान मियां,सैय्यद फरहान मियां, सैय्यद फरमान मियां चिश्ती, वक़ार मियां,मौलाना सैय्यद गुलाम हाफिज मियां,क़ारी इसलाम आरफी,इमरान सिद्दीकी आदि मौजूद थे।

भीमनगर में अवैध मुद्रा विनिमय रैकेट का भंडाफोड़

23 लाख से अधिक की नेपाली व भारतीय मुद्रा बरामद

सुपौल। सीमावर्ती क्षेत्र में अवैध वित्तीय गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सुपौल पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। भीमनगर थाना क्षेत्र में अवैध नेपाली एवं भारतीय मुद्रा विनिमय रैकेट का खुलासा करते हुए पुलिस ने लाखों रुपये की नकदी बरामद की है। जानकारी के अनुसार 6 मई 2026 को भीमनगर थानाध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ दुकानों में नेपाली और भारतीय मुद्रा का अवैध विनिमय किया जा रहा है। सूचना के बाद जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक सुपौल के निर्देश पर अनुमंडल दंडाधिकारी और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बीरपुर के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। गठित टीम ने सहर्षा चौक स्थित चंदन किराना दुकान और उदय किराना स्टोर में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने कुल 10 लाख 34 हजार 230 नेपाली मुद्रा तथा 13 लाख 65 हजार 50 भारतीय रुपये बरामद किए। पुलिस ने बताया कि बरामद नेपाली और भारतीय मुद्रा के स्रोत तथा लेन-देन से जुड़े दस्तावेजों की जांच की जा रही है। मामले में भीमनगर थाना में कांड दर्ज कर संलिप्त व्यक्तियों की पहचान एवं अवैध गतिविधियों के नेटवर्क की जांच शुरू कर दी गई है। छापेमारी दल में पुलिस एवं प्रशासन के कई अधिकारी और जवान शामिल थे। पुलिस का कहना है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध कारोबार और तस्करी के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा।

रहीमाबाद थाना क्षेत्र में पैतृक संपत्ति के बंटवारे को लेकर सगे भाइयों में खूनी संघर्ष

● लाठी-डंडों और धारदार हथियार से हमला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के रहीमाबाद थाना क्षेत्र में पैतृक संपत्ति के बंटवारे को लेकर सगे भाइयों के बीच चल रहा विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। मामूली कहासुनी देखते ही देखते मारपीट तक पहुंच गई, जिसमें एक भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद इलाके में चर्चा का माहौल बना हुआ है। जानकारी के अनुसार रहीमाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम रंडाखेड़ा मजरा सरसपन निवासी हरिनाम ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि पिता की मृत्यु के बाद परिवार की पैतृक संपत्ति के बंटवारे को लेकर चारों भाइयों के बीच काफी समय से बातचीत चल रही थी। परिवार के लोग आपसी सहमति से विवाद को खत्म करने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन इसी बीच विवाद इतना बढ़ गया कि मामला मारपीट तक पहुंच गया। पीड़ित हरिनाम के अनुसार, बीती 3 मई की शाम करीब 7 बजे उनके छोटे भाई सोनू ने संपत्ति के बंटवारे को लेकर अचानक विवाद शुरू कर दिया। पहले दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस हुई और फिर माहौल तनावपूर्ण हो गया। हरिनाम का आरोप है कि जब उन्होंने अपने छोटे भाई को समझाने का प्रयास किया, तब वह गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपी सोनू ने अपना आपा खो दिया और लाठी-डंडों के साथ-साथ धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में हरिनाम को सिर सहित शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आई। बताया जा रहा है कि मारपीट के दौरान आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। शोर सुनकर परिवार के अन्य सदस्य और मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते लोग मौके पर नहीं पहुंचते तो घटना और भी गंभीर हो सकती थी। पीड़ित का आरोप है कि मारपीट के बाद आरोपी सोनू ने जान से मारने की धमकी भी दी और

मौके से फरार हो गया। घटना के बाद घायल हरिनाम ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। रहीमाबाद पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। दोनों पक्षों से पूछताछ की जाएगी और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं गांव में इस घटना के बाद लोगों के बीच चर्चा का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि पैतृक संपत्ति को लेकर होने वाले विवाद अक्सर रिश्तों में कड़वाहट पैदा कर देते हैं और कई बार ऐसे मामले हिंसक रूप भी ले लेते हैं।

दबिश के दौरान लगभग 20 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद व 02 अभियोग पंजीकृत

रायबरेलीः- जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका व पुलिस अधीक्षक रवि कुमार के आदेशानुसार विशेष प्रवर्तन अभियान के दृष्टिगत के अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध जारी विशेष प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत जिला आबकारी अधिकारी के कुशल नेतृत्व में आबकारी निरीक्षक क्षेत्र- 5 एवं थाना लालगंज के साथ संयुक्त टीम द्वारा विभिन्न स्थानों पर दबिश की कार्यवाही की गयी। आबकारी टीम द्वारा तहसील डलमऊ थाना लालगंज के अंतर्गत अवैध कच्ची शराब बनाने के अड्डों/संदिग्ध घरों पर दबिश की कार्यवाही की गई। दबिश के दौरान लगभग 20 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद कर 02 अभियोग आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में पंजीकृत किये गए। जिले में अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु इस तरह की कार्यवाही आगे भी जारी रहेंगी।

घायल को चार घंटे करना पड़ा एंबुलेंस का इंतजार

● सीडीओ ने सीएचसी पहुंचकर की जांच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। एंबुलेंस मिलने में हुई देरी का मामला अब प्रशासनिक जांच तक पहुंच गया है। मीडिया में खबर आने के बाद जिलाधिकारी ने मामले का संज्ञान लिया है। इसके बाद मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता ने बृहस्पतिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर इसकी जांच की। दरअसल पंडित का पुरवा गांव निवासी अजय (36) सोमवार को घर के पास नीम के पेड़ पर चढ़कर टूटी डाल काट रहा था। इसी दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया और वह ऊंचाई से नीचे गिर पड़ा। हादसे में उसकी कमर और पैर में गंभीर चोटें आई। परिजन घायल को तुरंत सीएचसी लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद सुबह करीब 9:30 बजे उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। आरोप है कि

रेफर होने के बाद परिजन लगातार डायल 108 एंबुलेंस सेवा पर फोन करते रहे लेकिन समय पर एंबुलेंस नहीं पहुंची। करीब चार घंटे बाद एंबुलेंस मिली तब जाकर घायल को जिला अस्पताल भेजा जा सका। इस दौरान वह सीएचसी में दर्द से तड़पता रहा। मामला सामने आने के बाद जिलाधिकारी ने जांच के निर्देश दिए। बृहस्पतिवार को सीडीओ और एसीएमओ की टीम अस्पताल पहुंची। सीडीओ ने सोमवार को इमरजेंसी में तैनात डॉक्टरों से जानकारी ली। इमरजेंसी रजिस्टर की फोटोकॉपी भी अपने साथ ले गईं। जांच के दौरान बीडीओ गगनदीप सिंह, सीएचसी अधीक्षक डॉ. अमल पटेल, डॉ. गौरव पांडेय, डॉ. प्रियंका समेत अन्य स्वास्थ्य कर्मचारी मौजूद रहे।

अज्ञात कारणों से बांसकोठी में लगी आग

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के धन्नीपुर गांव में बृहस्पतिवार को अज्ञात कारणों से कमलेश की बांसकोठी में आग लग गई। इससे बांस के पेड़ जल उठे। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम में आग पर काबू पाया। ग्रामीणों ने बताया कि अचानक गांव की निकट बांसकोठी में आग लग गई। बांस बहुत तेज आवाज के साथ फटकार जलने लगे। इससे अफरा तफरी का माहौल हो गया। ग्रामीणों ने घटना की सूचना फायर ब्रिगेड को दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने ग्रामीणों की मदत से आग पर काबू पा लिया।

तेज रफ्तार वाहन की टक्कर में अधेड़ की मौत साथी घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के बछरावां रोड पर मेरुई गांव के पास गुरुवार को दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार अधेड़ की मौके पर मौत हो गई। जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। मैंदेमऊ गांव के जबर सिंह का पुरवा निवासी सुरेश सिंह (53) पुत्र शिवनाथ सिंह अपने साथी बबलू (35) पुत्र रामसुंदर निवासी नरेंद्रपुर के साथ बाइक से बछरावां की ओर जा रहे थे। तभी मेरुई गांव के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। जहां डॉक्टरों ने सुरेश सिंह को मृत घोषित कर दिया। वहीं बबलू की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया है।

पत्नी उषा, बेटे धनंजय और रणविजय सिंह का रो रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने बताया कि सुरेश सिंह पुणे में ट्रक ड्राइवर थे। वह एक दिन पहले ही गांव आए थे। अचानक हुए हादसे से परिवार सदमे में है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घायल का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है।

मोहनलालगंज ब्लॉक में जनगणना को लेकर अलर्ट मोडः बीडीओ ने कर्मियों को दिए स्वगणना के निर्देश

● ...... 'पहले खुद करें स्व गणना, फिर जनता को करें जागरूक' – बीडीओ आशुतोष श्रीवास्तव

......आर्थिक एवं सामाजिक जनगणना की तैयारियों को लेकर ब्लॉक मुख्यालय में हुई अहम बैठक; पंचायत सचिवों और रोजगार सेवकों को डेटा शुद्धता व पारदर्शिता के दिए गए निर्देश!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज/लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज विकासखंड में गुरुवार को आर्थिक एवं सामाजिक जनगणना की तैयारियों को लेकर विकास खंड अधिकारी (बीडीओ) आशुतोष श्रीवास्तव की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी लखनऊ विशाख जी के निर्देशों के अनुपालन में आयोजित इस बैठक में पंचायत सचिवों, ग्राम रोजगार सेवकों तथा ब्लॉक स्तरीय कर्मचारियों को जनगणना प्रक्रिया को गंभीरता और पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने के निर्देश दिए गए। बैठक को संबोधित करते हुए बीडीओ आशुतोष श्रीवास्तव ने कहा कि जनगणना अभियान की सफलता कर्मचारियों की जिम्मेदारी और सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करती है। उन्होंने सभी कर्मचारियों से कहा कि वे सबसे पहले अपने परिवार की 'स्वगणना (Self-Enumeration)' ऑनलाइन माध्यम से पूर्ण करें, ताकि आमजन को भी इस प्रक्रिया के प्रति जागरूक किया जा सके और कर्मचारियों को स्वयं इसकी तकनीकी जानकारी का अनुभव हो सके। बीडीओ ने कहा कि सरकार की भविष्य की योजनाओं, विकास कार्यों और कल्याणकारी कार्यक्रमों की रूपरेखा इन्हीं आंकड़ों के आधार पर तय होगी, इसलिए डेटा संग्रहण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में जनगणना के तकनीकी पहलुओं, ऑनलाइन फॉर्म भरने की प्रक्रिया तथा फील्ड स्तर पर आने वाली संभावित समस्याओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान एडीओ पंचायत अशोक यादव एवं एपीओ उदय राज शर्मा ने कर्मचारियों को फील्ड में कार्य करते

समय बरती जाने वाली सावधानियों और समस्याओं के समाधान के संबंध में आवश्यक जानकारी दी।

बैठक में पंचायत सचिव शुभम मिश्रा, शशांक शुक्ला, अभिषेक सिंह, संदीप यादव , साधना रावत , प्रतिभा शर्मा , वंदना शर्मा, सुनीता पाल , अनीता मिश्रा , श्रुति अग्निहोत्री ग्राम रोजगार सेवक अजीत सिंह , अजय यादव , मथुरा यादव , रविशंकर पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में ब्लॉक स्तरीय कर्मचारी एवं ग्राम रोजगार सेवक मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में बीडीओ आशुतोष कुमार श्रीवास्तव, एडीओ पंचायत अशोक यादव, एपीओ उदय राज शर्मा सहित सभी कर्मचारियों ने ऑनलाइन स्वगणना फॉर्म भरकर अभियान की औपचारिक शुरुआत की ।

मलिहाबाद में दबंगई का आतंकः युवक को बाइक से कुचलने की कोशिश

● .....नामजद तहरीर के बाद भी पुलिस खाली हाथ

....पुरानी रंजिश में जानलेवा हमला, पीड़ित परिवार में दहशत; आरोपी पर फर्जी मुकदमों और धमकियों के आरोप, पुलिस की कार्यशैली पर उठे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ! राजधानी लखनऊ के मलिहाबाद तहसील क्षेत्र स्थित रामपुर बस्ती गांव में कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां पुरानी रंजिश के चलते एक युवक की जान लेने की कोशिश किए जाने का आरोप गांव के ही दबंग युवक पर लगा है। पीड़ित परिवार का कहना है कि घटना के कई दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस द्वारा कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, जिससे परिवार दहशत और असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव निवासी आदित्य प्रताप सिंह अपने चचेरे भाई के घर के बाहर खड़े थे, तभी गांव का ही आरोपी प्रमोद कुमार अपनी तेज रफ्तार पल्सर बाइक संख्या P 32 LJ 3581 लेकर पीछे से आया और आदित्य को जोरदार टक्कर मार दी। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि यह कोई हादसा नहीं बल्कि सुनियोजित तरीके से हत्या करने का प्रयास था। हालांकि आदित्य ने किसी तरह खुद को बचा लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। पीड़ित की पत्नी ने आरोप लगाया कि आरोपी प्रमोद कुमार पहले भी उनके परिवार को फर्जी मुकदमों में फंसाकर मानसिक रूप से प्रताड़ित करता रहा है। अब वह खुलेआम हत्या की धमकियां दे रहा है और देर रात गांव के बाहर संदिग्ध साथियों के साथ घूमकर परिवार को भयभीत करने का प्रयास कर रहा है। परिवार का कहना है कि आरोपी लगातार दबाव बनाकर उन्हें गांव छोड़ने तक की धमकी दे रहा है। मामले को और गंभीर इसलिए माना जा रहा है क्योंकि पीड़िता के जेठ की पूर्व में हत्या हो चुकी है। ऐसे संवेदनशील इतिहास के बावजूद पुलिस द्वारा मामले को गंभीरता से न लेना स्थानीय लोगों के बीच भी चर्चा का विषय बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कठोर कार्रवाई नहीं की गई तो क्षेत्र में कोई बड़ी वारदात हो सकती है। बताया गया कि घटना के अगले दिन 25 अप्रैल को मलिहाबाद थाने में आरोपी के खिलाफ नामजद तहरीर दी गई थी, लेकिन कई दिन गुजर जाने के बाद भी पुलिस ने न तो आरोपी की गिरफ्तारी की और न ही कोई सख्त कानूनी कार्रवाई की। इससे पीड़ित परिवार का पुलिस प्रशासन से भरोसा उठता नजर आ रहा है। पीड़ित पक्ष का यह भी आरोप है कि पुलिस की शिथिलता का फायदा उठाकर आरोपी पक्ष अब अपनी माता के माध्यम से अनुसूचित जाति एवं महिला उत्पीड़न का कार्ड खेलते हुए उल्टा पीड़ित परिवार को ही झूठे मुकदमों में फंसाने की साजिश रच रहा है। इस पूरे घटनाक्रम ने मलिहाबाद क्षेत्र में दहशत और तनाव का माहौल पैदा कर दिया है, जबकि पुलिस की निष्क्रियता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

राहुल गांधी के खिलाफ कथित आय से अधिक संपत्ति मामले की जांच को लेकर दायर मामले पर कोर्ट संजीदा, फाइल सील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने रायबरेली से कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी की कथित आय से अधिक संपत्ति की जांच की मांग वाली याचिका पर सुनवाई 12 मई तक टाल दी है। जस्टिस राजेश सिंह चैहान और जस्टिस जफीर अहमद की पीठ ने यह आदेश कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर की ओर से दाखिल याचिका पर दिया। याचिकाकर्ता ने राहुल गांधी पर अज्ञात स्रोतों से भारी संपत्ति अर्जित करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के मामले जजों ने खुली अदालत में सुनवाई करने से परहेज करते हुए केस फाइल से संलग्न दस्तावेजों को लेकर विशेष सतर्कता बरती। जजों ने सुनवाई के बाद पूरी केस फाइल को सील करके सीनियर रजिस्ट्रार की कस्टडी में दे दी और उन्हें आदेश दिया कि उक्त फाइल 12 मई को दोपहर में 2.15 बजे तक उनके सामने सुनवाई के लिए पेश करें। केस फाइल की सील उनके बेंच सेक्रेटरी उन्हीं के सामने खोलें। याचिका में केंद्र सरकार, सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), सीबीडीटी, यूपी पुलिस और सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन ऑफिस, नई दिल्ली को पक्षकार

बनाया गया है। याचिका में कोर्ट से मामले की जांच कराने का निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका 25 अप्रैल 2026 को हाईकोर्ट में दाखिल की गई थी, जबकि इसकी पहली सुनवाई छह मई को हुई। उल्लेखनीय है कि जजों ने मामले की सुनवाई अपने चैम्बर में की। बुधवार की सुनवाई के बाद जजों ने पूरी रिट याचिका की प्रति अपने समक्ष सीलबंद कराने का आदेश दिया और कहा कि इसे हाईकोर्ट के वरिष्ठ रजिस्ट्रार की अभिरक्षा में रखा जाए। सुनवाई शुरू होने पर याचिकाकर्ता की ओर से एक प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसमें वर्तमान रिट याचिका के अभिलेखों को सुरक्षित रखने का अनुरोध किया गया। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता की ओर से विस्तृत बहस की गई, जिसके बाद विपक्षी पक्षों की ओर से पेश अधिवक्ताओं ने संबंधित सरकारों और एजेंसियों से लिखित निर्देश प्राप्त करने के लिए समय मांगा। इस पर सहमति जताते हुए कोर्ट ने अगली सुनवाई 12 मई तय की।

सुपौल पुलिस को बड़ी सफलता, लूटकांड का उद्भेदन

सुपौल। जिले में अपराध नियंत्रण को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत सुपौल पुलिस ने लूटकांड का सफल उद्भेदन करते हुए तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त वाहन भी बरामद किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 5 मई 2026 को सदर थाना, सुपौल में एक व्यक्ति द्वारा आवेदन देकर बताया गया था कि रात के समय अज्ञात अपराधियों ने उनका मोबाइल, पर्स में रखे 5 हजार रुपये नकद तथा कार में रखी दो मूर्तियों की लूट कर ली। मामले में सुपौल थाना कांड संख्या-321/26 दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। पुलिस अधीक्षक सुपौल के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। तकनीकी अनुसंधान एवं मानवीय सूचना के आधार पर लगातार छापेमारी कर पुलिस ने मामले में संलिप्त तीन अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों में रोहित राज उर्फ मुन्ना पाठक, इंकेश कुमार तथा चंदन कुमार शामिल हैं। गिरफ्तार अपराधियों की निशानदेही पर पुलिस ने घटना में प्रयुक्त एक अपाची मोटरसाइकिल एवं एक घड़ी बरामद की है। पुलिस अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी रोहित राज उर्फ मुन्ना पाठक का आपराधिक इतिहास भी रहा है और उसके विरुद्ध पूर्व में हत्या एवं लूट समेत कई मामले दर्ज हैं।

सड़क हादसा, युवक और उसकी ताई की मौके पर ही मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। बिसवां महमूदाबाद मुख्य मार्ग पर गुरुवार की सुबह एक हृदयविदारक सड़क दुर्घटना में दो लोगों की जान चली गई। सरैया स्थित बजाज एजेंसी के पास हुए इस हादसे में मोटरसाइकिल सवार युवक और उसकी वृद्ध ताई की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रामपुर कला थाना क्षेत्र के लौना ग्राम निवासी विशाल पांडे (20) अपनी ताई ज्ञाना देवी (55) के साथ मोटरसाइकिल से किसी आवश्यक कार्य के लिए महमूदाबाद जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक सरैया के पास बजाज एजेंसी के सामने पहुंची, वे किसी अज्ञात पशु या वाहन का शिकार हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर चोटों के कारण उनकी मौके पर ही सांसें थम गईं। हादसे का सटीक कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है, जिसे लेकर प्रत्यक्षदर्शियों में अलग-अलग चर्चाएं व्याप्त हैं, कुछ राहगीरों का कहना है कि सड़क पर अचानक आए किसी छुट्टा जानवर से टकराने के कारण बाइक अनियंत्रित हो गई। वहीं, कुछ लोगों ने अंदेशा जताया है कि सामने से आ रही किसी तेज रफ्तार मोटरसाइकिल या अन्य वाहन ने उन्हें टक्कर मारी और मौके से फरार हो गया। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल एम्बुलेंस और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक दोनों की मृत्यु हो चुकी थी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं। मृतकों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। शवों का पंचनामा भर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है कि दुर्घटना वास्तव में किस वजह से हुई। जैसे ही विशाल और ज्ञाना देवी की मौत की खबर उनके पैतृक गांव लौना पहुंची, वहां कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। 20 वर्षीय विशाल की असमय मृत्यु से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।

केंद्रीय कैबिनेट ने सुप्रीम कोर्ट के जजों की संख्या बढ़ाकर 38 करने के प्रस्ताव को मंज़ूरी दी

ब्यूरो प्रयागराज- एक अहम घटनाक्रम में केंद्रीय कैबिनेट ने सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 33 (चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (CJI) को छोड़कर) से बढ़ाकर 38 (CJI को छोड़कर) करने के लिए एक बिल पेश करने के प्रस्ताव को मंज़ूरी दी। यह बिल 'सुप्रीम कोर्ट (जजों की संख्या) संशोधन बिल, 2026', सुप्रीम कोर्ट (जजों की संख्या) अधिनियम, 1956 में ये संशोधन करेगा। साल 2019 में सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 31 से बढ़ाकर 33 (CJI को छोड़कर) की गई थी। यह प्रस्तावित कदम लंबित मामलों को देखते हुए उठाया जा रहा है। इस साल चार से ज़्यादा जजों के रिटायर होने की संभावना को देखते हुए इस बिल को पेश करने से काम के बोझ में कुछ राहत मिलेगी।

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की डीएम ने की समीक्षा, प्रचार-प्रसार बढ़ाने के दिए निर्देश

● अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन योजना के व्यापक प्रचार पर जोर

दिव्यांगजनों के ष्ठढ्ढष्ठ कार्ड बनाने के लिए चलेगा विशेष अभियान

बाल संरक्षण संस्थानों में बच्चों के पुनर्वास को लेकर दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुपौल। की अध्यक्षता में गुरुवार को समाज कल्याण विभाग अंतर्गत जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग, जिला बाल संरक्षण इकाई एवं जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कार्यालय द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सहायक निदेशक, जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा जिले में संचालित प्रायोजन योजना, परवरिश योजना एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी गई। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन योजना एवं मुख्यमंत्री निःशक्तजन विवाह प्रोत्साहन योजना का प्रखंड स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार कराने का निर्देश दिया, ताकि अधिक से अधिक लाभुक इन योजनाओं से लाभान्वित हो सकें।

बैठक में दिव्यांगजनों के लिए बैटरी चालित साइकिल हेतु प्राप्त आवेदनों पर निर्णय लेने के लिए जिलास्तरीय समिति की बैठक आयोजित करने का निर्देश भी दिया गया। साथ ही जिन दिव्यांगजनों का ष्ठढ्ढष्ठ कार्ड अब तक नहीं बना है, उनके लिए विशेष अभियान चलाकर कार्ड निर्गत कराने को कहा गया, ताकि उन्हें सरकारी योजनाओं

का लाभ मिल सके। जिलाधिकारी ने जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा संचालित बाल गृह, पर्यवेक्षण गृह एवं विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान में रह रहे बच्चों की स्थिति एवं उपलब्ध सुविधाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने बच्चों के नियमानुसार पुनर्वास के लिए लगातार प्रयास करने का निर्देश दिया। इसके अलावा पारिवारिक लाभ योजना एवं सामाजिक सुरक्षा कार्यालय द्वारा संचालित अन्य योजनाओं के तहत अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करने के लिए प्रखंड स्तर पर विशेष अभियान चलाने का निर्देश भी दिया गया।

चुनाव हारने के बाद ममता दीदी की ओछी राजनीति

पश्चिम बंगाल की पावन धरती पर 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद जो दृश्य उभरा है वह भारतीय राजनीति के इतिहास में एक अत्यंत जटिल और अभूतपूर्व अध्याय के रूप में दर्ज हो चुका है। वर्ष 2011 में जब ममता बनर्जी ने 34 वर्षों के सुदृढ़ वामपंथी शासन को उखाड़ फेंका था तब इसे एक बड़े परिवर्तन के रूप में देखा गया था। उस समय उन्होंने स्वयं को निर्धन वर्ग, कृषकों और बंगाल की अस्मिता के रक्षक के रूप में प्रस्तुत किया था। परंतु समय का चक्र ऐसा घूमा कि 15 वर्षों के उनके शासन के पश्चात 2026 में जनता ने एक ऐसा निर्णय सुनाया जिसने राज्य के गलियारों को हिलाकर रख दिया। इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने अपनी संगठनात्मक शक्ति का परिचय देते हुए 294 निर्वाचन क्षेत्रों में से 207 क्षेत्रों पर विजय प्राप्त कर स्पष्ट बहुमत का जादुई आंकड़ा पार कर लिया। दूसरी ओर राज्य में लंबे समय से शासन कर रही तृणमूल कांग्रेस मात्र 80 स्थानों पर सिमट कर रह गई। यह परिणाम न केवल चौंकाने वाला था अपितु इसने राज्य की राजनीतिक दिशा को पूरी तरह से बदल दिया। इस बार मतदान का स्तर 92.93 प्रतिशत तक पहुंच गया जो बंगाल के निर्वाचन इतिहास में अब तक का सर्वाधिक मतदान माना जा रहा है। इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं का घर से बाहर निकलना इस बात का संकेत था कि जनता के मन में परिवर्तन की तीव्र आकांक्षा थी।

जैसे ही चुनाव परिणाम आधिकारिक रूप से घोषित हुए राज्य में राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का एक ऐसा दौर आरंभ हुआ जिसने पूरे राष्ट्र का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया। विपक्षी दलों और राजनीति के जानकारों ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान करने के स्थान पर टकराव का मार्ग चुन लिया है। निर्वाचन परिणामों के तत्काल पश्चात उन्होंने जो वक्तव्य दिया उसने एक नया विवाद खड़ा कर दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यह उनकी हार नहीं है बल्कि एक सुनियोजित षड्यंत्र की जीत है। उन्होंने भारत के निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़े करते हुए दावा किया कि लगभग 100 निर्वाचन क्षेत्रों में जनादेश को लूटा गया है। इसके अतिरिक्त उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रों की विश्वसनीयता पर भी संदेह व्यक्त किया। उनके अनुसार कई मतदान यंत्रों में विद्युत संचय की क्षमता अर्थात बैटरी का स्तर असामान्य रूप से 99 प्रतिशत पाया गया जो उनकी दृष्टि में किसी बड़ी गड़बड़ी का संकेत था। उन्होंने इस पूरे चुनाव को एक पूर्व निर्धारित खेल की संज्ञा दी जिसे सुनकर विपक्षी खेमे में भारी रोष व्याप्त हो गया। राजनीतिक विश्लेषकों का तर्क था कि यदि चुनाव प्रक्रिया में कोई विसंगति थी तो उसके लिए निर्धारित कानूनी और संवैधानिक मंच उपलब्ध हैं लेकिन सार्वजनिक रूप से पूरी लोकतांत्रिक संस्था पर प्रश्न खड़े करना जनमत का अनादर करने जैसा है।

विवाद उस समय और अधिक गहरा गया जब ममता बनर्जी ने मुख्यमंत्री के पद से त्यागपत्र देने से स्पष्ट मना कर दिया। संसदीय लोकतंत्र की यह एक स्थापित मर्यादा रही है कि जब कोई सरकार विधानसभा में अपना बहुमत खो देती है तो वह नई सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त करने के लिए तत्काल पद छोड़ देती है। परंतु ममता बनर्जी ने तर्क दिया कि वह एक राजनीतिक और कानूनी लड़ाई लड़ रही हैं और वह तब तक पद नहीं छोड़ेंगी जब तक कि स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो जाती। इस निर्णय ने एक गंभीर संवैधानिक संकट को जन्म दिया। देश के प्रमुख संवैधानिक विशेषज्ञों ने इस पर चिंता व्यक्त की कि यदि निर्वाचन आयोग ने नई विधानसभा के गठन की अधिसूचना जारी कर दी है तो निवर्तमान सरकार का पद पर बने रहना अनैतिक और अवैध हो सकता है। राज्यपाल और मुख्यमंत्री के मध्य खिंचाव की स्थिति उत्पन्न होने लगी और राज्य का प्रशासन अनिश्चितता के भंवर में फंस गया। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने इसे लोकतंत्र की हत्या

और सत्ता के प्रति मोह बताया। उनका कहना था कि जब जनता ने स्पष्ट रूप से परिवर्तन के लिए मत दिया है तो सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण होना चाहिए। इस चुनाव का सबसे संवेदनशील पहलू ममता बनर्जी की अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से हारना रहा। इसी क्षेत्र ने उन्हें पहले भी कई बार बड़ी जीत दिलाकर उनके राजनीतिक कद को ऊँचा किया था। इस बार उनकी व्यक्तिगत हार ने उनके नेतृत्व पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिए। अपनी हार पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि मतगणना के अंतिम चरणों में धांधली की गई और उनके मतों की चोरी हुई। उनके इन आरोपों ने निर्वाचन अधिकारियों और प्रशासनिक अमले को भी विवादों में खींच लिया। विपक्ष ने पलटवार करते हुए कहा कि हार स्वीकार करने की राजनीतिक संस्कृति का ह्रास हो रहा है जो स्वस्थ लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। चुनाव के पश्चात राज्य के विभिन्न हिस्सों से हिंसा और तनाव की सूचनाएं भी प्राप्त हुई। राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं के मध्य हिंसक झड़पें, सार्वजनिक संपत्तियों को क्षति पहुँचाना और विरोध प्रदर्शनों ने जनजीवन को प्रभावित किया। प्रशासन को स्थिति नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों की सहायता लेनी पड़ी।

तृणमूल कांग्रेस के भीतर भी इस हार के बाद असंतोष की ज्वाला भड़क उठी। पार्टी के कई पुराने नेताओं और सांसदों ने दबी जुबान में नेतृत्व की कार्यशैली पर सवाल उठाए। पूर्व सांसद जवाहर सरकार जैसे अनुभवी व्यक्तियों ने यह संकेत दिया कि पार्टी के भीतर चापलूसी और भ्रष्टाचार ने अपनी जड़ें गहरी कर ली थीं। उन्होंने यह भी कहा कि जमीनी कार्यकर्ताओं की निरंतर उपेक्षा की जा रही थी और वास्तविक स्थिति को शीर्ष नेतृत्व से छुपाया गया। विश्लेषकों का मानना है कि इस भारी पराजय के पीछे तीन प्रमुख कारण रहे हैं। प्रथम कारण निरंतर 15 वर्षों तक सत्ता में रहने के कारण उत्पन्न हुआ असंतोष था। द्वितीय कारण स्थानीय स्तर पर भ्रष्टाचार और अवैध वसूली जैसे गंभीर आरोप थे जिन्हें भारतीय जनता पार्टी ने अपने अभियान का मुख्य केंद्र बनाया। तृतीय कारण पार्टी के भीतर संगठनात्मक कमजोरी थी जो विपक्षी लहर का सामना करने में विफल रही। भाजपा ने इन कमजोरियों का लाभ उठाते हुए एक आक्रामक चुनावी अभियान चलाया और जनता को एक नए विकल्प का विश्वास दिलाया।

ममता बनर्जी का राजनीतिक जीवन सदैव संघर्षपूर्ण रहा है। वह अपनी जुझारू छवि और आंदोलनों के लिए जानी जाती रही हैं। रेल मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल से लेकर सिंगूर और नंदीग्राम के आंदोलनों तक उनकी एक विशेष पहचान रही है। परंतु आलोचकों का तर्क है कि सत्ता में लंबे समय तक रहने के बाद उनकी वही संघर्षशील शैली अब संवैधानिक संस्थाओं के विरुद्ध एक ढाल के रूप में उपयोग की जाने लगी है। राज्यपाल, निर्वाचन आयोग और केंद्रीय जांच एजेंसियों के साथ उनका निरंतर टकराव उनकी इसी प्रवृत्ति को दर्शाता है। दूसरी ओर उनके समर्थकों का एक बड़ा वर्ग आज भी उनके साथ खड़ा है। उनका मानना है कि ममता बनर्जी ने सदैव केंद्र के कथित हस्तक्षेप के विरुद्ध बंगाल की स्वायत्तता की रक्षा की है। समर्थकों का तर्क है कि लोकतंत्र में किसी भी विसंगति पर प्रश्न उठाना एक अधिकार है और इसे सत्ता के मोह के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। वे यह भी कहते हैं कि इतिहास में ऐसे कई अवसर आए हैं जब विभिन्न राजनीतिक दलों ने हार के पश्चात चुनाव प्रक्रिया पर संदेह व्यक्त किया है।

अंततः 2026 के इन निर्वाचन परिणामों ने बंगाल की राजनीति को एक ऐतिहासिक मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है। जिस परिवर्तन की लहर पर सवार होकर ममता बनर्जी 2011 में सत्तासीन हुई थीं आज वही लहर उनके विरुद्ध बहती दिखाई दी। चुनाव के बाद का यह घटनाक्रम, त्यागपत्र न देने की हठधर्मिता और संवैधानिक प्रक्रियाओं पर अविश्वास ने देश के बुद्धिजीवियों के मध्य एक व्यापक चर्चा को जन्म दिया है। यह स्थिति हमें यह सोचने पर विवश करती है कि क्या राजनीति में व्यक्तिगत संघर्ष की गरिमा संवैधानिक मर्यादाओं से ऊपर हो सकती है। लोकतंत्र में हार और जीत की अपनी एक गरिमा होती है और किसी भी बड़े राजनेता की परिपक्वता का परीक्षण उस समय होता है जब वह प्रतिकूल परिस्थितियों में भी जनमत का सम्मान करता है। पश्चिम बंगाल के इस घटनाक्रम ने न केवल राज्य के भविष्य बल्कि भारतीय लोकतंत्र की कार्यप्रणाली और राजनीतिक आचरण पर भी कई मौलिक प्रश्न खड़े कर दिए हैं जिनका उत्तर भविष्य की राजनीति ही दे पाएगी। 294 निर्वाचन क्षेत्रों वाली इस विधानसभा में अब नई शक्ति का उदय हो चुका है और बंगाल की जनता अब यह देख रही है कि आने वाले समय में उनके अधिकारों और राज्य के विकास की दिशा क्या होगी।

महेन्द्र तिवारी

मुस्कुराहट छीन रहा है, जाम का झाम

संपादक/लेखकः राजीव शुक्ला

लखनऊ, नवाबों की नगरी, आज यातायात जाम की भयावह समस्या से जूझ रहा है। जाम का झाम अब यहां रोजमर्रा की जिंदगी का अभिन्न अंग बन चुका है, जो लाखों नागरिकों को मानसिक, शारीरिक और आर्थिक रूप से परेशान कर रहा है। हजरतगंज, गोमती नगर, चिनहट, दलीगंज, हनुमान सेतु या चारबाग – शहर के किसी भी कोने में सुबह 8 बजे निकलें तो गंतव्य पहुंचने का समय अनिश्चित हो जाता है।

वर्तमान हकीकत बेहद चिंताजनक है। हजरतगंज में पीक ऑवर्स में करीब 1.4 लाख वाहन गुजरते हैं। सीएम-ग्रिड प्रोजेक्ट के चलते सड़कें खोद दी गई हैं, जिससे संकरी गलियां और धूल-धुआं लोगों की परेशानी बढ़ा रहे हैं। ग्रीन कॉरिडोर जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाएं, जो ट्रैफिक सुधारने के लिए बनाई गई, अब नए चोक पॉइंट्स बना रही हैं। उद्घाटन के तुरंत बाद सड़क का हिस्सा धंस जाना और चौक-चौराहों पर बनी जाम की स्थिति इसकी ताजा मिसाल है।

शहर में वाहनों की संख्या तेजी से बढ़ रही है – 2025 तक लगभग 31.8 लाख रजिस्टर्ड वाहन और हर साल 1.2 से 1.5 लाख नई गाड़ियों का इजाफा। अनियोजित शहरी विस्तार, फुटपाथों पर अतिक्रमण, अवैध पार्किंग, ई-रिक्शा और ऑटो की बेतरतीब आवाजाही तथा ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन इस झाम को और गाढ़ा बना रहे हैं। गोमती नगर के 1090 चौराहे, अलंबाग, पॉलिटेक्निक, चिनहट और हनुमान सेतु जैसे इलाके रोजाना जाम की मार झेल रहे हैं।

परिणाम गंभीर हैं। कर्मचारी ऑफिस पहुंचने में 2-3 घंटे गंवा रहे हैं, स्कूली बच्चे देर से पहुंचकर पढ़ाई प्रभावित कर रहे हैं, महिलाएं और बुजुर्ग थकान से जूझ रहे हैं। एंबुलेंस जाम में फंसकर मरीजों की जान खतरे में पड़ रही है। चिकित्सक लगातार ट्रैफिक जाम को तनाव, उच्च रक्तचाप और श्वास संबंधी बीमारियों से जोड़ रहे हैं। आर्थिक नुकसान भी बड़ा है – ईंधन की बर्बादी, उत्पादकता में कमी और व्यापारिक गतिविधियों पर असर।

समाधान की जरूरत तत्काल है। लखनऊ विकास प्राधिकरण, ट्रैफिक पुलिस, नगर निगम और अन्य विभागों को समन्वित रूप से काम करना होगा। ऑफिस-स्कूल टाइमिंग में स्टैगर्ड व्यवस्था, सार्वजनिक परिवहन (मेट्रो और बसों) को मजबूत करना, सख्त पार्किंग नीति, अतिक्रमण हटाना, बेहतर सिग्नल सिस्टम और फ्लाईओवर-अंडरपास की योजनाओं को तेजी से पूरा करना आवश्यक है। साथ ही नागरिकों में सड़क अनुशासन की संस्कृति विकसित करने की मुहिम भी चलानी होगी।

लखनऊ को स्मार्ट सिटी बनाने का सपना

तभी साकार होगा जब इसकी सड़कें सुचारू रूप से चलेंगी। जाम का झाम अब व्यक्तिगत परेशानी नहीं, बल्कि पूरे शहर की साझा चुनौती है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो राजधानी की रफ्तार पूरी तरह ठप हो जाएगी। जाम कम करो, लखनऊ को सांस लेने दो। शहर सुचारू चलेगा, तभी विकास की राह खुलेगी।

ब्रह्मांड के सबसे बड़े देवता माता-पिता, बुजुर्गों की सेवा सबसे बड़ा तीर्थ

मां शब्द बड़ा ही मृदु, विशाल और व्यापक होता है पूरी सृष्टि इसमें समाहित होती है। मां ,धरती, जननी, धरा ,माते इतने पवित्र शब्द है कि संताने उनका ऋण कभी नहीं चुका सकती हैं और पिता वटवृक्ष से घना साया हैं मातृ -पितृ ऋण से कभी उबरा नहीं जा सकता है। पितृ पक्ष में माता-पिता के ऋण से ऊबरने के ब्रह्मांड के सबसे बड़े देवता माता-पिता। बुजुर्गों की सेवा सबसे बड़ा तीर्थ।लिए ऐसे व्यक्ति भी जोर-जोर से श्राद्ध कर्म करके लोगों को भोजन से तृप्त करने का प्रयास करते हैं जिन्होंने अपने माता-पिता के जीवित रहते हुए कभी उनके प्रति श्रद्धा के भाव नहीं दिखाएं एवं उनकी यथोचित श्रद्धा पूर्वक सेवा तथा देखभाल नहीं की थी।जिस संतान ने अपने माता-पिता के जीवित रहते हुए उनकी सच्ची सेवा एवं सर्वांगीण सम्मान किया हो केवल वे ही मातृ-पितृ ऋण से उबरने के लाभ के हकदार होते हैं। जीवित अवस्था में अभाव में भोजन पानी को तरसते हुए माता-पिता की मृत्यु के पश्चात अपनी आत्म संतुष्टि और सामाजिक रूप से दिखावे के लिए संतानों द्वारा किया गया श्राद्ध कर्म मिथ्या अथवा आडंबर ही हो सकता है सच्ची सेवा नहीं।

यूरोप और पश्चिम देश इतने अभागे हैं कि वे अपने माता और पिता को वृद्धा आश्रम में छोड़ आते हैं या उन्हें छोड़कर स्वयं संताने दूर चली जाती हैं। स्विजरलैंड जैसे खूबसूरत देश में बुजुर्ग दंपत्ति इच्छा मृत्यु लेकर अपना अंतिम समय व्यतीत करते हैं। भारत इस मामले में काफी हद तक सांस्कृतिक संस्कारी रूप से समृद्ध है मां-बाप संतानों के पास रहते हैं और शांतिपूर्वक जीवन यापन करते हैं। कुछ प्रतिशत छोड़ दिया जाए महानगरों में संताने मां और पिता को वृद्ध आश्रम में रखने का उपक्रम करने लगे हैं। पाश्चात्य सभ्यता की यह अंधी नकल बुजुर्ग दंपतियों के लिए बड़ी ही मार्मिक और हृदय विदारक होती है। वृद्ध दंपतियों का अनुभव परिवार के विकास समृद्धि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यह विडंबना है कि जब व्यक्ति अत्यंत अनुभवी परिपक्व,प्रबुद्धशाली हो जाता है तब उसके अनुभव कार्य की लगन शीलता और परिपक्व मस्तिष्क का हम सदुपयोग नहीं करते उन्हें अवकाश प्रदान कर देते हैं। यह भी इस सिक्के का दूसरा पहलू है कि ईस उम्र में शरीर में थकावट और वृद्धावस्था आ जाती है पर हम उन्हें सम्मान और यथा योग्य महत्व देकर उनके मार्गदर्शन और परामर्श का यथोचित लाभ लेकर अपने जीवन व्यवसाय अथवा नई नीतियों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं, पर अमूमन ऐसा होता नहीं है।

वृद्धावस्था को जीवन का अंतिम पड़ाव एवं समस्याओं से घिरी हुई अवस्था माना जाता है, क्योंकि इस अवस्था में वृद्धों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।समय की रफ्तार के साथ समाज में अनेक परिवर्तन होने लगे हैं। नवीन पीढ़ी के लोग पुराने विचारों के लोगों का उनके जीवन में हस्तक्षेप उचित ना समझ कर बर्दाश्त नहीं करते हैं,इसी कारण युवा पीढ़ी बुजुर्गों और वृद्धों के विचारों की गहन उपेक्षा करने लगते हैं और बुजुर्गों को लगता है कि उनकी समाज में उपयोगिता धीरे धीरे कम हो रही है। जीवन का सांध्य काल आने पर मनुष्य कई समस्याओं से घिर जाता है। सबसे बड़ी समस्या शारीरिक क्षमता में कमी आ जाने की है, शरीर की सभी इंद्रियां धीमी पड़ जाती हैं,अनेक प्रकार की व्याधियों से शरीर घिर जाता है और मनुष्य धीरे-धीरे शरीर पर नियंत्रण खोता जाता है। उम्र के वृद्धावस्था के पड़ाव पर अनेक शारीरिक बीमारियों के साथ-साथ मूल समस्या मानसिक व्याधि की होती है। सरकारी तथा गैर सरकारी संगठनों में वेतन भोगी कर्मचारी को एक निर्धारित आयु के बाद सेवानिवृत्त कर दिया जाता है और यह मान लिया जाता है कि वह व्यक्ति अब शारीरिक एवं मानसिक श्रम के योग्य नहीं रहा चाहे वह व्यक्ति स्वस्थ ही क्यों ना हो। इसके बाद उस व्यक्ति के जीवन में अनेक कठिनाई आने लगती हैं। जैसे ही व्यक्ति की आर्थिक उपयोगिता समाज में कम होने लगती है, वह समाज के लिए अनुपयोगी मान लिया जाता है और इस अवस्था में पहुंचने के बाद मानसिक तनाव की स्थिति बनने लगती है। लोगों के संपर्क में न रहना, सहयोगी तथा मित्रों की मृत्यु भी मानसिक तनाव का बड़ा कारण होती है। आत्मविश्वास की धीरे-धीरे कमी होने लगती है, जिससे मानसिक विकृति अकेलापन आदि जैसे रोगों का निर्माण होने लगता है। इस अवस्था में मान सम्मान की कमी की समस्या तो होती ही है, दूसरी तरफ सीमित तथा अल्प धन की उपलब्धता के कारण आर्थिक कष्ट भी वृद्धों को उठाना पड़ता है। इसके साथ ही परिवार तथा समाज की नजरों में व्यक्ति अनुपयोगी, बोझ, समझा जाने लगता है, जिससे बुजुर्ग व्यक्ति के मन में एक प्रकार की वितृष्णा आने लगती है। और कई बुजुर्ग इस अवहेलना को बर्दाश्त न कर के आत्महत्या तक कर बैठते हैं। जो व्यक्ति कुछ समय पहले तक महत्वपूर्ण था, विशिष्ट था वह अचानक ही बोझ समझा जाने लगता है। उसके मान सम्मान एवं भावनाओं का महत्व बहुत कम हो जाता है। भागदौड़ वाली इस जिंदगी में युवा पीढ़ी अपने बुजुर्गों से एक दूरी बनाना शुरु कर देती है और वह व्यक्ति अकेला ही रह जाता है। जब मनुष्य अपने को एकाकी समझने लगता है तो यह उसके जीवन का सर्वाधिक कठिन समय एवं पल होता है। आत्मविश्वास जनित प्रेरणा की कमी वृद्धावस्था को बोझिल बना देती है। व्यक्ति की स्थिति अत्यंत दयनीय हो जाती है, दूसरों पर निर्भरता बढ़ने लगती है। नई पीढ़ी द्वारा उसे अकेला छोड़ दिया जाता है। यही परिस्थिति वृद्धा अवस्था के लिए एक अभिशाप की तरह होती है।

वृद्धावस्था में मनुष्य के मानसिक तथा शारीरिक कष्ट के प्रमुख कारणों में से संयुक्त परिवार का विघटन भी है। युवा पीढ़ी द्वारा अपने मां-बाप से अलग होकर रहने की चाहत हमारे देश में एक गंभीर समस्या पैदा करती है। वृद्ध व्यक्ति या दंपत्ति को जिस आयु में पुत्र, पुत्रियों की सबसे ज्यादा आवश्यकता होती है, ऐसे समय में पुत्र द्वारा उनकी देखभाल छोड़कर अलग रहने के लिए अलग मकान बनाना या किराए पर रहना, उस दंपत्ति या व्यक्ति को मानसिक रूप से प्रताड़ित भी करती है। भारत देश वही देश है यहां की संस्कृति में परिवार के बुजुर्ग को भगवान के समान माना जाता था, किंतु संयुक्त परिवार प्रणाली के विघटन के कारण आज की नई युवा पीढ़ी ना तो बड़ों के अनुशासन में रहना चाहती है नहीं उन्हें किसी प्रकार का आदर सम्मान देना चाहती है। औद्योगिकरण और विसंस्कृतिकरण प्रणाली के फल स्वरुप युवा पीढ़ी के रहन-सहन एवं जीवन शैली में तीव्र बदलाव देखा जा रहा है। इस युग में व्यक्ति जितना अपने कार्यों में व्यस्त हो गया है कि उसको परिवार के साथ बैठने, रहने की फुर्सत ही नहीं मिल पाती।

भारत में बदलते परिवेश में ओल्ड एज होम की अवधारणा तेजी से बल पकड़ती जा रही है। नई पीढ़ी तरह पुरानी पीढ़ी के बीच एक तरह कम्युनिकेशन गैप भी आ जाता है, जो बुजुर्गों के लिए एक बड़ी समस्या होती है। बुजुर्ग दंपत्ति हो या व्यक्ति के पास जब तक धन रहता है तब तक उनके पुत्र, पुत्री उनका ख्याल रखते हैं और जब वह धनहीन हो जाते हैं, तो उन्हें नकार दिया जाता है। यह एक बड़ी समस्या आज बुजुर्गों के सामने यक्ष प्रश्न बनकर खड़ी है। व्यक्ति को बुजुर्ग अवस्था में जब सबसे ज्यादा धन की आवश्यकता होती है तब उसके पास धन नहीं होता है। यह धन की कमी उपेक्षा का बड़ा कारण भी बनती है। युवा पीढ़ी का व्यक्तिगत स्वार्थ एवं धन के प्रति आकर्षण भी बुजुर्गों के प्रति प्रभाव तथा उपेक्षा का मूल कारण होता है।

व्यक्ति का जब सर्वश्रेष्ठ काल होता है तब उपेक्षित और समस्या ग्रस्त होकर अवसाद ग्रस्त हो जाता है। अंग्रेजी के प्रसिद्ध कवि रॉबर्ट ब्राउनिंग वृद्धावस्था के बारे में लिखा है मेरे साथ रहो, रुको वृद्ध हो, अभी जीवन का सर्वोत्तम शेष है। वृद्ध व्यक्ति भी मानव है, उसे भी संवेदना, सहानुभूति और प्यार की आवश्यकता होती है। नई पीढ़ी को चाहिए कि वृद्धों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करें उनकी लगातार सेवा करनी चाहिए, उनके मार्गदर्शन उनका परामर्श परिवार तथा समाज के लिए जल कल्याणकारी होता है। भारतीय संस्कृति के अनुसार उनका आशीर्वाद उनकी शुभकामनाएं लोक मंगलकारी होती हैं यह माना जाता है कि बुजुर्ग का आशीर्वाद ईश्वर के आशीर्वाद जैसा ही होता है।

संजीव ठाकुर

'मैं इस्तीफा नहीं दूंगी':क्या यह ब्यान संवैधानिक है या लोकतांत्रिक मर्यादाओं का अतिक्रमण ?'

भारतीय लोकतंत्र में राजनेताओं द्वारा दिये गये ब्यान केवल शब्द या अभिव्यक्ति नहीं होते, वे व्यवस्था की दिशा भी तय करते हैं और राजनेताओं का आचरण। जब माननीय मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जैसा वरिष्ठ नेतृत्व विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी और स्वयं के हार के बाद यह वक्तव्य देता है कि 'मैं इस्तीफा नहीं दूंगी', तो यह एक साधारण राजनीतिक वक्तव्य नहीं रह जाता, बल्कि संवैधानिकता, नैतिकता और लोकतांत्रिक परंपराओं पर गहन बहस का विषय बन जाता है। भारत का शासन तंत्र संसदीय लोकतंत्र पर आधारित है और संविधान द्वारा संचालित। राज्य स्तर पर मुख्यमंत्री की वैधता विधानसभा में बहुमत से निर्धारित होती है।यदि किसी दल या गठबंधन के पास बहुमत नहीं है, तो वह सरकार बनाने का नैतिक और संवैधानिक अधिकार खो देता है।ऐसी स्थिति में या तो वैकल्पिक बहुमत सिद्ध किया जाता है या पद छोड़ना पड़ता है।इस दृष्टि से 'बहुमत के बिना इस्तीफा न देने' का कथन या यूं कहें बहुमत वाले दल के लिए सक्ता हस्तांतरण हेतु पद न छोड़ने जैसे वक्तव्य संवैधानिक भावना के विपरीत प्रतीत होते हैं। भारत में इस तरह का ब्यान शायद अपने आप में पहला है।

संविधान केवल प्रावधानों का दस्तावेज नहीं, बल्कि संवैधानिक नैतिकता का भी आधार है।डॉ. भीमराव आंबेडकर ने स्पष्ट कहा था कि संविधान की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसे लागू करने वाले लोग कितनी ईमानदारी से उसका पालन करते हैं।ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है,क्या इस तरह के ब्यान देने की प्रवृत्ति लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप है?क्या यह जनादेश का अपमान नहीं है? ममता दीदी पर मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान महामहिम राष्ट्रपति के प्रदेश आगमन पर उन्हें प्रोटोकॉल के अनुरूप सम्मान न देना, केन्द्रीय जांच एजेंसियों को सहयोग न करना, जांच में व्यवधान उत्पन्न करना,सघन मतदाता जांच का विरोध करना, चुनाव आयोग के अधिकारियों के कार्यों में व्यवधान उत्पन्न करना, समुदाय विशेष को लाभ पहुंचाना जैसे बहुत सारे आरोप समय-समय पर लगते रहे हैं। इनमें कितने आरोप संवैधानिक रूप से सही है या नहीं यह न्यायलय का तय करना का विषय है।

कविता

माता-पिता के चरण,
सबसे पावन तीर्थ।
मंदिर की घंटी से पहले,
माता-पिता की आवाज़ सुनो,
जहाँ माँ की ममता गीता सुनाती,
पिता की वाणी उपनिषद्
तीर्थों की पावन सीढ़ी क्या,
यदि मन में सम्मान नहीं,
जिस घर में माता-पिता हँसते,
उससे बढ़कर धाम नहीं?

माँ की आँखों में गंगा बसती,
पिता के माथे पर कैलाश,
उनके चरणों की धूलि में छिपा,
जीवन का सारा प्रकाश।

जिसने उँगली पकड़ सिखाया,
धूप में चलना मुस्काकर,
वही देवता द्वार खड़े
क्यों भटकें जग-जग जाकर।

काँधे पर बैठा बचपन सारा,
उनकी छाया में पलता
उनके आशीषों का सूरज
हर अंधियारे को छलता ।

काबा, काशी, मक्का, मथुरा,
सबका सार यही मिलता,
माता-पिता की सेवा से ही
मन का दीपक है खिलता।

जो बूढ़े हाथों को थामे,
वही सच्चा इंसान बने,
उनकी थकी हुई साँसों में
अपने जीवन के गीत सुने।

मत ढूँढ़ो ईश्वर अम्बर में,
वह तो घर के भीतर
माँ की ममता, पिता का तप ही
धरती पर सच्चा ईश्वर है।

जिसने माता-पिता को पूजा,
उसका हर दिन पर्व हुआ,
उनकी सेवा सबसे बड़ा तीर्थ,
सच्चा मनुष्य का धर्म-कर्म हुआ।

दैनिक राशिफल

स्वतंत्र प्रभात

मेष– कल का दिन ऊर्जा और उत्साह से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियाँ मिल सकती हैं। पुराने रुके कार्य पूरे होने की संभावना है। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। **करियरः**अधिकारियों का सहयोग मिलेगा।

वृषभ– आर्थिक मामलों में सावधानी रखें। खर्च बढ़ सकता है, लेकिन आय के नए स्रोत भी बनेंगे। किसी पुराने मित्र से मुलाकात मन प्रसन्न करेगी। **करियरः** व्यापार में लाभ के संकेत।

मिथुन– कल आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा। नौकरी में परिवर्तन या नई योजना पर विचार हो सकता है। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है। **करियरः** इंटरव्यू या परीक्षा में सफलता मिल सकती है।

कर्क– भावनात्मक निर्णय लेने से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें और खानपान संतुलित रखें। परिवार के साथ समय बिताने से मानसिक शांति मिलेगी। **करियरः** कार्यों में थोड़ी देरी संभव।

सिंह–मान-सम्मान में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। धन लाभ के योग बन रहे हैं। **करियरः** प्रमोशन या नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

कन्या– कल मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। घर में शुभ कार्य की चर्चा हो सकती है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

तुला– यात्रा के योग बन सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात लाभदायक साबित होगी। **करियरः** नई योजनाओं में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक– गुस्से पर नियंत्रण रखें। परिवार में किसी बात को लेकर तनाव हो सकता है, लेकिन समझदारी से स्थिति संभल जाएगी। **करियरः** साझेदारी में फायदा मिलेगा।

धनु– भाग्य का साथ मिलेगा। धार्मिक या आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय है। **करियरः** नौकरी में सावधानी रखें।

मकर– धन संबंधित मामलों में सफलता मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। **करियरः** नए अवसर प्राप्त होंगे।

कुंभ– नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। मित्रों से सहयोग मिलेगा। अचानक यात्रा करनी पड़ सकती है। **करियरः प्रेम संबंध मजबूत होंगे।**

मीन– कल का दिन रचनात्मक कार्यों के लिए अच्छा रहेगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। निवेश सोच-समझकर करें। **करियरः** कला और मीडिया क्षेत्र में लाभ।

विकृत अस्पृश्यता व शिक्षा में भेदभाव की सत्यता

हम अवध क्षेत्र को केंद्र में रखकर भारतीय समाज में व्याप्त सामाजिक सौहार्द, सबके लिए समान शिक्षा व सभी के समान अवसर तथा व्यवहार पर जब दृष्टिपात करते हैं तो अवध का इतिहास ही प्रमाण है कि पूर्वी उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि संपूर्ण भारत में जातीय वैमनस्य, सामाजिक संघर्ष व भेदभाव का स्थान नहीं था। अपवाद तो सभी जगह सम्भव हो सकता है लेकिन अपवाद को इतिहास या सत्य नहीं कहा जा सकता। हां मुगलों व अंग्रेजों का शासन भारत में स्थापित हो जाने के बाद भारतीय समाज में विघटन कर समाज को आपस में लड़ाने (फुट डालो और राज्य करो) के घिनौने उद्देश्य से भारत में जातीय वैमनस्य, घृणा, अस्पृश्यता को गलत प्रकार से मढ़ कर भारत में अपना स्थाई राज्य स्थापित करने का कुचक्र रच कर घिनौना पाप किया गया। जिसका परिणाम हुआ कि समाज में विकृति/ विभेद का समावेश हुआ। उपरोक्त पर सत्यता की कसौटी पर जब हम दृष्टि डालेंगे तो पाएंगे कि कि भारत में इस प्रकार की अस्पृश्यता अथवा ऊंच - नीच का विवाद भारत की सनातन परम्परा में कहीं नहीं दिखाई पड़ता है। इतिहास के कालक्रम में अवध क्षेत्र में हम 9 वीं शताब्दी से लेकर 14 वीं शताब्दी तक के शासकों के बारे में देखेंगे तो पाएंगे कि बहुतायत संख्या में जिन्हें आज राजनीतिक कारणों से निम्न जाति अथवा अस्पृश्य समाज का बताया जाता है उनका शासन रहा है। अवध के अंतर्गत लखनऊ में महाराज बिजली पासी, राजा लाखन पासी, वीरांगना ऊदा देवी, सीतापुर में महाराज छीता पासी, डलमऊ रायबरेली में डलदेव पासी, खैराबाद सीतापुर में महाराज खैरा पासी, बहराइच में महाराज सुहेलदेव, रानियां रायबरेली में महाराज माहे पासी, उन्नाव- हरदोई में महाराज सातन पासी इत्यादि शासक रहे हैं। इन सभी का कार्यकाल 9 वीं शताब्दी से लेकर 17 वीं शताब्दी तक रहा है। उपरोक्त सभी शासक न्याय प्रिय, वीर, उच्च शिक्षित, समाज में सर्वमान्य रहे हैं। सभी शासकों द्वारा जलाशय निर्माण, पाठशाला निर्माण, किला निर्माण, सड़क निर्माण, बागवानी, कुआं निर्माण, मंदिर निर्माण जैसे प्रजा के हित के लिए जो जो आवश्यक था सभी कार्य बिना भेद भाव के किए गए। यहां किसी के साथ कोई भेद भाव नहीं है। अब जब आज अस्पृश्यता की बात होती है राजनैतिक लोग यह आरोप लगाते हैं कि हमारे समाज को पढ़ने नहीं दिया गया, पानी नहीं पीने दिया गया, मन्दिर नहीं जाने दिया गया। बैठने नहीं दिया गया। तब यह सब बातें सत्य से कोसों दूर दिखाई पड़ती हैं। ऊपर लिखे सभी शासक जब

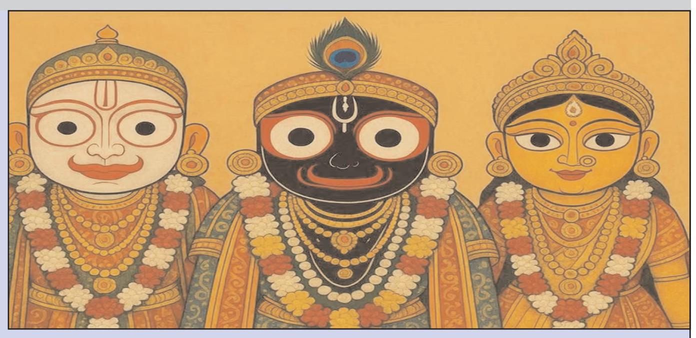

आपके समाज से हैं तो आपको पढ़ने से किसने रोका, पानी पीने से किसने रोका, सवारी करने से किसने रोका, कुआं खोदने से किसने रोका, छुआ छूत का भाव किसने पैदा किया। इसके पीछे का कारण है कि हम कहीं न कहीं झूठी बातों के शिकार हुए और हमारा समाज आपस में बंटा, वैमनस्य पैदा हुई और हम उन्नति में पीछे हो गए बाहर से आए आक्रांताओं ने ऐसा जाल बिछाया कि उसमें हम फंसे और आज तक निकल सकने में कायम नहीं हो पा रहे हैं। उल्टे हम हम अपने ही समाज के लोगों में ईर्ष्या कर रहे हैं जो सर्वथा अनुचित है। सनातन धर्म व हमारे समाज की हजारों वर्षों से चली आ रही समृद्ध संस्कृति सर्वसमावेशी है। हमारी समाज में सभी को बराबर का अधिकार प्राप्त था। सभी समाज के लोग गुरुकुल में एक सामन शिक्षा प्राप्त करते थे। जिसका उल्लेख लॉर्ड मैकाले भी फरवरी 1835 में लंदन की संसद में दिए गए अपने वक्तव्य में करता है। मैकाले कहता है कि यदि भारत में लम्बे समय तक शासन करना होगा तो हमें वहां के गुरुकुलों को , शिक्षा के केंद्र को बदलना व बन्द करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त भारत में मगध साम्राज्य, चोल साम्राज्य, मौर्य साम्राज्य, गुप्त साम्राज्य भी इस बात का साक्षी है कि भारत में वर्षों तक इनका शासन रहा है जहां सभी वर्ग ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र को समान अधिकार प्राप्त थे। भारत वैभव सम्पन्न था। अतः आप अपनी झूठ द्वारा बनाई गई अभेद्य दीवार को तोड़कर बाहर निकलिए और समाज में प्रसन्नता के साथ आगे आएं साथ चलें।

बाल भास्कर मिश्र

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उमान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254 Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर ठगी, तीन आरोपी गिरफ्तार

देवरिया। जनपद के श्रीरामपुर थाना क्षेत्र में ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी की आड़ में चल रहे ठगी के नेटवर्क पर पुलिस ने बड़ा प्रहार किया है। श्रीरामपुर पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक आरोपी लोगों को आकर्षक ऑफर देकर ऑनलाइन गेमिंग में जोड़ते थे और फिशिंग लिंक व फर्जी बैंक खातों के जरिए रकम ट्रांसफर कराते थे। जांच में कई बैंक खातों का इस्तेमाल सामने आया है। छापेमारी में 18 एटीएम कार्ड, 7 एंड्रॉयड मोबाइल, 1 लैपटॉप, बैंक पासबुक और चेकबुक, 30 खाली सिम पैकेट और ?29,070 नकद बरामद किया है। ठगी में इस्तेमाल 12 बैंक खातों में मौजूद ?1.25 लाख पुलिस ने फ्रीज कराए हैं। अन्य खातों की जांच जारी है। एसपी देवरिया अभिजीत आर. शंकर के निर्देशन में हुई इस कार्रवाई को साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कामयाबी माना जा रहा है।

उनवल में विकास कार्यों को मिली रफ्तार, वार्ड 13 में नाली व सीसी सड़क निर्माण शुरू

खजनी गोरखपुर। खजनी क्षेत्र में नगर पंचायत उनवल में विकास कार्यों की श्रृंखला लगातार आगे बढ़ रही है। इसी कड़ी में वार्ड संख्या 13 के पूरब मोहल्ले में मस्जिद के आसपास नाली निर्माण एवं जर्जर मार्ग को सीसी सड़क में बदलने का कार्य शुरू किया गया। निर्माण कार्य का शुभारंभ नगर पंचायत अध्यक्ष महेश कुमार दुबे के नेतृत्व में एवं वार्ड सभासद विनोद यादव के मार्गदर्शन में किया गया। कार्य की शुरुआत विधिवत पूजा-अर्चना के साथ कपूर व अगरबत्ती जलाकर की गई। इस दौरान मौजूद लोगों को प्रसाद स्वरूप लड्डू वितरित किए गए, जिससे माहौल उत्साहपूर्ण हो उठा। इस मौके पर उमेश राम त्रिपाठी, वीरेंद्र विश्वकर्मा, मनीष त्रिपाठी, दिनेश साहनी, अवधेश शर्मा, श्रीप्रकाश गुप्ता, सभासद अज्जू खान, मुन्ना मिश्रा, सुनील जायसवाल, प्रमोद साहनी, सुनील त्रिपाठी, राधेश्याम यादव, सद्दाम सहित दर्जनों गणमान्य लोग उपस्थित रहे। नगर पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि जनता के विश्वास और सहयोग से ही उनवल का समग्र विकास संभव हो रहा है, और आगे भी विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी भदोही द्वारा उपकेंद्र गहरपुर एवं गेराईका किया गया निरीक्षण

दिनांक 06.05.2026 को सायः 03.50 बजे मुख्य चिकित्सा अधिकारी भदोही डॉ संतोष कुमार चक द्वारा वी0एच0एन0डी0 सत्र का गेराई व गहरपुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के उपरान्त उपकेन्द्र पर संगीता सुमन ए0एन0 एम0 व प्रियंका देवी ए0 एन0एम0 मौजुद थी सी0एच0ओ0 द्वारा अवकाश जाने पर क्लीनिक की चाबी ए0एन0 एम0 को उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया संगीता सुमन ए0 एन0 एम0 व प्रियंका देवी ए0एन0एम0 मुख्यालय पर निवास बनाकर कार्य नही करती है। अधोहस्ताक्षरी द्वारा माह मई, 2026 का 07 दिवस का वेतन अग्रिम आदेशो तक बाधित किया गया।

सहजनवा तहसील में ग्राम न्यायालय और प्रदूषण के मुद्दे पर भड़के अधिवक्ता, आंदोलन की चेतावनी

● सहजनवा तहसील में ज्ञापन देकर उठाई न्याय, रोजगार और पर्यावरण सुरक्षा की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सहजनवा- गोरखपुर। सहजनवा तहसील क्षेत्र में ग्राम न्यायालय की स्थापना, प्रदूषण पर रोक और स्थानीय युवाओं को रोजगार दिलाने की मांग को लेकर गुरुवार को अधिवक्ताओं ने जोरदार आवाज बुलंद की। तहसील बार एसोसिएशन के पूर्व मंत्री अनिल त्रिपाठी के नेतृत्व में अधिवक्ताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने उपजिलाधिकारी केशरी नंदन तिवारी को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। अधिवक्ताओं ने कहा कि सहजनवा जैसे बड़े तहसील क्षेत्र में आज तक ग्राम न्यायालय की स्थापना न होना आम जनता के साथ अन्याय है। छोटे-छोटे मामलों के लिए गरीब और ग्रामीण फरियादियों को जिला मुख्यालय तक दौड़ लगानी पड़ती है, जिससे समय और धन दोनों की भारी बर्बादी होती है। उन्होंने कहा कि यदि सहजनवा में ग्राम न्यायालय स्थापित हो जाए तो हजारों लोगों को राहत मिलेगी और न्याय व्यवस्था भी अधिक सुलभ बन सकेगी।

ज्ञापन में गीडा क्षेत्र की फैक्ट्रियों से फैल रहे प्रदूषण का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया कि फैक्ट्रियों से निकलने वाली राख और धुएं ने आसपास के गांवों का वातावरण दूषित कर दिया है। लोगों को सांस, त्वचा और अन्य गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का जीवन संकट में पड़ता जा रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभाग मौन बने हुए हैं।

अधिवक्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि फैक्ट्रियां भूमिगत जल का अत्यधिक दोहन कर रही हैं, जिससे आसपास के गांवों में जल संकट गहराता जा रहा है। आने वाले समय में पेयजल की गंभीर समस्या खड़ी होने की आशंका जताई गई। साथ ही स्थानीय युवाओं की उपेक्षा पर भी नाराजगी जताते हुए कहा गया कि उद्योगों में बाहरी लोगों को रोजगार दिया जा रहा है, जबकि क्षेत्र के बेरोजगार युवा रोजगार के लिए भटक रहे हैं। अधिवक्ताओं ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो अधिवक्ता वर्ग प्रत्येक प्रथम और तृतीय शनिवार को तहसील परिसर में धरना प्रदर्शन करेगा। ज्ञापन सौंपने वालों में अभिषेक मणि त्रिपाठी, जय हनुमान शुक्ल, शनि शुक्ल, सुनील शुक्ल, भास्कर सिंह, रामजन्म सिंह, संतोष चौधरी, अवनीश यादव, रमाकांत उपाध्याय, नीरज तिवारी सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

जिला न्यायाधीश ने जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार को लेकर गुरुवार को जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में जनपद न्यायाधीश एवं प्राधिकरण के अध्यक्ष धनेंद्र प्रताप सिंह ने दीवानी न्यायालय परिसर से जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर जनपद न्यायाधीश ने कहा कि 'लोक अदालत सुलह-समझौते का सशक्त माध्यम है और इसका उद्देश्य गरीब व आम लोगों को सस्ता एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराना है।' उन्होंने कहा कि 'न्याय चला निर्धन के द्वार' की भावना के तहत यह जागरूकता वाहन लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारित होने वाले मामलों की जानकारी देगा और उन्हें अपने वादों के समाधान के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि सुलहनीय मामलों को लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित कराएं। वहीं छोटे फौजदारी मामलों में आरोपी अपने जुर्म स्वीकार कर मामलों का त्वरित निस्तारण करा सकते हैं। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जगन्नाथ ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए न्यायिक अधिकारियों और संबंधित विभागों को मिलकर कार्य करना होगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत के नोडल अधिकारी एवं अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरेंद्र नाथ त्रिपाठी ने बताया कि प्रचार वाहन के माध्यम से आमजन को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोक अदालत में बैंक वसूली, मोटर दुर्घटना प्रतिकर, पारिवारिक विवाद, श्रम, भूमि अधिग्रहण, बिजली-पानी, राजस्व, सिविल वाद और प्री-लिटिगेशन समेत कई प्रकार के मामलों का निस्तारण किया जाएगा। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय बद्री विशाल पाण्डेय, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के पीठासीन अधिकारी इफ्तिखार अहमद, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रज्ञा सिंह सहित अन्य न्यायिक अधिकारी, बैंक कर्मी और कर्मचारी मौजूद रहे।

RTI में खुली अफसरशाही की पोल, सूचना न देने पर प्रथम अपीलीय अधिकारी सख्त

कानपुर। सीजनल संग्रह अमीनों एवं संग्रह अनुसेवकों के विनियमितिकरण से जुड़े मामले में सूचना का अधिकार (RTI) के तहत मांगी गई जानकारी समय पर न देने पर प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठे हैं। प्राप्त आदेश के अनुसार, शिकायतकर्ता वीरेन्द्र कुमार राम द्वारा मांगी गई सूचना 30 दिन की निर्धारित अवधि बीतने के बाद भी उपलब्ध नहीं कराई गई, जिसके बाद प्रथम अपील दाखिल की गई। मामले की सुनवाई 15 अप्रैल 2026 एवं 22 अप्रैल 2026 को तय की गई, लेकिन संबंधित जनसूचना अधिकारी/अपर नगर मजिस्ट्रेट (चतुर्थ) स्वयं उपस्थित नहीं हुए और न ही कोई सक्षम प्रतिनिधि भेजा गया। सुनवाई के दौरान यह भी सामने आया कि सहायक प्रभारी अधिकारी (संग्रह) द्वारा अतिरिक्त समय मांगा गया, फिर भी सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई। आदेश में स्पष्ट उल्लेख किया गया कि समय पर जवाब न देना, भ्रामक अथवा अपूर्ण सूचना देना जनसूचना अधिकारी की जिम्मेदारी है, और ऐसी स्थिति में द्वितीय अपील में दंडात्मक कार्रवाई संभव है। यह मामला सीजनल संग्रह अमीनों एवं अनुसेवकों के लंबे समय से लंबित विनियमितिकरण से जुड़ा है। अब सवाल यह उठ रहा है कि जब सूचना देने में ही इतनी लापरवाही है, तो वास्तविक प्रक्रिया किस गति से चल रही होगी?

अधिशासी अधिकारी ने जनगणना 2027 की कराई शुरुआत

बरहज, देवरिया। नगर पालिका परिषद गौरा बरहज में जनगणना 2027 के अंतर्गत चार्ज अधिकारी/अधिशासी अधिकारी निरुपमा प्रताप द्वारा पूर्व सांसद देवरिया गोरख प्रसाद जायसवाल के आवास पर पहुंचकर स्वगणना/जनगणना का कार्य संपन्न कराया। इस अवसर पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रेनू जायसवाल, नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता जायसवाल एवं अध्यक्ष प्रतिनिधि श्याम जायसवाल ने भी अपनी स्वगणना/जनगणना प्रक्रिया पूर्ण की। स्वगणना पूर्ण होने के उपरांत संबंधित पुष्टि संदेश एवं ई-मेल प्राप्त हुआ। इस दौरान जनगणना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान है, जिसके माध्यम से देश की वास्तविक जनसंख्या, सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक स्थिति का सही आंकलन किया जाता है। सभी नागरिकों से अपील की गई कि वे जनगणना अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागिता करें तथा समय से स्वगणना प्रक्रिया पूर्ण कर राष्ट्रहित के इस महत्वपूर्ण कार्य को सफल बनाएं।

मोटरसाइकिल हटाने के विवाद में खूनी हमला, हत्या के प्रयास में दो सगे भाई गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर जनपद के झंगहा थाना क्षेत्र में मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। मोटरसाइकिल आगे-पीछे करने को लेकर शुरू हुए झगड़े में दबंगों ने महिला और उसके बेटे पर चाकू, लाठी और डंडों से हमला कर दिया। घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्या के प्रयास के आरोप में दो सगे भाइयों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लेकर किशोर न्यायालय भेज दिया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर डॉ कौस्तुभ द्वारा अपराधियों की गिरफ्तारी और संगठित अपराध पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक उत्तरी के मार्गदर्शन, क्षेत्राधिकारी चौरीचौरा के पर्यवेक्षण तथा थानाध्यक्ष अनूप कुमार सिंह के नेतृत्व में झंगहा पुलिस टीम ने आरोपियों को धर दबोचा। पुलिस के अनुसार घटना 4 मई 2026 की है। वादिनी द्वारा दी गई तहरीर में आरोप लगाया गया कि मोटरसाइकिल हटाने को लेकर हुए विवाद में आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से हमला कर दिया। आरोप है कि महिला और उसके बेटे को चाकू तथा लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटा गया। गंभीर रूप से घायल दोनों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। इस मामले में थाना झंगहा पर मु0अ0सं0 253/2026 के तहत धारा 191(2), 115(2), 109(1), 110, 333, 352 और 351(3) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत किया गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अंशु राजभर और रंजीत राजभर निवासी ग्राम तेन्दुआ खुर्द थाना झंगहा के रूप में हुई है। दोनों सगे भाई बताए जा रहे हैं। वहीं एक बाल अपचारी को भी पुलिस ने अभिरक्षा में लिया है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में थानाध्यक्ष अनूप कुमार सिंह, उपनिरीक्षक अशोक कुमार सिंह, कांस्टेबल प्रदीप कुमार यादव, कांस्टेबल यादवेन्द्र यादव, आरक्षी विपुल यादव और आरक्षी सामीर शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई जारी है और अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

मांगलिक कार्यक्रमों में सक्रिय बाइक चोर गैंग! शादी और बहुभोज से दो बाइकें चोरी, पुलिस जांच में जुटी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सहजनवां- गोरखपुर: सहजनवा और गीडा क्षेत्र में मांगलिक कार्यक्रमों के दौरान बाइक चोरी की घटनाओं ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। शादी समारोह और बहुभोज जैसे आयोजनों में शामिल होने पहुंचे लोगों की बाइकें चोरों ने बड़ी सफाई से पार कर दीं। अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों की बाइक चोरी होने के बाद पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से लोगों में दहशत का माहौल है।

पहली घटना गीडा थाना क्षेत्र के पिपरी गांव निवासी सरवन कुमार पुत्र चंद्रकेश के साथ हुई। सरवन कुमार 27 अप्रैल को गुरौली बुजुर्ग गांव में आयोजित एक बहुभोज कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। उन्होंने अपनी बाइक कार्यक्रम स्थल के बाहर खड़ी की और समारोह में शामिल होने चले गए। कुछ देर बाद जब वह वापस लौटे तो उनकी बाइक मौके से गायब थी। पहले उन्होंने अपने स्तर से आसपास काफी खोजबीन की, लेकिन बाइक का कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने गीडा थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दूसरी घटना तालनवर गांव निवासी हृदय नंदन निषाद पुत्र स्वर्गीय राम केवल निषाद के साथ हुई। हृदय नंदन 21 अप्रैल की रात करीब 10 बजे नौसढ़ स्थित एक लॉन में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। उन्होंने अपनी बाइक लॉन के बाहर खड़ी की थी। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद जब वह बाहर आए तो उनकी बाइक वहां नहीं थी। काफी तलाश के बावजूद बाइक का पता नहीं चल सका।

पीड़ित ने गीडा थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिस पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन दिनों शादी समारोह, बहुभोज और अन्य मांगलिक कार्यक्रमों में बाइक चोरों का गिरोह सक्रिय हो गया है। भीड़भाड़ और अव्यवस्थित पार्किंग का फायदा उठाकर चोर आसानी से वारदात को अंजाम दे रहे हैं। लोगों ने पुलिस से मांग की है कि ऐसे आयोजनों के आसपास गश्त बढ़ाई जाए और संदिग्ध लोगों पर नजर रखी जाए, ताकि चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

गोरखपुर: राह चलते युवक से 77 हजार की लूट का खुलासा, तीन बदमाश गिरफ्तार

● एसओजी, स्वाट व सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई, 13 हजार नकद व दो बाइक बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। थाना कैम्पियरगंज पुलिस ने राह चलते युवक से 77 हजार रुपये और मोबाइल लूटने की सनसनीखेज वारदात का खुलासा करते हुए तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से लूट के 13 हजार रुपये नकद, एक मोबाइल फोन तथा घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल बरामद की हैं। इस कार्रवाई को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित संयुक्त टीम ने अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार, 25 अप्रैल 2026 को पीड़ित युवक मेहदावल से पीपीगंज की ओर मोटरसाइकिल से जा रहा था। रास्ते में दो मोटरसाइकिलों पर सवार तीन बदमाशों ने उसे रोक लिया और मारपीट करते हुए जेब में रखा 77 हजार रुपये नकद व मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित की तहरीर पर थाना कैम्पियरगंज में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर ने अपराधियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक उत्तरी के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी कैम्पियरगंज के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना पुलिस, एसओजी, स्वाट और सर्विलांस टीम ने संयुक्त अभियान चलाया। लगातार छानबीन और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान रविन्द्र निषाद निवासी नरकटहा थाना पनियरा जनपद महराजगंज, मुन्ना लाल मौर्य निवासी साढ़े टोला भड़ारे थाना मेंहदावल संतकबीर नगर तथा गिरजेश यादव निवासी नौधरी थाना मेंहदावल संतकबीर नगर के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने लूट की घटना स्वीकार की। उनकी निशानदेही पर लूट की रकम में से 13 हजार रुपये नकद, एक मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल बरामद की गई। गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धाराओं की बढ़ोत्तरी करते हुए आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। इस सफलता में प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार सिंह, एसओजी प्रभारी निरीक्षक नीरज राय, स्वाट प्रभारी पुरुषोत्तम आनन्द सिंह, सर्विलांस प्रभारी छोटेलाल राय सहित थाना कैम्पियरगंज की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जिला अस्पताल का नवागत डीएम ने किया औचक निरीक्षण, सख्त हिदायत!

● निरीक्षण के दौरान उन्होंने ट्रामा सेंटर, आयुष्मान वार्ड, सीटी स्कैन कक्ष, एसएनसीयू तथा पीकू वार्ड सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज, जिलाधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल द्वारा जिला संयुक्त चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ट्रामा सेंटर, आयुष्मान वार्ड, सीटी स्कैन कक्ष, एसएनसीयू तथा पीकू वार्ड सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ एवं अन्य कर्मचारियों की उपस्थिति और कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त की। सीएमएस द्वारा अवगत कराया गया कि जिला अस्पताल में वर्तमान में कुल 48 चिकित्सक तथा 108 स्टाफ नर्स अपनी सेवाएं दे रहे हैं। निरीक्षण के दौरान आयुष्मान वार्ड में मात्र दो मरीज पाए जाने पर जिलाधिकारी ने बेड ऑक्युपेंसी बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना सरकार की महत्वपूर्ण योजना है तथा अधिक से अधिक पात्र मरीजों को इसका लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाए। इसी प्रकार पीकू वार्ड में भी मरीजों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने एसएनसीयू में मरीजों की संख्या एवं उपलब्ध बेड के दृष्टिगत शासन से अतिरिक्त बेड स्वीकृत कराने हेतु पत्राचार करने के निर्देश दिए। उन्होंने नवनिर्मित क्रिटिकल केयर अस्पताल में आवश्यक स्टाफ की नियुक्ति एवं मशीनों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए भी शासन को प्रस्ताव भेजने हेतु सीएमओ को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मरीजों एवं उनके परिजनों से आत्मीय संवाद कर अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने रैन बसेरे की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने तथा साफ-सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ रखने के निर्देश देते हुए कहा कि जिला अस्पताल जनपद की स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ है, इसलिए यहां आने वाले प्रत्येक मरीज को बेहतर उपचार एवं सुविधाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों से सीधे जिला अस्पताल आने वाले मरीजों से बात करने के उपरांत जिलाधिकारी महोदय ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को सुदृढ़ करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नवनाथ प्रसाद, सीएमएस डॉ. ए.के. द्विवेदी, एसीएमओ डॉ. राकेश कुमार, डॉ. ए.बी. त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ग़ोला: डिवाइडर बना 'मौत का जाल': बरातियों से भरी कार की भीषण टक्कर, सात घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ग़ोला- गोरखपुर: गोला क्षेत्र में मंगलवार रासत एक दर्दनाक सड़क हादसे ने शादी की खुशियों को चीख-पुकार में बदल दिया। गोला विद्युत उपकेंद्र के पास राम-जानकी मार्ग पर तेज रफ्तार बरातियों की कार अनियंत्रित होकर नवनिर्मित डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कार (क्क65ऋ1891) में सवार सभी लोग एक वैवाहिक समारोह में शामिल होने जा रहे थे। रात करीब 10 बजे अचानक चालक का वाहन पर नियंत्रण बिगड़ गया और कार सीधे डिवाइडर से टकरा गई। हादसे के बाद आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया और चीख-पुकार गूंज उठी।

घटना के तुरंत बाद पास स्थित पावर हाउस पर तैनात कर्मचारियों ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। एसएसओ अनुपम सिंह कुशवाहा, पवन कुमार, बलजीत कुमार, चंदन कुमार और उदयभान भारती समेत अन्य लाइन स्टाफ ने कड़ी मशक्कत के बाद घायलों को कार से बाहर निकाला। सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) गोला भेजा गया, जहां उनका उपचार जारी है।

हादसे में घायल लोगों की पहचान ऋषि सिंह (18), संतोष कन्नौजिया (26), प्रिंस सिंह (16), रविकांत सिंह (21), विवेक सिंह (18), शुभम सिंह (17) और कनिष्क गुप्ता (18) के रूप में हुई है। सभी घायल उरूवा थाना क्षेत्र के बथुआ गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि राम-जानकी मार्ग पर बना यह डिवाइडर लगातार हादसों का कारण बनता जा रहा है। आए दिन यहां दुर्घटनाएं हो रही हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। लोगों का आरोप है कि डिवाइडर की बनावट और संकेतक (रिफ्लेक्टर/लाइट) की कमी के कारण वाहन चालकों को रात में इसका अंदाजा नहीं हो पाता, जिससे दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। इस घटना के बाद क्षेत्र में भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द डिवाइडर पर सुरक्षा संकेतक, प्रकाश व्यवस्था और चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह के हादसों को रोका जा सके। फिलहाल, सभी घायलों का इलाज जारी है और उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही।

वोट उसी को जो गाय को राष्ट्रमाता घोषित करे-अविमुक्तेश्वरानन्द

● गविष्टि यात्रा में पहुंचे छोटी काशी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रूद्रपुर, देवरिया। ज्योतिष पीठ के पीठाधीश्वर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती मंगलवार को अपनी गविष्टि यात्रा के दौरान छोटी काशी के नाम से विख्यात दुग्धेश्वर नाथ मंदिर पहुंचे। उन्होंने मंदिर के गर्भ गृह में जाकर दुग्धेश्वर नाथ का विधि विधान पूर्वक पूजन अर्चन किया और मंदिर परिसर में ही शिव भक्तों और जनता जनार्दन को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि वे गायों के संरक्षण हेतु 81 दिन की गविष्टि यात्रा लेकर निकले हैं। जो प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्र में जाएगी। यात्रा का मुख्य उद्देश्य गाय को पशुओं की सूची से बाहर करना और राज्य माता तथा राष्ट्र माता घोषित करना है। उन्होंने कहा कि भगवा वस्त्र पहनकर और हिंदू धर्म की बात करने वाले लोग गाय को राजमाता घोषित नहीं करना चाहते।

उन्होंने खुलासा करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में हाल के आंकड़ों को देखा जाए तो गायों की संख्या लगातार घट रही है और वहीं आर्थिक आंकड़ों पर नजर डाल डाले तो पूरे देश में संपूर्ण बीफ निर्यात का सबसे ज्यादा हिस्सा उत्तर प्रदेश से होता है। उन्होंने उपस्थित जनता का आह्वान करते हुए कहा कि आगामी चुनाव में अपना वोट उन्हीं को दें जो गाय को राजमाता और राष्ट्र माता घोषित करने का वचन दें। चाहे वह कोई भी पार्टी हो। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य है कि आम जनता के सहयोग से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक गौशाला बनाई जाएगी। जहां गायों की सेवा की जाए और उनका संरक्षण किया जाए। उन्होंने लक्ष्मीपुर स्थित एक रिसॉर्ट में रात्रि विश्राम किया और बुधवार को अपनी यात्रा लेकर बरहज के लिए रवाना हो गए। इस अवसर पर पूर्व विधायक अखिलेश प्रताप सिंह महंत रामाशंकर भारती महंत पप्पू सिंह सहित तमाम शिवभक्त और हिंदू नेता मौजूद रहे।

शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, तीन मोटर साईकिलें बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। वाहन चोरी करने वाले गिरोह पर जनपद की लार पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे और निशानदेही पर चोरी की तीन मोटरसाइकिलें बरामद की हैं, जिनमें दो बाइकों पर फर्जी नंबर प्लेट लगी मिली। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में सक्रिय वाहन चोरों में हड़कंप मच गया है। लार पुलिस बुधवार को संदिग्ध व्यक्ति और वाहन चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर चुनकी पुलिया के पास से उमेश प्रसाद नामक युवक को गिरफ्तार किया गया। आरोपी सुपर स्प्लेण्डर बाइक पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर घूम रहा था। पूछताछ में उसने चोरी की अन्य बाइकों के बारे में जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस ने एक स्प्लेण्डर प्लस और एक पल्सर बाइक भी बरामद कर ली।

जांच में सामने आया कि बरामद बाइकें थाना लार और भाटपाररानी में दर्ज वाहन चोरी के मुकदमों से संबंधित हैं। तीनों बाइकों की अनुमानित कीमत करीब 1.40 लाख रुपये बताई जा रही है। आरोपी के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

क्षेत्राधिकारी सलेमपुर मनोज कुमार ने बताया कि वाहन चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चेकिंग के दौरान पकड़े गए अभियुक्त के पास से चोरी की बाइक बरामद हुई, जिस पर फर्जी नंबर प्लेट लगी थी। पूछताछ के आधार पर दो अन्य चोरी की मोटरसाइकिलें भी बरामद की गई। सीओ ने कहा कि लार पुलिस द्वारा कुल तीन वाहन चोरी की घटनाओं का सफल अनावरण किया गया है और अभियुक्त के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला ने फांसी लगाकर जान देने का किया प्रयास, गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर

स्वतंत्र प्रभात ब्रेकिंग न्यूज़

तालबेहट। थाना पूराकलां क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गुन्देरा में एक विवाहिता ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया। परिजनों द्वारा गंभीर हालत में महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार ग्राम गुन्देरा निवासी चंचल (20) पत्नी जितेंद्र ने घर में फांसी लगाकर जान देने का प्रयास किया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में परिजन महिला को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद महिला की हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जानकारी जुटाने में लगी है।

संक्षिप्त खबरें

मितौली एसडीएम ने जनगणना को दिखाई हरी झंडी

बेहजम खीरी- बेहजम में 'हमारी गणना हमारा अधिकार' जनजागरूकता रैली का आयोजन किया गया। मितौली के उपजिलाधिकारी मधुसूदन गुप्ता ने विकास खंड बेहजम परिसर से इस रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली का मुख्य उद्देश्य जनगणना और स्व-गणना के प्रति लोगों को जागरूक करना था, ताकि नागरिक अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों को समझ सकें।इस रैली में क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के हजारों छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। राजरानी माता शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज, कन्हैया इंटर कॉलेज और बेसिक विद्यालयों के बच्चों ने 'हमारी गणना हमारा अधिकार' लिखी तख्तियां लेकर बेहजम कस्बे में भ्रमण किया। उन्होंने नारों और संदेशों के माध्यम से आमजन को जनगणना के महत्व के प्रति जागरूक किया।उपजिलाधिकारी मधुसूदन गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि जनगणना देश की विकास योजनाओं का आधार होती है। उन्होंने जोर दिया कि प्रत्येक नागरिक की सही भागीदारी से ही सटीक आंकड़े मिलते हैं, जिससे सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँच पाता है। गुप्ता ने युवा पीढ़ी को समाज में जागरूकता फैलाने का सबसे प्रभावी माध्यम बताते हुए छात्रों की सहभागिता की सराहना की।इस कार्यक्रम में तहसीलदार दिनेश कुमार, सीईओ देवेश राय, शिक्षक राजेश गुप्ता, प्रधानाचार्य सुनील गुप्ता और गौरव शुक्ला सहित कई अन्य शिक्षक और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। हजारों छात्र-छात्राओं की सक्रिय भागीदारी से यह जागरूकता रैली सफल रही।

हैदराबाद थाना क्षेत्र मे शान्तिभंग मे तीन का चालान

गोला गोकर्णनाथ खीरी- थानाध्यक्ष सुनील मलिक के नेतृत्व में थाना हैदराबाद पुलिस टीम द्वारा दिनांक 07.05.2026 शान्ति व्यवस्था भंग करने वाले 03 नफर अभियुक्तगण 1. आफताब पुत्र रफायत उम्र करीब 22 वर्ष निवासी ग्राम अंगदपुर थाना मैलानी जिला खीरी ग्राम रोशननगर में द्वितीय पक्ष की आसमा खातून पुत्री जद्दीक खां निवासी सरकारगढ थाना हैदराबाद से कहा सुनी विवाद हो रहा है मौके पर पहुंचकर आफताब उपरोक्त को समझाया बुझाया गया परन्तु आमदा फौजदारी होने लगा शान्ति व्यवस्था के दृष्टिगत आफताब उपरोक्त को मौके से गिरफ्तार किया गया तथा ग्राम किरतापुर में प्रथम पक्ष के 1. अनिल कुमार पुत्र जसवन्त निवासी ग्राम किरतापुर थाना हैदराबाद जिला खीरी उम्र करीब 23 वर्ष व द्वितीय पक्ष के 2. चौधरी पुत्र घुरईलाल निवासी ग्राम किरतापुर थाना हैदराबाद जिला खीरी उम्र करीब 40 वर्ष के मध्य पैसो के लेन देन को लेकर विवाद हो रहा था मौके पर पीआरवी 7925 के कर्मियो द्वारा दोनो पक्षो को समझाया बुझाया गया परन्तु आमदा फौजदारी होने लगे दोनो को मौके से गिरफ्तार कर थाना लाया गया तीनो अभियुक्तगणो को अन्तर्गत धारा 170/ 126/ 135 बीएनएसएस वास्ते विधिक कार्यवाही हेतु मा0 न्यायालय गोला के समक्ष भेजा गया। आभियुक्तो को गिरफ्तार करने वाली टीम मे मुख्य रूप से उप निरीक्षक अशोक कुमार सिह, विनोद कुमार पाण्डेय व आरक्षी नीरज कुमार 7925 पीआरवी कर्मी का0 अखिलेश कुमार व चालक प्रमुख रूप से सामिल रहे।

प्रधान मंत्री आदर्श ग्राम योजना की समीक्षा बैठक सम्पन्न

भदोही। प्रधान मंत्री आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत चयनित ग्राम पंचायतों में संचालित विकास कार्यों की समीक्षा को लेकर गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद ने की। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों ने योजना के तहत संचालित प्रस्तावों एवं विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी दी। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि योजना का उद्देश्य अनुसूचित जाति बाहुल्य ग्रामों का समग्र विकास सुनिश्चित करना है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाएं मजबूत हों और सामाजिक व आर्थिक असमानता कम की जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजना के अंतर्गत स्वीकृत सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराया जाए। बैठक में सड़क, पेयजल, विद्युत, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता एवं अन्य विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि चयनित ग्राम पंचायतों में शासन की मंशा के अनुरूप विकास कार्यों का लाभ पात्र लोगों तक पारदर्शी तरीके से पहुंचाया जाए, जिससे गांवों को वास्तविक रूप से आदर्श ग्राम के रूप में विकसित किया जा सके। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

लखीमपुर में 'अंधेर नगरी-चौपट राजा',गोला तहसील बनी भू-माफियाओं का चारागाह!

● गोला तहसील मे भ्रष्टाचार की 'मिट्टी' में सनी कानून की साख

आखिर किसका भू-माफियाओं को मिल रहा संरक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार का निर्देश साफ है कि अपराध और माफिया को मिट्टी में मिला देंगे।' लेकिन लखीमपुर के तहसील गोला क्षेत्र के मुड़ा बुजुर्ग, पलहनापुर, जटपुरवा,हरदुआ की हकीकत बाबा के इन दावों पर कालिख पोत रही है। यहाँ मिट्टी में माफिया नहीं मिल रहे, बल्कि माफिया सरकारी जमीनों पर अवैध तरीके से खेती करके करोड़ों की काली कमाई कर रहे हैं।

सिस्टम को माफिया का 'चढ़ावा' या कानून की विफलता?

लखीमपुर में कानून का डंडा अब भू-माफियाओं के सामने 'बोना' साबित हो रहा है। स्थानीय चर्चाओं और सूत्रों की मानें तो 'भू माफ़िया का साम्राज्य इस कदर फैला है कि प्रशासन की चुप्पी अब संदेह के घेरे में है। सुत्रो के अनुसार लेखपाल से तहसील दफ्तर तक 'महीना': खबर है कि भू -माफिया लोग खुलेआम दावा कर रहें है कि 'नीचे से ऊपर तक हिस्सा पहुँचता है।' क्या यही वजह है कि कानूनगो, नायब तहसीलदार तहसीलदार और एस. डी. एम. गोला को दिन के उजाले में भी ये अवैध कब्जे नजर नहीं आते राजस्व विभाग सरकारी जमीनों की जानकारी गाटा सहित सार्वजनिक करने से क्यों कतरा रहा है अगर सब कुछ वैध है, तो विवरण जनता के सामने क्यों नहीं तालाब, खलिहान, खेल मैदानों और मरघट पर भू माफियाओं का आतंक है परगना कुकुरा के ग्राम जटपुरा, हरदुआ और परगना भूड, के ग्राम मुड़ा बुजुर्ग का इलाका भू माफिया का 'एपिसेंटर' बन चुका है।राजस्व की सरेआम लूट ने सरकार के खजाने में जाने वाला पैसा आज भ्रष्ट अधिकारियों और माफियाओं की जेबें गरम कर रहा है।? जिससे आम जनता का जीना मुहाल है।

जनप्रतिनिधियों के दोहरे मापदंड!

एक तरफ जहां सभी अवैध कब्जों पर कार्रवाई की बात की जाती हैं दूसरी तरफ भू माफियाओं का स्पष्ट कहना है कि साहब के पास तक पहुंच रहा है कमाई का तयशुदा हिस्सेदारी उन्ही का अभयदान है और एक उच्च अधिकारी ने मूक सहमति दी है साथ ही यह भी बोल रहे है भाई साहब ने मेरे साथ जाकर मौका का मुआयना किया साथ में 78 एकड़ सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा धारक भी अधिकारियों के साथ था।

अब निर्णायक कार्रवाई की बारी

यह केवल अवैध कब्जा ही नहीं, बल्कि एक संगठित अपराध है। लखीमपुर की जनता अब जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक की ओर देख रही है। क्या इन माफियाओं के खिलाफ 'बुलडोजर' वाली कार्रवाई होगी?या फिर भ्रष्टाचार का यह सिंडिकेट ऐसे ही कानून का मजाक उड़ाता रहेगा 'जब रक्षक ही भक्षक की भूमिका में मौन समर्थन देने लगे, तो लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को आवाज उठानी ही होगी। '

शराब पीकर पति मर गया पत्नी खा रही डर-डर की ठोकर नहीं मिल रहा न्याय

● न्याय पाने को विधवा भटक रही है गरीबों के कारण नहीं मिल रहा न्याय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/ क्यों लड़ियां थाना क्षेत्र के गांव धनौर जागीर की अनीता देवी की शादी थाना भुता क्षेत्र के गांव राम्पुरा के ऋषिपाल के साथ अब से 8 वर्ष पूर्व हुई थी अनीता के दो बच्चे हैं पीड़ित अनीता के अनुसार उसका पति शराबी था। जिसके कारण 2025 में उसकी मृत्यु हो गई उसके बाद से उसके देवर एवं अन्य ससुरारी गणों ने उसके साथ मारपीट अन्य अत्याचार करना प्रारंभ कर दिया अंततः उसका मोबाइल फोन छीन कर उसे घर से निकाल दिया पीड़िता के अनुसार ससुराली उसे बाहर रहने नहीं देते हैं नहीं उसके पति का कोई हिस्सा दे रहे हैं अब तो अभी उसे घर से मारपीट कर भगा दिया। साथ ही उसका मोबाइल फोन भी छीन लिया गया पीड़िता न्यायके लिए के लिए क्यों लड़ियां थाने आई और उसको सुनने के बाद पुलिस ने मामला भुता खाने का होने का हवाला देकर टाल दिया गया परंतु पीड़िता के समक्ष बड़ी समस्या का सामना है उसके छोटे-छोटे दो बच्चों के साथ में अति गरीब होने के कारण वह कहीं आने-जाने में भी असमर्थ है। क्यों लड़िया के स्पेक्टर क्राइम श्रवण कुमार सिंह ने उसकी ससुराल फोन करके उसे रखने का संदेश दिया परंतु पुलिस के समक्ष तो उसके देवर ने स्वीकार कर लिया परंतु पीड़िता संतुष्ट नहीं हुई और बोली यह मुझे पुणे मेरे साथ मारपीट करेंगे इस गरीब पीड़िता को अब न्याय कैसे मिलेगा इसकी कोई व्यवस्था नहीं है जिसके कारण वह अपने छोटे-छोटे बच्चों को लेकर दर-दर भटक रही है।

नदौल रेलवे स्टेशन पर छिनतई की साजिश नाकाम, हथियार के साथ दो गिरफ्तार

मसौढ़ी। पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ट्रेन में छिनतई की योजना बना रहे दो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी प्लेटफॉर्म पर वारदात को अंजाम देने की फिराक में बैठे थे। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए उन्हें हथियार और कारतूस के साथ दबोच लिया। जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि नदौल रेलवे स्टेशन पर कुछ अपराधी ट्रेन में छिनतई की घटना को अंजाम देने की तैयारी कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने प्लेटफॉर्म नंबर-2 पर छापेमारी की। इस दौरान दो युवक पुलिस को देखते ही भागने लगे, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पीछा कर दोनों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान (27 वर्ष) एवं (31 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों मसौढ़ी थाना क्षेत्र के बैरमचक गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। तलाशी के दौरान पिन्टु बिन्द के पास से एक देशी कट्टा, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा, 8000 रुपये नकद एवं एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। वहीं जय प्रकाश कुमार के पास से 1500 रुपये नकद और एक पर्स बरामद हुआ। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि पिन्टु बिन्द का पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ जहानाबाद रेल थाना में चोरी, छिनतई एवं आर्म्स एक्ट के तहत कई मामले दर्ज हैं।

बिथरी चैनपुर में स्व-जनगणना प्रशिक्षण सम्पन्न

● विभागीय कार्य समय से पूर्ण करने के भी निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/बिथरी चैनपुर। विकासखंड बिथरी चैनपुर के समस्त विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एवं इंचार्ज अध्यापकों को जनगणना 2027 के संदर्भ में स्व-जनगणना का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में स्वयं की जनगणना करने के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया को प्रस्तुतिकरण के द्वारा बिंदुवार समझाया गया। इसी के साथ समस्त शिक्षकों को स्वयं की जनगणना करने तथा अपने विद्यालय के आस पास के क्षेत्र के लोगों का भी स्व जनगणना में सहयोग के लिए निर्देश दिया गया। इसके पश्चात ब्लॉक संसाधन केंद्र, बिथरी चैनपुर में समीक्षा बैठक का भी आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी श्री विजय कुमार ने की। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी ने विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए बताया कि वर्तमान समय में डीबीटी, यू-डाइस , इको क्लब तथा शारदा पोर्टल से संबंधित कार्य प्रगति पर हैं। उन्होंने सभी शिक्षकों को निर्देशित किया, कि इन कार्यों को दो कार्यदिवस के भीतर पूर्ण करना सुनिश्चित करें, जिससे विभागीय कार्यों में किसी प्रकार की देरी न हो। अगर इन कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी होती है, तो सम्बन्धित के विरुद्ध कार्यवाही के निर्देश दे दिए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी भी शिक्षक को कार्य संपादन में किसी प्रकार की समस्या या तकनीकी दिक्कत का सामना करना पड़ता है, तो वे तत्काल अपने संबंधित एआरपी (एकेडमिक रिसोर्स पर्सन) से संपर्क कर समाधान प्राप्त कर सकते हैं। प्रशिक्षण एवं बैठक में खण्ड शिक्षा अधिकारी श्री विजय कुमार के साथ ए.आर.पी राममोहन तिवारी, सौरभ शुक्ला, विनीत कुमार, पवन मिश्रा, नम्रता तथा समस्त प्रधानाध्यापक एवं इंचार्ज अध्यापक मौजूद रहे।

बीआरसी केंद्र क्योलड़िया पर शिक्षकों को स्व गणना करने का दिया गया प्रशिक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/ विकासखंड भदपुरा के बीआरसी केंद्र क्योलड़िया पर गुरुवार को खंड शिक्षा अधिकारी विजय कुमार के द्वारा समस्त प्रधानाध्यापकों के साथ मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया एवं सभी शिक्षकों को स्व गणना करने का प्रशिक्षण दिया। विजय कुमार ने सभी शिक्षकों को निर्देशित किया कि आदरणीय जिला अधिकारी महोदय बरेली के निर्देश के क्रम में सभी शिक्षक जनगणना के अंतर्गत 7 मई 2026 से 21 मई 2026 तक अपनी स्वयं की स्व गणना करने के साथ-साथ सभी अभिभावकों एवं समाज के सभी नागरिकों को भी स्व गणना करने हेतु प्रेरित करेंगे। उन्होंने बताया कि गुणवत्तायुक्त शिक्षा हमारी प्राथमिकता पर है जिसके तहत विकासखंड के सभी विद्यालयों को निपुण बनाना है।सभी शिक्षकों को छात्रों के साथ इको क्लब के अंतर्गत गतिविधियों का नियमित आयोजन करने, प्रेरणा पोर्टल पर छात्रों की प्रतिदिन नियमित उपस्थिति दर्ज करने, निपुण प्लस एप पर छात्रों का नियमित आंकलन करने, शारदा पोर्टल पर ड्राप आउट छात्रों को अद्यतन करने, आईसीटी एवं स्मार्ट क्लास का नियमित संचालन करने। सहित छात्रों के शैक्षिक स्तर का संवर्द्धन करने से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर समस्त प्रधानाध्यापकों को मार्गदर्शित एवं निर्देशित किया गया। एआरपी मधुरेश दीक्षित ने कहा कि सभी विद्यालयों में विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई शिक्षक संदर्शिका का उपयोग करते हुए शिक्षण कार्य किया जाना है। संतोष गंगवार ने बताया कि सभी शिक्षक नियमित रूप से निपुण प्लस एप का उपयोग करके छात्रों का नियमित आकलन करें। एआरपी अरुण कुमार ने सभी शिक्षकों को बताया कि वह बाल वाटिका एवं स्कूल रेडीनेस के अंतर्गत शैक्षिक कार्यक्रमों का नियमित रूप से संचालन करें एवं शैक्षणिक गुणवत्ता के संवर्धन हेतु छात्रों को लर्निंग बाय डूइंग मेथड से रोचक तरीके से शिक्षण कार्य को संपादित करें। उक्त आयोजन में ठाकुर दास राजपूत देवल सर्वेश कुमार राजवीर सिंह रामवृज मौर्य शशांक अवधेश अभिषेक ओम बाबू रामौतार सुधांशु गंगवार सहित प्रत्येक विद्यालय के प्रधानाध्यापक द्वारा प्रतिभाग किया गया।

कागजों पर बोरिंग दिखा सरकारी धन की लूट किए जाने के आरोप

● वन दरोगा, फॉरेस्ट गार्ड और रेंजर मैलानी की मिली भगत आ रही सामने

वन रेंज मैलानी रेंजर, वन दरोगा और फॉरेस्ट गॉर्ड के अजब गजब खेल

कहीं वाटर होल है तो बोरिंग नहीं है कहीं वाटर होल और बोरिंग दोनों नहीं है चंद्र जगह पर वाटर होल पर बोरिंग बनी है तो इंजन का आता पता नहीं है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मैलानी खीरी- जनपद खीरी की वन रेंज मैलानी में सरकारी धन का निजी हित में दुरुपयोग कर लिए जाने का मामला प्रकाश में आया है।सूत्र बताते हैं कि यह सारा खेल रेंजर और वन दरोगा राजा राम तिवारी की बीट जटपुरा और सलेमपुर बीट तथा फॉरेस्ट गॉर्ड की मिलीभगत से होने की बात सामने आयी है। मिली जानकारी के अनुसार जटपुरा बीट के अंतर्गत बोरिंग करने के लिए शासन द्वारा दिए गए बजट को कागजों पर वाटर होल और उसे पर बोरिंग कार्य दिखाकर आपस में बंदरबांट कर लिया गया जबकि हकीकत की जमीन पर कहीं भी बोरिंग नहीं कराई गई। विभागीय सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार मैलानी रेंज की जटपुरा बीट के कंपार्टमेंट नंबर 8 और 9 तथा सलेमपुर बीट के अंतर्गत कंपार्टमेंट 10 व 11 कि यदि कुंभबिग करा ली जाए तो वाटर होल और उन पर कराई गई बोरीगो की सच्चाई तो सामने आ ही जाएगी साथ ही साथ उक्त कंपार्टमेंटों में कराए गए लकड़ी के अवैध कटान का भी पर्दाफाश हो जाएगा। जटपुरा बीट और सलेमपुर बीट के उपरोक्त कंपार्टमेंटों में लगी हजारों जड़ें चीख चीखकर वन दरोगा और फॉरेस्ट गार्ड की भ्रष्टाचार की दास्तान स्वयं ही बयां करते नजर आएगी। बताया जाता है सलेमपुर बीट में एक भी वाटर होल नहीं बना है वही कंपार्टमेंट नंबर 07 में एक वाटर होल बना है पर उसपर बोरिंग नहीं है वही कंपार्टमेंट 10 में बोरिंग नहीं है कंपार्टमेंट 9 में एक वाटर होल और बोरिंग है। तथा कंपार्टमेंट आठ में बोरिंग और वाटर होल दोनों नहीं है।

वर्जन- उपरोक्त मामले पर जब वन रेंज मैलानी रेंजर साजिद खान से जानकारी चाही गई तो उन्होंने बताया एक पक्का वाटर होल उस पर बोरिंग इसी साल कराई गई है। रेंजर साहब ने चार बोरिंग और चार वाटर होल होने की पुष्टि की है जबकि हकीकत की धरातल पर सिर्फ एक बोरिंग ही है।

ओबीसी कन्या आवासीय स्कूल की व्यवस्था सुधारने को लेकर डीएम ने की बैठक

सुपौल। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गुरुवार को अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय प्लस टू उच्च विद्यालय, रामनगर (पिपरा) की विद्यालय संस्थापन समिति की बैठक समाहरणालय स्थित कार्यालय वेश्म में आयोजित की गई। बैठक में विद्यालय में शिक्षकों की आवश्यकता के अनुसार प्रतिनियुक्ति, छात्राओं की सुरक्षा के मद्देनजर विद्यालय के आसपास नियमित पुलिस गश्ती तथा छात्राओं के बेहतर स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए दो NM/GNM की प्रतिनियुक्ति सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। इसके अलावा विद्यालय के बाहर सड़क मार्ग पर पर्याप्त रोशनी सुनिश्चित करने के लिए स्ट्रीट लाइट लगाने तथा छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक एवं आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया गया। बैठक में, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, विद्यालय नोडल पदाधिकारी एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

रूहेलखंड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विश्व हैंड वॉश डे

● डॉ. रश्मि कत्याल व डॉ. पीयूष गुप्ता के निर्देशन में

रिठौरा के स्कूलों में जागरूक किए गए छात्र, छात्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/रिठौरा। 'स्वच्छ हाथ, सुरक्षित जीवन' के संकल्प के साथ विश्व हैंड वॉश डे के अवसर पर रूहेलखंड मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल द्वारा संचालित रूहेलखंड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, रिठौरा द्वारा व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। संस्थान की डॉ. रश्मि कत्याल एवं चिकित्सा प्रभारी डॉ. पीयूष गुप्ता के कुशल निर्देशन में नगर के आधा दर्जन से अधिक स्कूलों में छात्र-छात्राओं को बताया हाथों की सफाई से टल सकती हैं गंभीर बीमारियां जागरूकता सत्र को संबोधित करते हुए चिकित्सा प्रभारी डॉ. पीयूष गुप्ता ने बच्चों को बताया कि हमारे हाथ अनगिनत कीटाणुओं के वाहक होते हैं। यदि हम बिना हाथ धोए भोजन करते हैं, तो ये कीटाणु शरीर में प्रवेश कर हमें बीमार कर देते हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा: सही तरीके से हाथ धोने की आदत मात्र से हम डायरिया, टाइफाइड और संक्रमण जनित विभिन्न गंभीर बीमारियों से स्वयं को सुरक्षित रख सकते हैं। यह छोटी सी आदत बड़े स्वास्थ्य संकट को टालने में सक्षम है। 'प्रायोगिक तौर पर सिखाई हाथ धोने की विधि स्वास्थ्य केंद्र की टीम ने स्कूलों में बच्चों को 'हैंड वॉशिंग स्टेप्स' का प्रदर्शन कर विस्तार से जानकारी दी। बच्चों को सिखाया गया कि केवल पानी से हाथ धोना पर्याप्त नहीं है, बल्कि साबुन से हथेलियों, नाखूनों के बीच और कलाई तक की सफाई करना आवश्यक है। इस विशेष अभियान को सफल बनाने में मेडिकल कॉलेज और स्वास्थ्य केंद्र की पूरी टीम ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस दौरान डॉ. यश कुमार, जे.आर.-2 कासिम हुसैन। कुलदीप गंगवार, पूजा शर्मा, अनिल कुमार, अरमान अली, दीपमाला, राजीव, आशा, वेदपाल और जितेंद्र सिंह। नगर के स्कूलों के प्रधानाचार्यों और शिक्षकों ने रूहेलखंड मेडिकल कॉलेज के इस प्रयास की सराहना की और बच्चों को प्रतिदिन इस नियम का पालन करने की शपथ दिलाई।

बथुआ में अवैध मिट्टी खनन पर छापा, ट्रैक्टर-ट्रॉली सीज

● डीएम के निर्देश पर मौके पर पहुंचे जिला खनन इंस्पेक्टर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

संगाही खीरी। थाना क्षेत्र के ग्राम बथुआ में अवैध मिट्टी खनन की सूचना पर बुधवार रात जिला खनन विभाग की कार्रवाई से खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया। जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह के निर्देश पर पहुंचे जिला खनन निरीक्षक आशीष कुमार सिंह ने मौके पर छापेमारी कर अवैध खनन में प्रयुक्त एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़कर सीज कर दिया। वाहन को सिंगाही पुलिस की सुपुर्दगी में सौंप दिया गया है। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत बथुआ में रात के अंधेरे में मिट्टी खनन का कार्य मशीनों से कराया जा रहा था। मौके पर करीब एक दर्जन ट्रैक्टर-ट्रॉलियां मिट्टी भरकर सड़कों पर दौड़ रही थीं। खनन निरीक्षक की टीम पहुंचते ही खनन में लगे लोगों में अफरा-तफरी मच गई और अधिकांश चालक अपने वाहन लेकर मौके से फरार हो गए। खनन निरीक्षक ने मौके से पावर ट्रक ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ लिया। वाहन चालक कढ़िले निवासी डंडूरी थाना निघासन बताया गया है। कार्रवाई के बाद वाहन को सीज कर सिंगाही पुलिस के हवाले कर दिया गया। उपजाऊ जमीन पर मंडरा रहा खतरा निघासन विकास क्षेत्र को मिनी पंजाब के नाम से जाना जाता है। यहां की उपजाऊ भूमि और उन्नत खेती क्षेत्र की पहचान रही है। लेकिन अवैध मिट्टी और बालू खनन के कारण क्षेत्र की कृषि भूमि पर खतरा बढ़ता जा रहा है। खनन माफिया निजी मुनाफे के लिए धरती का सीना चीरकर उपजाऊ जमीन को बंजर बनाने पर तुले हैं। क्षेत्रीय लोगों का आरोप है कि निघासन, सिंगाही, मोतीपुर और तिकुनियां क्षेत्रों में अवैध मिट्टी व बालू खनन का कारोबार लंबे समय से खुलेआम चल रहा है। शाम ढलते ही दर्जनों ट्रैक्टर-ट्रॉलियां मिट्टी और बालू भरकर सड़कों पर दौड़ने लगती हैं, जिससे प्रशासनिक कार्रवाई पर भी सवाल उठ रहे हैं।

ऐरा पुल पर भीषण सड़क हादसा ट्रक और सीएनजी ऑटो की टक्कर में कई लोगों की मौत व लगभग आधा दर्जन घायल

लखीमपुर खीरी- के ऐरा पुल पर गुरुवार को एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। प्राप्त शुरुआती जानकारी के अनुसार पुल के ऊपर ट्रक और सीएनजी ऑटो की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर चीख-पुकार मच गई।सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक इस हादसे में 4 से 5 लोगों की मौत होने की आशंका जताई जा रही है, जबकि 5 से 6 लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से नजदीकी अस्पताल भेजा गया है।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। हादसे के बाद पुल पर लंबा जाम लग गया।

बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

● आयुष्मान कार्ड बनाए गए, निःशुल्क जांच व दवाओं का वितरण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला, खीरी- राज्य स्वास्थ्य मिशन के समन्वय से बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड, गोला यूनिट में जिला चिकित्सालय एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के तत्वावधान में एक स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया।शिविर का उद्घाटन राकेश यादव द्वारा गोला यूनिट की वरिष्ठ नेतृत्व टीम तथा राज्य स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया।शिविर के दौरान पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए तथा निः शुल्क स्वास्थ्य जांच की सुविधा प्रदान की गई। लाभार्थियों में कर्मचारी, श्रमिक, उनके परिजन, टाउनशिप निवासी तथा आसपास के क्षेत्र के लोग शामिल रहे। विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं मेडिकल टीम द्वारा निः शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गई, जिनमें ब्लड प्रेशर एवं पल्स जांच, वजन मापन, एक्स-रे, रक्त परीक्षण, टीकाकरण, आयुष्मान कार्ड पंजीकरण, मच्छर जनित रोगों के प्रति जागरूकता सत्र तथा सामान्य चिकित्सीय परामर्श शामिल रहे। लाभार्थियों को निःशुल्क दवाइयों का भी वितरण किया गया।इस अवसर पर चीनी मिल के सभी विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। राकेश यादव ने स्वास्थ्य शिविर को सफल बनाने हेतु सभी चिकित्सकों, मेडिकल स्टाफ एवं सहयोगी कर्मचारियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

जलालपुर गांव मे गोला उप जिला अधिकारी की अगुवाई मे निकाली गई जनगणना रैली

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला क्षेत्र के ग्राम जलालपुर में' जनगणना 2026 की गूँज, दिनांक 7 मई से हो रही जनगणना को लेकर जन-जागरूकता के उद्देश्य से उच्चतर प्राथमिक विद्यालय से एक भव्य रैली का आयोजन किया गया। गोला एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी और गोला तहसीलदार भीमचन्द ने रैली को दिखाई हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया,इस दौरान सभी शिक्षक व शिक्षकाओ के साथ बच्चो ने जलालपुर गांव के दरबाजे दरबाजे पर जाकर लोगो को स्वयं जगणना करने के लिये प्रेरित किया। इस अवसर पर गोला उप जिला अधिकारी प्रतीक्षा त्रिपाठी ने बताया की जनगणना कर घर के मुखिया को अपने मोबाइल से आनलाइन करना है उसमे बताये हुये विन्दुबार तरीके से जानकारी मुहैया कराने है, सही जानकारी भरनी है, यह प्रथम चरण सात मई से 22 तक है।

संक्षिप्त खबरें

अतिक्रमण से सिकुड़ी सुरियावा फाटक गली, जाम से लोगों का निकलना हुआ मुश्किल

सुरियावा। नगर पंचायत सुरियावा के वार्ड नंबर 11 शेखर आजाद नगर स्थित अभिया रोड से चौक तक जाने वाली पश्चिम रेलवे फाटक गली इन दिनों अतिक्रमण और जाम की गंभीर समस्या से जूझ रही है। सड़क के दोनों किनारों पर दुकानदारों द्वारा किए गए अतिक्रमण और मनमाने ढंग से खड़ी की जा रही बाइकें राहगीरों के लिए बड़ी परेशानी बन गई हैं। शादी-विवाह के सीजन और बाजार में बढ़ती भीड़ के बीच हालात और भी बदतर हो गए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में खरीदारी करने पहुंच रहे लोगों को गली से गुजरने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार जाम की स्थिति इतनी गंभीर हो जाती है कि पैदल निकलना भी मुश्किल हो जाता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर पंचायत और पुलिस प्रशासन की अनदेखी के चलते अतिक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है। सड़क पर कब्जे और बेतरतीब वाहन खड़े होने से आए दिन राहगीरों और दुकानदारों के बीच नोकझोंक की स्थिति भी पैदा हो रही है। नगरवासियों ने नगर पंचायत सुरियावा और पुलिस विभाग से तत्काल अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने तथा नियमित यातायात व्यवस्था लागू करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

थाना संतनगर पुलिस द्वारा 20 पाउच अवैध देशी शराब के साथ 01 अभियुक्त गिरफ्तार

मीरजापुर। अपर्णा रजत कौशिक पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान तथा अवैध शराब एवं मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री में संलिप्त अभियुक्तों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त थाना प्रभारी निरीक्षको को निर्देश दिये गये है। उक्त निर्देश के अनुक्रम में बुधवार को उप-निरीक्षक दिनेश कुमार श्रीवास्तव मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना संतगनर क्षेत्र से अभियुक्त विमलेश पुत्र मोतीलाल निवासी ददरी राजा थाना संतनगर जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से 20 पाउच अवैध देशी शराब बरामद किया गया । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना संतनगर पर मु0अ0सं0- 46/2026 धारा 60 आबकारी अधिनियम में पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गई।

थाना कछवां पुलिस द्वारा बिजली का सामान चोरी की घटना से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

मीरजापुर। थाना कछवां मंगलवार को वादी हंशराज प्रसाद पुत्र लल्लन प्रसाद निवासी कचवार राजातालाब गोमती कमिश्नरेट वाराणसी द्वारा अज्ञात अभियुक्त के विरूद्ध बिजली के सामान चोरी के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना कछवां पर मु0अ0सं0-78/2026 धारा 303(2) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई। अपर्णा रजत कौशिक पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता पूर्वक लेते हुए क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में अभियुक्त की यथाशीघ्र गिरफ्तारी एवं चोरी के सामानों की बरामदगी कराये जाने हेतु प्रभारी निरीक्षक थाना कछवां को निर्देश दिये गये। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना कछवां पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में पतारसी सुरागरसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में गुरुवार को उप-निरीक्षक विनय कुमार दूबे मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर प्रकाश में आये अभियुक्त अभिमन्यु उपाध्याय उर्फ मोनू पुत्र राकेश उपाध्याय निवासी ग्राम बजहां थाना कछवां जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त को जेल भेजा गया।

अपर पुलिस अधीक्षक ने थाना ऊंज का किया अर्धवार्षिक निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जनपद में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने एवं थाना स्तर की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने बुधवार की रात थाना ऊंज का अर्धवार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना कार्यालय के अपराध रजिस्टर, विवेचना रजिस्टर, त्योहार रजिस्टर, जीडी रजिस्टर, हथियार रजिस्टर एवं वाहन रजिस्टर सहित अन्य महत्वपूर्ण अभिलेखों का गहन अवलोकन किया। अभिलेखों की प्रविष्टियों की जांच करते हुए संबंधित पुलिसकर्मियों को आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए। अपर पुलिस अधीक्षक ने मालखाना, शस्त्रागार, मिशन शक्ति केंद्र एवं महिला हेल्प डेस्क का भी निरीक्षण किया। मालखाने में रखे सामान, सीलबंद सामग्री तथा शस्त्रागार में हथियारों की सुरक्षा व्यवस्था की जांच की गई। वहीं मिशन शक्ति केंद्र में महिलाओं से संबंधित शिकायतों के निस्तारण एवं काउंसलिंग व्यवस्था का जायजा लिया गया। उन्होंने थाना परिसर, बैरक एवं भोजनालय की साफ-सफाई और व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए संबंधित कर्मचारियों को सफाई व्यवस्था और बेहतर करने के निर्देश दिए। लंबित विवेचनाओं की समीक्षा करते हुए विवेचकों को गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने की हिदायत दी गई।

अपर पुलिस अधीक्षक ने थाना क्षेत्र में रात्रि गश्त, पैदल गश्त एवं वाहन गश्त को और अधिक सक्रिय बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि पुलिसकर्मी आमजन से संवाद स्थापित करें तथा संदिग्ध गतिविधियों पर सतर्क नजर रखें। इसके अलावा थाना

परिसर में खड़े लावारिस एवं मुकदमाती वाहनों की सूची तैयार कर नियमानुसार शीघ्र नीलामी प्रक्रिया पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के बाद अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने कहा कि थाना स्तर पर सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही से जनता के विश्वास को मजबूत करती है तथा प्रत्येक थाना मॉडल थाने की तरह कार्य करे, जिससे जनपद में अपराधमुक्त एवं शांतिपूर्ण वातावरण स्थापित हो सके।

ड्रमंडगंज कंपोजिट विद्यालय में बच्चे रहते हैं कम हाजिरी में भरा जाता है ज्यादा मात्रा

● एमडीएम में चल रहा है गोल मटोल का खेल।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हलिया मीरजापुर। ड्रमंडगंज कंपोजिट विद्यालय में बच्चे आते हैं कम हाजीरी भरा जाता है ज्यादा एमडीएम में चल रहा है गोल मटोल का खेल प्रतिदिन ज्यादा मात्रा में भरा जाता है हाजिरी अधिकारियों के जांच में भी कई बार पकड़े गए हैं प्रधानाध्यापक आए दिन एमडीएम में होता रहता है गोल मटोल साथी साथ ग्रामीणों ने बताया कि यह काम काफी दिन से विद्यालय में चल रहा है यहां तक की बच्चों को सही तरीके से नहीं मिल पाता है भोजन बच्चे कम आते हैं हाजी ज्यादा भर के सिर्फ अपना पेट भरते हैं प्रधानाध्यापक जांच के बाद भी प्रधानाध्यापक के ऊपर नहीं होता करवाई ग्रामीणों ने आक्रोश जताते हुए बताया कि आए दिन अधिकारी विद्यालय का करते रहते हैं जांच जांच करके चले जाते हैं नहीं करते हैं अध्यापक के ऊपर कोई कार्रवाई कई एक बार ग्रामीणों ने शिकायत भी किया लेकिन नहीं हुआ प्रधानाध्यापक के ऊपर कारवाई ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को बेसिक शिक्षा अधिकारी के द्वारा मौके का किया गया स्थलीय निरीक्षण स्थल निरीक्षण में भी विद्यालय में बच्चे मिले कम हाजिरी भरा गया था ज्यादा चल रहा है विद्यालय में रामराज कौन है इसका जिम्मेदार ग्रामीणों ने कहा कि यह देखना है कि कब तक चलता रहेगा रामराज कभी ना कभी रामराज का होगा पर्दाफाश।

मकान सूची करण के अंतर्गत स्व गणना का शुभारम्भ

चुनार, मीरजापुर। भारत की जनगणना 2027 का प्रथम चरण मकान सूचीकरण के अंतर्गत स्वगणना सूचीकरण दिनांक 7 मई 2026 से 21 मई 2026 तक निर्धारित है। जिसके क्रम में बृहस्पतिवार को नगर पालिका परिषद अध्यक्ष मंसूर अहमद के मकान का फील्ड ट्रेनर आलोक जौहरी की उपस्थिति में स्व गणना का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी विजय कुमार यादव, राजस्व निरीक्षक रामभवन सिंह, सभासद किशन मोदनवाल एवं जनगणना कार्य से संबंधित अधिकारी व फील्ड ट्रेनर उपस्थित रहे।

ब्रेकर पर बाइक उछलने से नीचे गिरी बुजुर्ग महिला, हुई मौत

लालगंज क्षेत्र के बरौंधा चौकी क्षेत्र के बरौंधा कोरांव संपर्क मार्ग स्थित बरौंधा नहर पर गुरुवार शाम चार बजे के करीब ब्रेकर पर बाइक उछलने से बाइक सवार महिला नीचे गिर पड़ी।गंभीर रूप से घायल महिला को उपचार हेतु सीएचसी लालगंज ले जाया गया जहां चिकित्सक ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। प्रयागराज जिले के कोरांव थाना क्षेत्र के बेरी गांव निवासी शिव नारायन मौर्य अपनी 65 वर्षीया मां राज कुमारी को बाइक पर पीछे बैठाकर बरौंधा बाजार दवा कराने ले जा रहे थे जैसे ही बरौंधा बाजार से पहले नहर के किनारे ब्रेकर पर बाइक पहुंची तो ब्रेकर पर बाइक उछलने से असंतुलित होकर नीचे गिर पड़ी।

जिससे उनके सिर में गंभीर चोटें आ गई। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने 108 एंबुलेंस सेवा पर फोनकर घायल महिला को उपचार हेतु लालगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भेजा। जहां अस्पताल पहुंचने पर डा. पंकज ने घायल महिला देखते ही मृत घोषित कर दिया।इस संबंध में चौकी प्रभारी बरौंधा संजय कुमार ने बताया कि बाइक से नीचे गिरने से प्रयागराज जिला निवासी महिला की मौत हो गई है। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया।

निर्माणाधीन परियोजनाओं का जिलाधिकारी ने किया आकस्मिक निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जनपद में निर्माणाधीन वाणिज्य कर विभाग परियोजना, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के आवास, कृषि भवन तथा सूचना संकुल के भूमि चिन्हांकन कार्य का गुरुवार को जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने आकस्मिक निरीक्षण कर प्रगति का जायजा लिया। लगभग 8 करोड़ 25 लाख रुपये की लागत से निर्मित हो रही परियोजनाओं के निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने और गुणवत्ता मानकों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था पीडब्ल्यूडी भवन खंड मिर्जापुर के अधिकारियों से निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर जून 2026 तक शत-प्रतिशत पूर्ण कर लिए जाएं। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही अथवा गुणवत्ता में कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी कार्य शासन की मंशा के अनुरूप उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे होने चाहिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को नियमित निगरानी करने तथा समय-

समय पर प्रगति की समीक्षा कर निर्माण कार्य में आ रही बाधाओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह परियोजना जनपद के प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने के साथ विभागीय कार्यों को अधिक व्यवस्थित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत प्रस्तावित मल्टीपरपस हॉल एवं अधिकारियों के लिए टाइप-4 और टाइप-5 आवास निर्माण हेतु भूमि चिन्हांकन कराने के निर्देश भी दिए गए। इसके अलावा तहसील ज्ञानपुर में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के आवास, कृषि भवन तथा सूचना संकुल के लिए भूमि चिन्हांकन की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कराने को कहा गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) कुंवर

मोबाइल से स्व-गणना कर जिलाधिकारी ने दिया डिजिटल जनगणना का संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। भारत की जनगणना 2027 को डिजिटल, पारदर्शी एवं सरल बनाने के उद्देश्य से जनपद प्रशासन द्वारा व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को जिलाधिकारी एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी शैलेष कुमार ने कलेक्ट्रेट सभागार में स्वयं अपने मोबाइल फोन से स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) की प्रक्रिया पूरी कर जनपदवासियों को डिजिटल जनगणना के प्रति जागरूक किया। इस दौरान अपर जिलाधिकारी एवं जिला जनगणना अधिकारी कुंवर वीरेंद्र मौर्य ने भी स्व-गणना की प्रक्रिया संपन्न की। जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जनगणना पोर्टल पर पंजीकरण एवं स्व-गणना की पूरी प्रक्रिया की जानकारी देते हुए उनका भी स्व-गणना कार्य कराया।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने कहा कि भारत सरकार द्वारा पहली बार नागरिकों को अपने मोबाइल फोन के माध्यम से स्वयं जनगणना करने की सुविधा दी गई है, जिससे प्रक्रिया अधिक आसान, पारदर्शी और समयबद्ध बनेगी। उन्होंने बताया कि स्व-गणना का कार्य 21 मई 2026 तक किया जा सकेगा। इसके लिए नागरिकों को जनगणना पोर्टल पर मोबाइल नंबर के माध्यम से पंजीकरण करना होगा। इसके बाद 22 मई से 20 जून 2026 तक प्रगणक दल घर-घर पहुंचकर मकान सूचीकरण एवं गणना कार्य करेंगे। उन्होंने जनपदवासियों, युवाओं, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों से अपील की कि वे स्वयं स्व-गणना करें तथा अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी इसके प्रति

जागरूक करें। जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि देश की विकास योजनाओं की आधारशिला है। शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, रोजगार एवं आधारभूत सुविधाओं से जुड़ी योजनाओं के निर्माण में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कार्यक्रम के दौरान राजस्व विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पूर्व सांसद पं उमा कांत मिश्र को श्रद्धांजलि, वक्ताओं ने बताया युग पुरुष

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ड्रमंडगंज पूर्व सांसद पंडित उमाकांत मिश्र के पैतृक गांव बरौधा कठार में श्रद्धांजलि सभा एवं विचार गोष्ठी का आयोजन समारोहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, राजनीतिक दलों के नेताओं तथा विभिन्न जनपदों से पहुंचे लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम का शुभारंभ उनके चचेरे भाई देवदत्त मिश्र, भतीजे अनुराग मिश्र व इंद्रदेव मिश्र ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद वक्ताओं ने पूर्व सांसद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष भगवती प्रसाद चौधरी ने कहा कि पंडित उमाकांत मिश्र बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। उन्होंने जीवनभर सर्वधर्म समभाव और जनसेवा की राजनीति की। कहा कि संसद में रहते हुए उन्होंने संस्कृत भाषा में लंबा भाषण देकर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया था। अखिलेश्वर त्रिपाठी ने कहा कि सर्व समाज की चिंता करने वाले पंडित उमाकांत मिश्र के प्रयासों से जिला में बहुत कुछ गिनाने को है वरिष्ठ कांग्रेसी नेता शशि भूषण दूबे ने कहा कि उनका राजनीतिक जीवन अत्यंत गौरवशाली रहा। सपा नेता अशोक कुमार मिश्र ने कहा कि पंडित जी का पूरा जीवन समाज सेवा के लिए समर्पित था। कार्यक्रम के अंत में यूथ कांग्रेस पूर्वी उत्तर प्रदेश के

महासचिव अनुराग मिश्र ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट लालगंज महेंद्र कुमार सिंह सहित हलिया, लालगंज, एवं नगर क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। सभी ने पंडित उमाकांत मिश्र के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। पूरे कार्यक्रम का संचालन विनय कुमार दूबे ने किया।

आकाशी बिजली से 3 गांवों का ट्रांसफार्मर जला विद्युत सप्लाई बाधित

मिर्जापुर। अहरौरा थाना क्षेत्र में पिछले तीन दिनों के प्राकृतिक आंधी पानी और आकाशीय बिजली से लोगों का दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। पिछले दिन आकाशीय बिजली के चपेट में आने से आठ बकरियां काल के गाल में समा गई थी। वहीं आसपास के गांव से विद्युत ट्रांसफार्मर का आकाशी बिजली के चपेट में आने की खबर आ रही है। अहरौरा थाना अंतर्गत विद्युत सब स्टेशन अहरौरा डीह से संचालित होने वाले ग्रामीण क्षेत्र के तीन ट्रांसफार्मर 100 के वी हिनौता माफी ,10 के वी बेलखरा चमरान बस्ती व 10 के वी चितविश्राम समेत आंधी तूफान व आकाशीय बिजली के चपेट में आने से जल गया, जिससे ग्रामीण क्षेत्र की विद्युत सप्लाई प्रभावित हो गया है। ग्रामीणों में रोश व्याप्त है। वही अवर अभियंता पंचधारी सिंह ने बताया कि 04/05/2026 से 06/05/2026 में तीनों ट्रांसफार्मर जल गये। टेक्नीशियन के माध्यम से सही कराने का प्रयास किया गया लेकिन सफलता नहीं मिला। ट्रांसफार्मर लगने के पश्चात ही पुनः सप्लाई सुचारू रूप से संचालित किया जा सकेगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार-प्रसार हेतु जागरूकता वाहन रवाना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार आगामी 09 मई 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए गुरुवार को जनजागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जनपद न्यायालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अखिलेश दुबे ने सुबह 10:30 बजे प्रचार वाहन को रवाना किया। यह वाहन जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व, लाभ एवं निस्तारित किए जाने वाले मामलों की जानकारी देगा। इस अवसर पर न्यायिक अधिकारियों ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत आमजन को सस्ता, सुलभ एवं त्वरित न्याय उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम है। लोक अदालत में आपसी सहमति के आधार पर मामलों का निस्तारण किया जाता है, जिससे समय एवं धन दोनों की बचत होती है। उन्होंने बताया कि बैंक ऋण, विद्युत बिल, पारिवारिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावा, राजस्व एवं अन्य सुलह योग्य मामलों का निस्तारण राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से किया जाएगा।

कार्यक्रम में अमित वर्मा अपर जिला जज प्रथम, अवनिश कुमार अपर जिला जज/एससी-एसटी एक्ट, श्रीमती पुष्पा सिंह अपर जिला जज द्वितीय एवं नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत, आशीष कुमार सिंह पूर्णकालिक सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सहित अन्य न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे 09 मई को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपने मामलों का सौहार्दपूर्ण समाधान कराएं तथा इस वैकल्पिक न्याय व्यवस्था का लाभ उठाएं।

जनपदीय पुलिस द्वारा कुल 09 नफर वारंटी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात पुलिस 112 आपात सेवाएं

मीरजापुर। अपर्णा रजत कौशिक पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान इनामियां, जिलाबदर, वारण्टी व वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षको को निर्देश दिया गया है। उक्त निर्देश के अनुक्रम में गुरुवार को थाना जिगना पुलिस द्वारा 02, थाना को0शहर पुलिस द्वारा 01, थाना संतनगर पुलिस द्वारा 04 नफर वारंटी व थाना जमालपुर द्वारा 02 नफर वारंटी (कुल 09 वारंटी) को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

ग्रामीण विकास मंत्रालय ए0आर0 आई0 डी0 ए0 भारत सरकार के द्वारा ग्राम प्रधान महुगढ़ी के साथ किया गया स्थलीय निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हलिया मीरजापुर। हलिया विकास के ग्राम पंचायत महुगढ़ी मे प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बृहस्पतिवार को ग्रामीण विकास मंत्रालय ए0आर0 आई0 डी0ए0 भारत सरकार के द्वारा किया गया सड़क का स्थलीय निरीक्षण निरीक्षण में ग्रामीण विकास मंत्रालय ए0आर0 आई0 डी0ए0 भारत सरकार के आशुतोष कुमार सिंह वाई सी ई उत्तर प्रदेश ग्राम विकास अभिकरण लखनऊ के आर्चजल कुमार वाई सी ई तकनीकी और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना मिर्जापुर के अधिशासी अभियंता सहायक अभियंता एवं अपर अभियंता द्वारा मौके पर स्थलीय सत्यापन किया गया बताया गया कि ग्राम पंचायत महुगढ़ी मे प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में तीन सड़क पास की गई है जिसमें जल्द से जल्द काम लगाने की तैयारी चल रही है

सड़क का स्थल निरीक्षण किया गया है जल्द से जल्द सड़क में काम लगेगा मौके पर उपस्थित ग्राम प्रधान सुरेश केसरी ने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत पांच सड़क कार्य योजना में डलवाया गया था जिसमें से तीन सड़क पास हो चुकी है सड़क में काम लगाने की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं लगातार विभाग के द्वारा स्थलीय निरीक्षण किया जा रहा है जल्द से जल्द सड़क में काम लगेगा आगे जो सड़क पेंडिंग में है उसका भी प्रयास किया जा रहा है कि उसमें भी जल्द से जल्द काम लगाया जा सके।

अवैध गांजा तस्करी गिरोह पर गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जनपद में अवैध गांजा तस्करी में संलिप्त संगठित गिरोह के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गैंग लीडर समेत चार आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में की गई। पुलिस के अनुसार थाना गोपीगंज में गैंग लीडर मुकेश कुमार पटेल निवासी ननकापुरा थाना सरायइनायत जनपद प्रयागराज सहित उसके सक्रिय सदस्य धीरेन्द्र कुमार पटेल निवासी चकहौदा थाना सरायममरेज, श्यामकुमार भारतीय निवासी मसाढ़ी थाना सरायममरेज तथा आशीष पटेल निवासी फतेहपुर माफी थाना फूलपुर जनपद प्रयागराज के खिलाफ गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

पुलिस के मुताबिक यह गिरोह अंतरजनपदीय स्तर पर सक्रिय होकर अवैध गांजा तस्करी जैसे गंभीर अपराधों में संलिप्त था।

गिरोह के सदस्य आर्थिक लाभ के लिए संगठित तरीके से मादक पदार्थों की तस्करी करते थे। पुलिस का कहना है कि गिरोह के भय और दहशत के चलते आम लोग इनके खिलाफ शिकायत या गवाही देने से कतराते थे। पुलिस अभिलेखों के अनुसार आरोपी धीरेन्द्र कुमार पटेल पर भदोही एवं प्रयागराज जनपद में कुल 16 मुकदमे दर्ज हैं, जबकि अन्य आरोपियों पर भी भदोही में दो-दो मुकदमे पंजीकृत हैं। पूर्व में हुई कार्रवाई में पुलिस ने इस गिरोह के कब्जे से 28 किलो 362 ग्राम गांजा, छह हजार रुपये नकद, चार एंड्रॉयड मोबाइल फोन तथा एक मारुति सुजुकी कार बरामद की थी। इसके अलावा एक अन्य मामले में 20 किलो गांजा, स्विफ्ट डिजायर कार, चार मोबाइल फोन और गांजा बिक्री से प्राप्त दो लाख 51 हजार 500 रुपये भी बरामद किए गए थे।

जिले में जनगणना अभियान का शुभारंभ डीएम-एसपी ने स्वगणना कर नागरिकों से की सहभागिता की अपील

● ऑनलाइन स्वगणना व्यवस्था से नागरिक स्वयं भर सकेंगे अपनी जानकारी, 22 मई से शुरू होगा मकान सूचीकरण एवं गणना कार्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। जनपद में गुरुवार को भारत सरकार द्वारा संचालित जनगणना अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी संजय चौहान, पुलिस अधीक्षक सरवणन टी एवं अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अर्पित गुप्ता ने स्वयं ऑनलाइन स्वगणना कर अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी पोर्टल के माध्यम से अपनी-अपनी जानकारी दर्ज कराते हुए अभियान में सहभागिता निभाई। अपर जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जनगणना की विस्तृत प्रक्रिया से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस बार जनगणना प्रक्रिया को तकनीकी रूप से अधिक सरल, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाया गया है। पहली बार नागरिकों को 'स्वगणना' की सुविधा प्रदान की गई है, जिसके अंतर्गत लोग स्वयं ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपनी व्यक्तिगत एवं पारिवारिक जानकारी दर्ज कर सकेंगे। इससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि आंकड़ों की शुद्धता और विश्वसनीयता भी सुनिश्चित होगी। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि जनगणना का प्रथम चरण 'मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना' होगा, जो 22 मई 2026 से 20 जून 2026 तक संचालित किया जाएगा। इसके पूर्व 7 मई से 21 मई 2026 तक स्वगणना की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है, जिसमें नागरिक स्वयं निर्धारित ऑनलाइन पोर्टल पर जाकर अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारियों की जिम्मेदारी है कि वे प्रत्येक परिवार तक सही जानकारी पहुंचाएं तथा लोगों को जनगणना के प्रति जागरूक करें, ताकि अधिक से अधिक लोग स्वगणना की प्रक्रिया में भागीदारी निभा सकें। जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना देश की सबसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक एवं विकासात्मक प्रक्रियाओं में से एक है। जनगणना से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर सरकार द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, सड़क, रोजगार, पेयजल, सामाजिक सुरक्षा एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की रूपरेखा तैयार की जाती है। उन्होंने कहा कि सटीक आंकड़े ही विकास योजनाओं को प्रभावी बनाने का आधार होते हैं। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी नागरिक स्वगणना पोर्टल पर सही एवं पूर्ण जानकारी भरें तथा इस राष्ट्रीय अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें। पुलिस अधीक्षक सरवणन टी ने भी जनगणना को राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण प्रक्रिया बताते हुए कहा कि नागरिकों की सहभागिता से ही यह अभियान सफल होगा। उन्होंने लोगों से जागरूक होकर स्वगणना में भाग लेने की अपील की। इसके साथ ही राजस्व विभाग द्वारा जनपद

के माननीय जनप्रतिनिधियों की भी स्वगणना कराई गई तथा उन्हें ऑनलाइन प्रक्रिया की जानकारी उपलब्ध कराई गई। अधिकारियों ने बताया कि डिजिटल माध्यम से होने वाली यह प्रक्रिया भविष्य में प्रशासनिक कार्यों को और अधिक सुगम एवं व्यवस्थित बनाने में सहायक सिद्ध होगी।

जनगणना अभियान के तहत नागरिक निर्धारित पोर्टल स्वगणना पोर्टल https://se.census.gov.in पर जाकर अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। प्रशासन द्वारा लोगों से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल अधिकृत पोर्टल एवं सरकारी माध्यमों से ही जानकारी प्राप्त करें।

संक्षिप्त खबरें

रविंद्रनाथ टैगोर की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई

नैनी, प्रयागराज। रविंद्रनाथ टैगोर की जयंती के अवसर पर सरस्वती विद्या मंदिर माधव ज्ञान केंद्र में श्रद्धापूर्वक कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य, आचार्यगण एवं छात्र-छात्राओं ने गुरुदेव टैगोर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।इस अवसर पर मुख्य वक्ता सतीश शुक्ल ने गुरुदेव रविंद्रनाथ टैगोर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि टैगोर जी ने भारतीय संस्कृति, शिक्षा एवं साहित्य को नई दिशा प्रदान की। उन्होंने विद्यार्थियों को टैगोर जी के आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संदेश दिया।कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य सहित समस्त आचार्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य अजय कुमार मिश्र ने भैया-बहनों को गुरुदेव टैगोर के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने जीवन पथ पर निरंतर आगे बढ़ने का शुभाशीष प्रदान किया।

डिप्टी सीएम के जन्मदिन पर हुआ रुद्राभिषेक,दीर्घायु एवं सुख-समृद्धि की कामना

नैनी, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के जन्मदिन के अवसर पर उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं सुख-समृद्धि की कामना को लेकर विशेष रुद्राभिषेक एवं धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कनिष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय श्रीवास्तव एवं पार्षद मयंक यादव के नेतृत्व में संपन्न हुआ।इस अवसर पर वरिष्ठ आचार्य मुकेश जी के नेतृत्व में 11 विद्वान पंडितों द्वारा विधि-विधान पूर्वक भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक किया गया। अनुष्ठान के दौरान भगवान शिव से उपमुख्यमंत्री के स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घ जीवन की प्रार्थना की गई।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संजय श्रीवास्तव, पार्षद मयंक यादव, नीरज शर्मा, उमेश सेन, राज सिंह, सुधीर प्रजापति, प्रदीप तिवारी, संगीता तिवारी, पिंटू चौबे, रवि मिश्रा, बाबूजी यादव सहित दर्जनों भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दर्जिचक में कलश यात्रा के साथ महायज्ञ का शुभारंभ, शामिल हुए सांसद व विधायक

चौपारण हजारीबाग झारखंडः- चौपारण प्रखंड के करमा पंचायत के ग्राम दर्जिचक में श्री 1008 माँ भगवती, शिव परिवार एवं हनुमान जी की प्राण प्रतिष्ठा सह महायज्ञ का शुभारंभ गुरुवार को कलश यात्रा के साथ हुआ। गाजे-बाजे और जय श्रीराम के जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। कलश यात्रा में हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल और बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने शामिल होकर श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ाया। कलश यात्रा में 1001 महिलाओं एवं कन्याओं ने माथे पर कलश लेकर ककरौला स्थित तालाब से जलभरणी की और जल लेकर श्रद्धालु पुनः यज्ञ मंडप पहुँचे, जहाँ विधि-विधान के साथ कलश स्थापित किए गए। इससे पूर्व यज्ञ समिति के अध्यक्ष तपेश्वर कुमार, उपाध्यक्ष विकास कुमार, सचिव विनोद कुमार व सतेंद्र साव, कोषाध्यक्ष इंद्रदेव साव, घनश्याम साहू और पिंटू साहू ने अतिथियो का स्वागत भगवा अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया।

सांसद व विधायक ने की क्षेत्र की खुशहाली की कामना

मौके पर मौजूद सांसद ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में एकता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। महायज्ञ के माध्यम से हम क्षेत्र की सुख-शांति और समृद्धि की मंगल कामना करते हैं। विधायक ने कहा कि यज्ञ के आयोजन से न केवल वातावरण शुद्ध होता है, बल्कि आम जनमानस में भक्ति और संस्कारों का प्रवाह बढ़ता है। कहा दर्जिचक सहित पूरे क्षेत्र में भक्ति का माहौल है।

इनकी रही उपस्थिति

कलश यात्रा में सांसद प्रतिनिधि मुकुन्द साव, रामस्वरुप पासवान, रिशु बर्णवाल, रंजीत चन्द्रवंशी, विधायक प्रतिनिधि राजदेव यादव, मंडल अध्यक्ष रेवाशंकर साव, आरती कौशल, मुखिया देवंती देवी, पप्पू रजक, भाजपा नेता गजाधर प्रसाद, सीताराम साव, बालेश्वर साव, प्रदीप साव, गौतम कुमार, दीपक कुमार, खुशी साव, दामोदर साव, संतोष साव, प्रवीण कुमार सहित अन्य शामिल हुए।

फॉर्च्युनर के लिए महिला की जान ले ली और आरोपी पति को जमानत दे दी

● दहेज मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले से सुप्रीम कोर्ट नाराज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज- दहेज के लिए पत्नी की गला घोंटकर हत्या करने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी आपत्ति जताई है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे गंभीर अपराध के आरोपी पति को जमानत देते वक्त हाईकोर्ट ने तथ्यों को पर गौर नहीं किया और सिर्फ इस आधार पर जमानत दे दी कि एफआईआर दर्ज करने में देरी हुई। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस विजय बिश्नोई की बेंच ने इस बात पर भी चिंता जताई कि पिछले कुछ सालों में दहेज की वजह से शादीशुदा महिलाओं के साथ क्रूरता, हत्या और आत्महत्या जैसे मामलों में बढ़ोतरी हुई है. उन्होंने कहा कि खासतौर पर ऐसे मामले उत्तर प्रदेश में देखे गए हैं. कोर्ट ने कहा कि 2023 के डेटा के अनुसार दुनियाभर में 6,156 मामले दर्ज किए गए, जिनमें से 2,122 उत्तर प्रदेश और 1,143 बिहार के हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा, 'हमें यह देखकर अत्यंत दुख हुआ कि हाईकोर्ट ने दहेज हत्या जैसे संगीन अपराध में आरोपी को जमानत देते वक्त तथ्यों पर गौर नहीं किया. हमारा मानना है कि कोर्ट ने अभियुक्तों के पक्ष में अपने विवेक का प्रयोग करने में घोर त्रुटि की है.' कोर्ट ने कहा कि यह मामला महिलाओं के साथ दहेज को लेकर बढ़ती क्रूरता को दर्शाता है। यह मामला साल 2024 का है, जब दहेज के लिए गाजियाबाद में एक महिला की हत्या कर दी गई थी. महिला की शादी फरवरी, 2019 में प्रिंस चौधरी नाम के शख्स से हुई थी. महिला के पिता ने एफआईआर में बताया कि उन्होंने शादी में 30 लाख रुपये खर्च किए, जिसमें एक आई20 कार और 10 लाख रुपये कैश शामिल हैं. कार एक एक्सीडेंट में डैमेज हो गई थी, जिसके बाद महिला का पति और ससुराल वाले एक फॉर्च्युनर कार और 10 लाख रुपये की डिमांड करने लगे। शिकायत के अनुसार जब ये मांग पूरी नहीं हुई तो ससुरालवालों ने महिला का मारना शुरू कर दिया, उसको मानसिक उत्पीड़न का शिकार बनाया गया. बाद में महिला के पिता ने 10 लाख रुपये की डिमांड पूरी कर दी. उन्होंने पति के रिश्तेदार के अकाउंट में 4 लाख रुपये ट्रांसफर किए और अलग-अलग मौकों पर 5 लाख रुपये कैश भी दिया. फिर भी ससुराल वाले महिला के साथ मारपीट करते रहे। शिकायत के अनुसार 11 जुलाई, 2024 को सुबह 7 बजे महिला ने रोते हुए पिता को फोन किया और बताया कि ससुराल में उसके साथ बहुत मारपीट हुई और उसको गला घोंटकर या फांसी लगाकर मारने की धमकी दी जा रही है. कुछ घंटे बाद महिला के घरवालों को एक रिश्तेदार ने फोन करके बताया कि उसको गला घोंटकर फांसी लगा दी गई है. जब महिला के पिता ससुराल पहुंचे तो वह वहां नहीं थी, उसको हॉस्पिटल ले जाया गया था, जहां पता चला कि वह मर चुकी है। हादसे के अगले ही दिन शिकायत दर्ज कर दी गई, जिसमें प्रिंस सहित 8 घरवालों को आरोपी बनाया गया. जांच के बाद प्रिंस और उसके माता पिता के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और दहेज निषेध अधिनियम के तहत चार्जशीट दाखिल हुई।

बंगाल में उन सीटों पर पुनर्मतदान हो जहां जीत का अंतर हटाए गए वोटों की संख्या से कम हैः कांग्रेस

● खेड़ा ने यह उम्मीद भी जताई कि उच्चतम न्यायालय इस मामले का संज्ञान लेगा और न्याय करेगा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने बुधवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में उन सीटों पर फिर से मतदान कराया जाना चाहिए जहां जीत का अंतर एसआईआर के तहत मतदाता सूची से हटाए गए वोटों की संख्या से कम है। खेड़ा ने यह उम्मीद भी जताई कि उच्चतम न्यायालय इस मामले का संज्ञान लेगा और न्याय करेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस लड़ाई में 'इंडिया' गठबंधन तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी के साथ खड़ा है। पवन खेड़ा ने कहा, ''पश्चिम बंगाल में बीजेपी पर बड़े पैमाने पर जनादेश की चोरी करने, 100 से अधिक सीटों पर परिणामों में हेरफेर करने का आरोप है। यह संस्थागत चुनावी लूट है। लोकतांत्रिक संकट के इस निर्णायक क्षण में 'इंडिया' गठबंधन स्पष्ट रूप से ममता बनर्जी के साथ खड़ा है। 'इंडिया' गठबंधन को मजबूत करने का उनका संकल्प सुनियोजित हेराफेरी के खिलाफ संवैधानिक लोकतंत्र की रक्षा को दर्शाता है।'' ड्डपवन खेड़ा ने कहा, '...ज़रा उनके टूलकिट पर नज़र डालिएः पहले कीचड़ फैलाया जाता है; फिर कमल खिलता है। अगर आप और मैं सही समय पर नहीं जागे तो ठीक यही होगा।' खेड़ा ने आगे कहा, '...इलेक्शन कमीशन का काम था कि इस कीचड़ को फैलने से रोके, हेट स्पीच का सख्ती से जवाब दे, एक्शन ले, और शिकायतों पर ध्यान दे। इसके बजाय, खुद उसी कीचड़ में लोटकर, इलेक्शन कमीशन ने डेमोक्रेसी को तार-तार कर दिया है।' उन्होंने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन इसको लेकर एकमत है कि पश्चिम बंगाल में जो कुछ हुआ वह चुनाव परिणाम नहीं है, बल्कि हेरफेर के माध्यम से थोपा गया एक मनगढ़ंत जनादेश है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि जैसे महाराष्ट्र में लक्षित करके लाखों वोट जोड़े गए थे, वैसे ही पश्चिम बंगाल और असम में 'टारगेट' कर लाखों मतदाताओं के नाम हटाए गए। पवन खेड़ा ने कहा, ''पश्चिम बंगाल में जिन मतदाताओं को वोट के अधिकार से वंचित रखा गया, उन सीटों पर जीत का अंतर एसआईआर के तहत हटाए गए वोटों की संख्या से कम है। यानी सबकुछ सामने है, दूध का दूध और पानी का पानी।'' खेड़ा ने कहा, ''ऐसे में हमें लगता है कि उन सीटों पर दोबारा मतदान होना चाहिए, क्योंकि इनमें से बहुत से लोग अभी भी वोट के अधिकार का इंतजार कर रहे हैं। हमें उच्चतम न्यायालय पर पूरा भरोसा है कि वो संविधान को ध्यान में रखते हुए न्याय करेगा।''

चक भटाई चौराहे पर प्याऊ की व्यवस्था, राहगीरों को बांटा गया बताशा और गुड़

नैनी, प्रयागराज। भीषण गर्मी को देखते हुए ऐतिहासिक चक भटाई चौराहे पर गुरूवार को राहगीरों के लिए प्याऊ की विशेष व्यवस्था की गई। इस दौरान लोगों को ठंडा पानी पिलाने के साथ-साथ बताशा और गुड़ भी वितरित किया गया। इसका उद्देश्य राहगीरों को गर्मी से राहत पहुंचाना रहा।मुख्य अतिथि के रूप में रवि गुप्ता उपस्थित रहे। उनके साथ सोनू, सपा नेता धीरेंद्र यादव 'धीरू', पीर मोहम्मद,अजहर, नयन कुमार कुशवाहा,विनोद जैकब, राजेश गुप्ता, पम्मी घटई और दीपक सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।सभी अतिथियों ने इस सामाजिक सेवा कार्य के लिए सपा नेता धीरेंद्र यादव 'धीरू',की सराहना करते हुए कहा कि गर्मी के मौसम में इस तरह की व्यवस्था जरूरतमंदों और राहगीरों के लिए काफी लाभदायक साबित होती है।

बुर्का पहनाने और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव के आरोपी स्टूडेंट को इलाहाबाद हाईकोर्ट से मिली अग्रिम जमानत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्कूली स्टूडेंट को अग्रिम जमानत दी, जिस पर आरोप है कि उसने नाबालिग स्टूडेंट का कथित रूप से ब्रेनवॉश कर उसे बुर्का पहनने और इस्लाम धर्म अपनाने के लिए दबाव डाला। जस्टिस अवनीश सक्सेना की पीठ ने आरोपी स्टूडेंट मालिश्का उर्फ मालिश्का फातमा को राहत देते हुए कहा कि पीड़िता के बयान के अतिरिक्त रिकॉर्ड पर ऐसा कोई अन्य ठोस साक्ष्य नहीं है, जिससे आरोपी की संलिप्तता प्रथम दृष्टया स्थापित हो सके। आरोपी के खिलाफ उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3 और 5(1) के तहत मामला दर्ज किया गया। स्नद्धक्र पीड़िता के भाई ने दर्ज कराई। उसमें आरोप लगाया गया कि आरोपी ने उसकी नाबालिग बहन का धर्म परिवर्तन कराने के उद्देश्य से उसका ब्रेनवॉश किया। यह भी कहा गया कि 20 दिसंबर 2025 को उसे जबरन बुर्का दिया गया और लगातार धर्म बदलने का दबाव बनाया गया। राज्य सरकार की ओर से अग्रिम जमानत का विरोध करते हुए कहा गया कि पीड़िता के बयान से स्पष्ट है कि उस पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डाला जा रहा था। स्नद्धक्र दर्ज करने में देरी के संबंध में यह दलील दी गई कि पीड़िता आरोपी के प्रभाव में थी, इसलिए जानकारी मिलने में समय लगा। वहीं आरोपी की ओर से कहा गया कि वह पीड़िता से पहले से उसी विद्यालय में पढ़ रही थी और उसके खिलाफ किसी अन्य छात्रा को धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालने की कोई शिकायत नहीं है।

अदालत को यह भी बताया गया कि मामले के मुख्य आरोप सह-अभियुक्त अलीना के खिलाफ हैं, जिसे हाईकोर्ट की समन्वय पीठ पहले ही अग्रिम जमानत दे चुकी है। पीठ ने पाया कि आरोपी का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है और पीड़िता के बयान के अलावा उसके खिलाफ अन्य स्वतंत्र साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं। साथ ही अदालत ने माना कि आरोपी के फरार होने की संभावना कम है तथा उसने जांच और ट्रायल में सहयोग का आश्वासन दिया है। इन परिस्थितियों को देखते हुए हाईकोर्ट ने आरोपी स्टूडेंट को अग्रिम जमानत दी।

तत्कालीन BJP MLA आरसी यादव के खिलाफ 2012 के दंगा मामले को वापस लेने की हाईकोर्ट ने दी अनुमति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हाल ही में ट्रायल कोर्ट का आदेश रद्द किया, जिसमें राज्य सरकार के उस आवेदन को खारिज किया गया था, जिसमें 2012 की मूर्ति विसर्जन दंगा घटना के संबंध में BJP विधायक (रुदौली से) राम चंद्र यादव के खिलाफ आपराधिक मुकदमा वापस लेने की मांग की गई थी। मुकदमा वापस लेने के राज्य का अनुरोध स्वीकार करते हुए जस्टिस राजीव सिंह की पीठ ने स्पष्ट रूप से कहा कि ट्रायल कोर्ट के समक्ष पब्लिक प्रॉसिक्यूटर का आवेदन 'रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री पर सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद सद्भावना में' दायर किया गया। यह आदेश विधायक यादव द्वारा दायर CrPC की धारा 482 के तहत याचिका और उत्तर प्रदेश राज्य द्वारा दायर पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया गया। संक्षेप में मामला अभियोजन पक्ष के मूल मामले के अनुसार, 24 अक्टूबर, 2012 को मूर्तियां विसर्जन के लिए ले जा रहे कुछ ट्रैक्टरों के कारण रुदौली पुलिस स्टेशन के सामने ट्रैफिक जाम हो गया। हालांकि, पुलिस ने ड्राइवरों को आगे बढ़ने का निर्देश दिया, लेकिन उन्होंने इसका पालन नहीं किया। यह दावा किया गया कि आवेदक उस समय स्थानीय विधायक थे। उन्होंने उन्हें निर्देश दिया था कि वे मूर्तियों को वहीं रोककर रखें, जब तक कि वह पुलिस स्टेशन के सामने न पहुंच जाएं। इसके कारण, घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई। इसके बाद जब विधायक यादव घटनास्थल पर पहुंचे तो उन्होंने पुलिस को बताया कि जब श्रद्धालु एक मस्जिद के पास से गुजर रहे थे, तो दूसरे समुदाय का एक लड़का गलती से रंग से सराबोर हो गया। कथित तौर पर इसके कारण गाली-गलौज और झगड़ा हुआ, जिसके दौरान एक मूर्ति भी टूट गई। एफआईआर में आरोप लगाया गया कि आवेदक ने भड़काऊ बयान दिए। यह मांग की कि जुलूस आगे बढ़ने से पहले दोषियों को दंडित किया जाए। हालांकि, बाद में उनकी सलाह पर ट्रैक्टरों की आवाजाही शुरू हो गई, लेकिन तब तक गाँव में लगभग 2,000 से 3,000 लोग जमा हो चुके थे। इसके बाद आवेदक की कथित उकसाहट पर 250-300 लोग उस गाँव की ओर बढ़ने लगे, जहां दूसरे समुदाय के लोगों के साथ विवाद हुआ था। शुरुआत में, बेंच ने CrPC की धारा 321 के प्रावधानों के साथ-साथ इस प्रावधान पर सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों की जांच करते हुए पाया कि मुकदमा वापस लेने की अनुमति देने के लिए अंतिम मार्गदर्शक विचार हमेशा न्याय प्रशासन का हित ही होना चाहिए। बंसी लाल बनाम चंदन लाल और शिवनंदन पासवान बनाम बिहार राज्य जैसे मामलों में सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कोर्ट ने कहा कि एक पब्लिक प्रॉसिक्यूटर को स्वतंत्र रूप से अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए और किसी गलत मकसद से न्याय की सामान्य प्रक्रिया में दखल नहीं देना चाहिए। CrPC की धारा 482 के तहत अर्जी, मुकदमा वापस लेने की अर्जी, और साथ ही आपराधिक पुनरीक्षण याचिका स्वीकार की गई।

'प्रयागराज में समानांतर मेडिकल इंडस्ट्री चला रहे हैं सरकारी डॉक्टर'- इलाहाबाद हाईकोर्ट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने प्राइवेट प्रैक्टिस करने वाले मोतीलाल नेहरू (एमएलएन) मेडिकल कॉलेज प्रयागराज के डॉक्टरों की उच्च स्तरीय जांच करा कर कार्रवाई करने का निर्देश मुख्य सचिव को दिया है। साथ ही कहा है कि मुख्य सचिव स्वरूपरानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल में फंड की उपलब्धता के बावजूद पिछले 20 साल से निर्माणाधीन कार्डियोलॉजी भवन की मानीटरिंग करें। कोर्ट ने टिप्पणी की कि स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल की हालत फंड व सुविधाओं की कमी के कारण नहीं बल्कि प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर व लेक्चररों के अस्पताल में मरीजों का इलाज करने के बजाय प्राइवेट अस्पतालों में करने के कारण खराब है। ये सरकारी डाक्टर प्रयागराज में समानांतर मेडिकल इंडस्ट्री चला रहे हैं। प्राइवेट नर्सिंग होम में ले जाकर मरीजों की सर्जरी करते हैं। याचिका की अगली सुनवाई की तिथि 26 मई नियत करते हुए कोर्ट ने मुख्य सचिव से कृत कार्रवाई की जानकारी मांगी है। यह आदेश न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर अरविंद गुप्ता की याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है। इनके खिलाफ प्राइवेट प्रैक्टिस में लापरवाही बरतने को लेकर उपभोक्ता फोरम ने कार्यवाही की थी, जिसे याचिका में चुनौती दी गई है। कोर्ट ने अपर मुख्य स्थाई अधिवक्ता से कहा है कि अस्पताल के पक्ष में जमीन स्थानांतरित करने संबंधी कैबिनेट के अनुमोदन की जानकारी दें। अपर मुख्य स्थाई अधिवक्ता सुरेश सिंह ने कोर्ट को बताया कि स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल के लिए 31,314 वर्गमीटर जमीन स्थानांतरित करने के लिए सभी विभागों से अनापत्ति प्राप्त हो गई है। प्राचार्य डा विनोद कुमार पांडेय ने ब्वायज व गर्ल्स हास्टल के बारे में बताया कि भवन जर्जर है। खाली करने की नोटिस दी गई है। भवन ध्वस्त कर पुनर्निर्माण कराया जायेगा। कोर्ट ने आश्चर्य प्रकट किया कि दो मंजिला कार्डियोलॉजी भवन का निर्माण 2006 मे शुरू हुआ राजकीय निर्माण निगम निर्माण कर रहा। सरकार ने फंड मुहैया कराया है। अभी भी प्रोजेक्ट पूरा नहीं हो सका। इसपर बताया गया कि अगस्त 26 मे तैयार होकर क्रियाशील हो जायेगा। कोर्ट को बताया गया कि प्राइवेट प्रैक्टिस करने वाले एसोसिएट प्रोफेसर डा संतोष कुमार सिंह व उनकी पत्नी डा एलाक्षी शुक्ला के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। जो एक्यूला हास्पिटल की डायरेक्टर हैं। जहां पर डा संतोष कुमार सिंह मरीज लेजाकर सर्जरी करते हैं। जिसे कोर्ट ने गंभीरता से लिया है।

जनपद में मकान सूचीकरण जनगणना-2027 का हुआ प्रारम्भ

● 7 मई से 21 मई तक नागरिक स्वयं पोर्टल पर अपनी जानकारी भरके जनगणना आईडी प्राप्त कर सकते हैं।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। जनगणना-2027 का गुरूवार से प्रारम्भ हुआ। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने पोर्टल पर आवास की स्वगणना कर आईडी नंबर प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि पोर्टल के माध्यम से लोग स्वयं ही जनगणना पोर्टल पर अपने मकान की जनगणना कर सकते है। उन्होंने बताया कि इस बार की जनगणना पारंपरिक कागजी कार्यवाही के बजाय पूरी तरह डिजिटल होगी। प्रशासन ने इस बार नागरिकों को स्वगणना का विकल्प दिया गया है, जिससे लोग खुद अपनी जानकारी ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज कर सकेंगे। जनगणना के पहले चरण को दो मुख्य हिस्सों में बांटा गया है। 7 मई से 21 मई तक नागरिक स्वयं पोर्टल पर अपनी जानकारी भर सकते हैं। इसके बाद, 22 मई से 20 जून तक गणनाकर्मी घर-घर जाकर डेटा का सत्यापन और मकान सूचीकरण करेंगे। स्वगणना के लिए नागरिक पोर्टल https://se.census.gov.in पर जाकर स्वप्रेरणा से अपनी स्वजनगणना कर सकते हैं। इसमें राज्य का चयन, मोबाइल नंबर और ईमेल से पंजीकरण शामिल है। ओटीपी सत्यापन के बाद भाषा और जिले का चयन करना होगा। इसके बाद मैप पर अपने घर की सटीक लोकेशन मार्क करनी होगी और मकान व परिवार से जुड़े प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। फॉर्म सबमिट करने पर एक 11 अंकों की स्वगणना आईडी प्राप्त होगी, जिसे क्षेत्र प्रगणक को उपलब्ध कराकर अपनी जनगणना पूर्ण करनी है। उल्लेखनीय है कि जनगणना केवल नागरिकों की संख्या का आकलन मात्र ही नहीं अपितु यह आयु, लिंग, साक्षरता, आर्थिक गतिविधि आदि महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक आंकड़ों के संग्रह की एक प्रमुख प्रक्रिया है, जिसके आधार पर भविष्य की नीतियों एवं योजनाओं का निर्धारण किया जाता है। इस अवसर पर नगर आयुक्त श्री सीलम सांई तेजा, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, जनगणना अधिकारी सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कौशांबी में पुलिस मुठभेड़ः भैंस चोरी गैंग के दो बदमाश घायल, पांच गिरफ्तार

कौशांबी। बुधवार की देर रात मंझनपुर क्षेत्र के पतौना पुल के पास पुलिस से हुई मुठभेड़ में भैंस चोरी गैंग के दो बदमाशों के पैर में गोली लगी, जिससे वह घायल हो गए। उन्हें मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। मुठभेड़ में दोनों घायलों समेत पुलिस ने पांच बदमाशों को दबोचा है। इनके पास से पुलिस ने दो तमंचा, चार खोखा कारतूस, दो जिंदा कारतूस, चोरी की पांच भैंसें व घटना में प्रयुक्त पिकअप गाड़ी बरामद की है। इनके आपराधिक इतिहास की भी जानकारी की जा रही है। मंझनपुर क्षेत्र के बंधवा रजबर निवासी संतोष कुमार पुत्र स्व. लखनलाल ने 30 अप्रैल को पुलिस को सूचना दी थी कि रात में चोरों द्वारा एक भैंस और उसका बच्चा चोरी कर लिया गया। इसी प्रकार भेलखा निवासी अर्जुन कुमार पुत्र अमृतलाल सरोज ने 29/30 को जानकारी दी गई थी कि रात में चोर दो भैंस पिकअप वाहन पर लाद ले गए। एसपी ने बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए मंझनपुर पुलिस को निर्देश दिए थे। इसी क्रम में बुधवार की देर रात मुखबिर से पुलिस को सूचना मिली कि पतौना पुल के पास से बदमाश गुजरने वाले हैं। मंझनपुर पुलिस व सर्विलांस सेल की टीम ने घेराबंदी की तो बदमाशों ने फायरिंग कर दी। पुलिस की ओर से की गई जवाबी फायरिंग में पैर में गोली लगने से दिलशाद पुत्र मुन्ना उर्फ सलीम निवासी बड़ा पचंभा, हालपता तुर्तीपुर करारी और राज पुत्र भोला उर्फ कलीम निवासी रहीमपुर मौलानी घायल हो गए।

हेल्पिंग इंडिया ट्रस्ट की पहल लाई रंग, शेख भिखारी मेडिकल कोलेज़ अस्पताल में रंगीन फोटो कॉपी की बाध्यता खत्म

●अधीक्षक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कलर फोटो की अनिवार्यता को किया निरस्त, गरीब मरीजों को मिली राहत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंडः- सामाजिक संस्था हेल्पिंग इंडिया ट्रस्ट की पहल रंग लाई है। ट्रस्ट द्वारा उठाए गए मुद्दे पर त्वरित संज्ञान लेते हुए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अधीक्षक ने ष्ट्ठ-स्ष्टह, स्न्न्क्र स्ह्रहष्ठ एवं ङ्ग-क्रड्ड जांच के लिए राशन कार्ड की रंगीन फोटो कॉपी की अनिवार्यता को निरस्त कर दिया है। अब गरीब मरीज सामान्य सादा फोटो कॉपी से ही जांच करवा सकेंगे। उल्लेखनीय है कि आज ही हेल्पिंग इंडिया ट्रस्ट ने अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर इस अमानवीय व्यवस्था को समाप्त करने की मांग की थी। ट्रस्ट ने बताया था कि एक पीड़ित को जांच हेतु रंगीन फोटो कॉपी के लिए 40 से 60 रुपये खर्च करने पड़ते हैं, जिससे गरीब मरीज जांच से वंचित रह जाते हैं। अधीक्षक महोदय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रभाव से रंगीन फोटो कॉपी की बाध्यता समाप्त करने का आदेश जारी कर दिया। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिया है कि अब से राशन कार्ड की सामान्य सादा फोटो कॉपी ही मान्य की जाए। हेल्पिंग इंडिया ट्रस्ट के संस्थापक सह अध्यक्ष शाहिद हुसैन ने अधीक्षक के इस जनहितैषी फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि अधीक्षक का यह निर्णय हजारों गरीब मरीजों के लिए बड़ी राहत है। उनके संवेदनशील रवैये के लिए ट्रस्ट उनका आभार व्यक्त करता है। हमारा उद्देश्य सिर्फ समस्या दिखाना नहीं, बल्कि समाधान करवाना है। ट्रस्ट ने उक्त कार्य के लिए हजारीबाग के अस्पताल अधीक्षक अनुकरण पूर्ति को भी इस त्वरित कार्रवाई के लिए धन्यवाद व्यक्त करता है।

सीएम योगी आदित्यनाथ को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला सफाईकर्मी गिरफ्तार

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने व बम से उड़ाने की धमकी देने वाले को दबोच लिया गया है। गुरुवार शाम प्रयागराज के मऊआइमा थाने की पुलिस ने धमकी देने के आरोपित शाहजहांपुर के जलालाबाद निवासी नितेश कटियार पुत्र सुरेंद्र कटियार को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त शाहजहांपुर नगर निगम में सफाईकर्मी के पद पर कार्यरत है। पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि सगाई टूटने के बाद उसने मऊआइमा निवासी पवन चौरसिया को फंसाने के लिए वाट्सएप पर अभद्र टिप्पणी करते हुए मुख्यमंत्री को बम से उड़ाने की धमकी दी थी। बताया गया है मऊआइमा थाना क्षेत्र के बरई निवासी पवन कुमार चौरसिया के वाट्सएप नंबर से मुख्यमंत्री के खिलाफ एक विवादित और धमकी भरा पोस्ट प्रसारित हुआ था।

इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई और फिर मोबाइल नंबर के आधार पर पवन को उठा लिया। इंजीनियर पवन कुमार ने पुलिस को बताया कि उसने अपनी बहन की शादी के लिए मेट्रीमोनियल वेबसाइट पर प्रोफाइल बनाई थी। इसी दौरान शाहजहांपुर निवासी नितेश कटियार से रिश्ता तय हुआ। हालांकि बाद में पवन के परिवार वालों ने शादी नहीं करने की बात कही, जिसको लेकर पवन और नितेश के बीच विवाद हुआ था। रिश्ता टूटने से नाराज होकर नितेश ने पवन को फंसाने की योजना बनाई और वाट्सएप पर टिप्पणी करते हुए धमकी दी थी।

प्रयागराज जंक्शन पर किलेबंदी कर चलाया गया सघन टिकट चेकिंग अभियान

● 503 यात्रियों को प्रभारित कर वसूला गया 3,76,426/- रुपए जुर्माना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। 06 मई, 2026 को प्रयागराज जंक्शन पर किलेबंदी कर सघन टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत टिकट जांच स्टाफ द्वारा बिना टिकट यात्रा करने वालों, अनियमित रूप से यात्रा करने वाले यात्रियों, धूम्रपान करने वालों तथा अनबुक्ड लगेज ले जाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई। इस विशेष अभियान के दौरान कुल 503 यात्रियों को विभिन्न अनियमितताओं के तहत प्रभारित किया गया, जिनसे कुल 3,76,426/- रुपए का जुर्माना वसूल किया गया । इसमें 235 बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों से 2,28,120/- रुपए एवं 268 अनियमित यात्रा करने वाले यात्रियों से 1,48,300/- रुपए जुर्माना वसूला गया । यह अभियान न केवल राजस्व वृद्धि में सहायक सिद्ध हुआ, बल्कि रेल परिसरों में अनुशासन एवं स्वच्छता बनाए रखने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। रेल प्रशासन अपने सभी सम्मानित यात्रियों से अपील करता है कि वे रेल यात्रा के दौरान नियमों का पालन करें, वैध टिकट के साथ ही यात्रा करें तथा रेल परिसर एवं ट्रेनों में स्वच्छता बनाए रखें। यात्रियों से अनुरोध है कि कूड़ा-कचरा निर्धारित कूड़ेदान में ही डालें और किसी भी प्रकार की असुविधा या अनियमितता की सूचना तत्काल रेलवे अधिकारियों को दें।

संक्षिप्त खबरें

निशांत कुमार ने ली मंत्री पद की शपथ

बिहार की राजधानी पटना के ऐतिहासिक गाँधी मैदान में गुरुवार को भाजपा नीत एनडीए सरकार के मंत्रिमंडल का विस्तार किया गया। आयोजित भव्य शपथग्रहण समारोह में एनडीए के 32 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार ने भी मंत्री पद की शपथ लेकर राजनीति में नई पारी की शुरुआत की। पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, चिराग पासवान, जीतनराम मांझी, उपेंद्र कुशवाहा समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ,जदयू कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा केंद्रीय मंत्री ,ललन सिंहभी शामिल हुए। शपथ ग्रहण से पहले निशांत कुमार ने अपने पिता नीतीश कुमार के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। यह दृश्य समारोह का विशेष आकर्षण बना रहा और राजनीतिक गलियारों में इसकी काफी चर्चा हुई।

जेडीयू कोटे में नए चेहरों को मिली जगह

जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) कोटे से कई नए और पुराने नेताओं को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया। श्वेता गुप्ता ने मंत्री के रूप में अपनी नई पारी शुरू की, वहीं दामोदर रावत को भी कैबिनेट में जगह मिली। पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं को भी दोबारा मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है, जिन्होंने पिछली सरकार में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई थीं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मंत्रिमंडल विस्तार में सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन साधने की कोशिश की गई है।

कालीबाग थाना क्षेत्र से देसी कट्टा व चाकू के साथ युवक गिरफ्तार

बेतिया। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए कालीबाग थाना क्षेत्र के विद्यानगर वार्ड संख्या-04 स्थित एक किराये के मकान से एक युवक को देसी कट्टा और चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार युवक आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने की तैयारी में था। जानकारी के मुताबिक कालीबाग थाना को सूचना मिली थी कि एक युवक अवैध हथियार के साथ किराये के मकान में रह रहा है तथा रात के समय अपने साथियों के साथ आपराधिक घटनाओं की योजना बनाता है। सूचना के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सदर-1 के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया। पुलिस टीम ने 6 मई, बुधवार की रात विद्यानगर वार्ड संख्या-04 स्थित मकान में छापेमारी की। पुलिस को देखते ही एक युवक भागने का प्रयास करने लगा, जिसे पुलिस बल की सहायता से पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम विशाल राव बताया। वह चौतरवा थाना क्षेत्र के अहीरवलिया गांव का रहने वाला है। तलाशी के दौरान उसके कमरे से एक देसी कट्टा और एक डैगर (चाकू) बरामद किया गया। इस मामले में 7 मई, गुरूवार को कालीबाग थाना में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी दल में कालीबाग थाना अध्यक्ष अजय कुमार सहित तकनीकी शाखा और पुलिस बल के अन्य अधिकारी व जवान शामिल रहे।

निर्माणाधीन विद्युत शक्ति उपकेंद्रों का डीएम ने किया निरीक्षण, धीमी प्रगति पर जताई नाराजगी

ग्वालपाड़ा एवं घीवहा विद्युत शक्ति उपकेंद्र निर्माण कार्य की हुई समीक्षा

सुपौल। ने बुधवार को निर्माणाधीन विद्युत शक्ति उपकेंद्र ग्वालपाड़ा एवं घीवहा (छातापुर) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दोनों स्थलों पर चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य की धीमी प्रगति पर जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित कार्य एजेंसी एवं अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि परियोजना को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए ताकि क्षेत्र के लोगों को जल्द बेहतर विद्युत सुविधा मिल सके। जिलाधिकारी ने निर्माण कार्य को निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभाग के अधिकारी एवं कार्य एजेंसी के प्रतिनिधि मौजूद थे।

मध्य पूर्व तनाव के बीच सुपौल प्रशासन अलर्ट,जिले में पर्याप्त LPG और पेट्रोलियम भंडार उपलब्ध

● जिले की 51 गैस एजेंसियों में 13,526 सिलेंडर उपलब्ध, 3,763 और पहुंचने की संभावना

कालाबाजारी रोकने के लिए होटल, प्रतिष्ठान और पेट्रोल पंपों पर छापेमारी जारी

जरूरतमंदों को पांच किलो गैस सिलेंडर बिना पते के प्रमाण के उपलब्ध कराया जा रहा

वैकल्पिक ऊर्जा के रूप में कोयला आपूर्ति की तैयारी में जुटा प्रशासन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुपौल। मध्य पूर्व में जारी युद्ध की स्थिति को देखते हुए LPG गैस एवं पेट्रोलियम पदार्थों की संभावित कमी को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। प्रशासन द्वारा जिले में गैस एवं ईंधन की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए लगातार निगरानी और कार्रवाई की जा रही है। ने बताया कि जिले की कुल 51 गैस एजेंसियों में लगभग 13,526 गैस सिलेंडरों का भंडार उपलब्ध है तथा 3,763 LPG सिलेंडरों के और पहुंचने की संभावना है। बीते 06 मई को लगभग 6,211 उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया गया, जबकि अभी 22,718 उपभोक्ताओं की बुकिंग लंबित है। जिले में प्रतिदिन औसतन 5,598 घरेलू LPG सिलेंडरों का वितरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले की 51 गैस एजेंसियों में से 48 एजेंसियों पर वर्तमान में LPG सिलेंडर उपलब्ध हैं। शेष तीन एजेंसियों – आस्था इंडेन ग्रामीण वितरक, मुस्कान HP ग्रामीण वितरक एवं उषा जगनाथ HP ग्रामीण वितरक – पर जल्द ही आपूर्ति बहाल होने की संभावना है।जिला प्रशासन द्वारा गैस एजेंसियों, होटलों और प्रतिष्ठानों पर लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है। अब तक 17 गैस एजेंसियों की जांच की जा चुकी है, जबकि 21 होटल एवं अन्य प्रतिष्ठानों पर घरेलू गैस के व्यावसायिक उपयोग की जांच के लिए छापेमारी की गई है। साथ ही पेट्रोल पंपों का भी औचक निरीक्षण किया जा रहा है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अस्पतालों एवं सरकारी संस्थानों को प्राथमिकता के आधार पर वाणिज्यिक गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वहीं होटल, रेस्टोरेंट एवं अन्य प्रतिष्ठानों को भी नियमानुसार व्यावसायिक सिलेंडरों की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। ने बताया कि आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता, प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षा तथा कालाबाजारी रोकने के लिए जिला प्रशासन पूरी सक्रियता से कार्य कर रहा है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें, जिले में LPG गैस एवं पेट्रोलियम पदार्थों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने बताया कि छात्रों, युवा पेशेवरों एवं प्रवासी श्रमिकों को बिना पते के प्रमाण के पांच किलो गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। वहीं वैवाहिक कार्यक्रमों के लिए भी वाणिज्यिक LPG सिलेंडर की आपूर्ति गैस कंपनियों के माध्यम से सुनिश्चित की जा रही है। जिला प्रशासन वैकल्पिक ऊर्जा के रूप में कोयला आपूर्ति की दिशा में भी काम कर रहा है, ताकि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत लाभुकों को जन वितरण प्रणाली दुकानों के माध्यम से कुकिंग कोयला उपलब्ध कराया जा सके। समाहरणालय परिसर स्थित जिला आपदा प्रबंधन कार्यालय में LPG गैस वितरण की निगरानी के लिए जिला नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जहां उपभोक्ता अपनी समस्याओं के समाधान के लिए संपर्क कर सकते हैं। प्रशासन के अनुसार घरेलू गैस के व्यावसायिक उपयोग एवं कालाबाजारी के आरोप में जिले में अब तक तीन प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी हैं।

छातापुर प्रखंड कार्यालय का डीएम ने किया निरीक्षण

● जनगणना कार्य में लापरवाही पर जताई नाराजगी

204 प्रगणकों ने ऐप लॉगिन किया, लेकिन ऑनलाइन गणना कार्य शुरू नहीं

मधुबनी पंचायत की लंबित प्रविष्टियों की हुई विशेष समीक्षा

पर्यवेक्षकों को दैनिक मॉनिटरिंग और समन्वय के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुपौल। जिलाधिकारी सावन कुमार ने गुरुवार को छातापुर प्रखंड कार्यालय का निरीक्षण कर भारत की जनगणना 2027 के अंतर्गत संचालित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान जनगणना कार्य की धीमी प्रगति पर जिलाधिकारी ने गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि अब तक 204 प्रगणकों द्वारा ऐप लॉगिन किए जाने के बावजूद ऑनलाइन गणना कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है। इस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने प्रखंड की 23 पंचायतों में प्रतिनियुक्त पर्यवेक्षकों को सीधे एवं प्रभावी तरीके से कार्य संपादन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पर्यवेक्षक नियमित रूप से प्रगणकों से समन्वय स्थापित करें, कार्य की दैनिक निगरानी करें तथा किसी भी समस्या का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। इस दौरान सर्वाधिक लंबित प्रविष्टि वाले मधुबनी पंचायत की विशेष समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि संबंधित पंचायत के पर्यवेक्षक को प्रतिदिन शाम 4 बजे से 5 बजे के बीच बुलाकर कार्य प्रगति की समीक्षा की जाए और लंबित प्रविष्टियों को शीघ्र पूरा कराया जाए। साथ ही जिलाधिकारी ने संबंधित पर्यवेक्षक एवं BAO से वार्ता कर जनगणना कार्य में तेजी लाने तथा सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

महजबीं नाज़ ने इंटर साइंस में 452 अंक लाकर बढ़ाया परिवार व कॉलेज का मान

हजारीबाग, हजारीबाग:- झारखंड एकेडमिक काउंसिल की ओर से जारी इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम में इंटर साइंस कॉलेज की छात्रा महजबीं नाज़ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 500 में 452 अंक प्राप्त कर अपने परिवार और कॉलेज का नाम रोशन किया है। विज्ञान संकाय की छात्रा महजबीं ने अपनी मेहनत और लगन से यह सफलता हासिल की। हजारीबाग की अतिया निवासी महजबीं, पिता मो. खुरशीद आलम एवं माता शमीमा खातून की पुत्री हैं। विषयवार अंक में महजबीं को अंग्रेजी में 92, भौतिकी में 85, रसायन विज्ञान में 93, गणित में 97 तथा जीव विज्ञान में 85 अंक प्राप्त हुए। गणित और रसायन विज्ञान में उत्कृष्ट अंक हासिल कर उन्होंने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। महजबीं ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, शिक्षकों और कठिन परिश्रम को दिया। महजबीं की इस सफलता से परिवार में खुशी का माहौल है। परिजनों और शुभचिंतकों ने मिठाई खिलाकर उनकी उपलब्धि का जश्न मनाया।

9 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत: लंबित ट्रैफिक चालानों के निपटान के लिए बिहार सरकार की 'गोल्डन' स्कीम

● 'एकमुश्त चालान निपटान योजना' लागू: 90 दिन से पुराने ई-चालान पर 50% छूट

विपिन हाई स्कूल परिसर, बेतिया और अनुमंडल कार्यालय परिसर, बगहा में 9 मई को महा-निपटान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बेतिया। यातायात नियमों के उल्लंघन के कारण भारी-भरकम जुर्माने की मार झेल रहे वाहन स्वामियों के लिए राहत भरी खबर है। बिहार सरकार के परिवहन विभाग ने 'एकमुश्त यातायात चालान निपटान योजना, 2026' को मंजूरी दे दी है। इसके तहत आगामी 9 मई 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में वर्षों से लंबित चालानों का निपटारा बेहद रियायती दरों पर किया जाएगा। यह योजना उन ई-चालानों के लिए है जो 90 दिनों से अधिक समय से लंबित हैं और जिनका भुगतान 31 मार्च 2026 तक नहीं किया गया है। चाहे मामला कोर्ट में लंबित हो या अभी तक कोर्ट न पहुँचा हो, दोनों ही स्थितियों में इस योजना का लाभ उठाया जा सकता है। आगामी 9 मई को उल्लंघनकर्ता अपने लंबित चालानों का निपटान निम्नलिखित स्थानों पर कर सकते हैं:

1. विपिन हाई स्कूल परिसर, बेतिया।
2. अनुमंडल कार्यालय परिसर, बगहा

जिला परिवहन पदाधिकारी, श्रीमती रितु रानी ने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य अदालतों में लंबित मामलों के बोझ को कम करना और आम जनता को डिजिटल चालानों के भारी जुर्माने से राहत देना है। यह योजना केवल चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए ही प्रभावी होगी। यदि आपका भी कोई पुराना चालान पेंडिंग है, तो भारी जुर्माने से बचने के लिए 9 मई को अपने नजदीकी लोक अदालत केंद्र पर जरूर पहुँचें।

'सखी वार्ता' कार्यक्रम आयोजित, बाल विवाह और लैंगिक हिंसा के खिलाफ किया जागरूक

● बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत बैरिया, घुरण और बलवा पंचायत में हुआ आयोजन

महिलाओं एवं किशोरियों को सरकारी सहायता सेवाओं की दी गई जानकारी

बाल विवाह मुक्त समाज निर्माण की दिलाई गई शपथ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुपौल। महिला एवं बाल विकास निगम, सुपौल के तत्वावधान में जिला हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वूमेन (DHEW) द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत सुपौल प्रखंड की बैरिया, घुरण एवं बलवा पंचायत में 'सखी वार्ता' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेविका, सहायिका एवं ग्रामीण महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं किशोरियों को बाल विवाह, लैंगिक हिंसा, दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें सरकारी सहायता सेवाओं की जानकारी देना था। कार्यक्रम के दौरान DHEW टीम ने बताया कि बाल विवाह कानूनन अपराध है, जो बालिकाओं के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा तथा भविष्य पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।

उपस्थित लोगों को विवाह की वैधानिक आयु एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम की विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही अपने-अपने पोषक क्षेत्र में लोगों को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास, पोषण एवं साइबर सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की गई। टीम ने संकट की स्थिति में उपलब्ध सेवाओं जैसे कानूनी सहायता, परामर्श सेवा, अस्थायी आश्रय, चिकित्सा सहायता एवं पुलिस सहयोग के बारे में जानकारी दी। सदर अस्पताल परिसर स्थित वन स्टॉप सेंटर की सेवाओं की भी विस्तार से जानकारी साझा की गई। इसके अलावा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 एवं महिला हेल्पलाइन 181 के उपयोग के संबंध में भी लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों को बाल विवाह मुक्त समाज निर्माण की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर बड़ी संख्या में सेविका, सहायिका एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

केंद्र सरकार की महंगाई नीति के विरोध में झामुमो का एकदिवसीय धरना प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़, झारखंड:- पाकुड़ जिले के गोकुलपुर स्थित पेट्रोल पंप के समीप बढ़ती महंगाई के विरोध में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) द्वारा एकदिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व झामुमो जिलाध्यक्ष अजीजुल इस्लाम ने किया। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन करते हुए झामुमो जिला उपाध्यक्ष हाजी समद अली ने कहा कि भाजपा सरकार मनमाने तरीके से एलपीजी गैस, डीजल और पेट्रोल की कीमतों में लगातार वृद्धि कर रही है, जिसका सीधा असर गरीब जनता पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि देश के पूंजीपति और अधिक अमीर होते जा रहे हैं, जबकि गरीबों के लिए घर का चूल्हा जलाना भी मुश्किल हो गया है। झारखंड मुक्ति मोर्चा हमेशा गरीब जनता के साथ खड़ी रही है और आगे भी उनके हक और अधिकार की लड़ाई लड़ती रहेगी। उन्होंने केंद्र सरकार से बढ़ी हुई कीमतों को वापस लेने की मांग की, अन्यथा आंदोलन को और उग्र करने की चेतावनी दी। झामुमो जिलाध्यक्ष अजीजुल इस्लाम ने कहा कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों और निर्णयों के कारण देश का आम आदमी महंगाई की मार झेल रहा है। एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि से छोटे दुकानदारों, होटल संचालकों और आम नागरिकों का जीवन प्रभावित हुआ है। उन्होंने केंद्र सरकार से मूल्य वृद्धि वापस लेने की मांग की। झामुमो जिला सचिव माइकिल मुर्मू ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार को आम जनता की परेशानियों से कोई सरोकार नहीं है। महंगाई के कारण लोगों के लिए घर चलाना कठिन हो गया है। वहीं केंद्रीय समिति सदस्य उपासना मरांडी ने कहा कि चुनाव के दौरान पेट्रोल, डीजल और एलपीजी गैस की कीमतों में वृद्धि नहीं की गई, लेकिन चुनाव समाप्त होते ही केंद्र सरकार ने योजनाबद्ध तरीके से मूल्य वृद्धि कर आम जनता पर बोझ डाल दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी इसे कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। धरना प्रदर्शन में जिला उपाध्यक्ष पीटर मरांडी, जिला संगठन सचिव अनारूद्दीन मियां, मुसलोद्दीन अंसारी, जिला सह सचिव जहूर आलम, लाल मोहम्मद अंसारी, कुणाल अल्फ्रेड हेम्ब्रम, केंद्रीय सदस्य सह युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सुनील टुडू, उमर फारूक, पिंकु शेख, मिथिलेश घोष, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष जोसेफिना हेम्ब्रम, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष कदम रसूल, जिला सचिव दिलीप मरांडी, नगर अध्यक्ष मुकेश सिंह, नगर सचिव नूर आलम सहित विभिन्न प्रखंडों एवं मोर्चाओं के पदाधिकारी और सैकड़ों की संख्या में महिला एवं पुरुष कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अड्डेबाजी और मनचलों के खिलाफ पुलिस का विशेष अभियान

● जिलेभर में 39 टीमों ने की छापेमारी, 51 मनचले हिरासत में लेकर पीआर बॉन्ड पर छोड़े गए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंड:- पुलिस अधीक्षक हजारीबाग अमन कुमार के आदेशानुसार दिनांक 06/07 मई 2026 की रात्रि जिलेभर में अड्डेबाजी एवं मनचले व्यक्तियों के विरुद्ध विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। यह अभियान जिले के सभी पुलिस उपाधीक्षकों एवं पुलिस निरीक्षकों के नेतृत्व में संचालित किया गया। हजारीबाग पुलिस द्वारा चलाए गए इस अभियान के तहत जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में संदिग्ध स्थानों, चौक-चौराहों एवं अड्डेबाजी वाले इलाकों में सघन जांच एवं छापेमारी की गई। अभियान का उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों पर अराजक गतिविधियों पर रोक लगाना तथा आम लोगों, विशेषकर महिलाओं एवं युवतियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना था। पुलिस विभाग की ओर से मिली जानकारी के अनुसार अभियान में जिले के सभी थाना प्रभारियों की उपस्थिति में कुल 39 टीमों का गठन किया गया था। इन टीमों में 176 पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मियों को शामिल किया गया। गठित टीमों ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में अड्डेबाजी एवं मनचले व्यक्तियों के कुल 119 संभावित ठिकानों पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान कुल 51 मनचले व्यक्तियों को हिरासत में लेकर थाना लाया गया। बाद में उन्हें पीआर बॉन्ड पर कड़ी हिदायत देकर छोड़ा गया।पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आगे भी इसी प्रकार का विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाले तथा सार्वजनिक स्थलों पर अशांति फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही आम लोगों से अपील की गई है कि यदि उनके इलाके में किसी प्रकार की अड्डेबाजी, असामाजिक गतिविधि या मनचले व्यक्तियों की शिकायत हो तो इसकी सूचना तत्काल नजदीकी थाना को दें, ताकि सूचना का सत्यापन कर आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

मानसून पूर्व वर्षा से कृषकों को होगा लाभ

वहीं दूसरी ओर मौसम सुहाना होने से लोगों को कड़ी धूप व गर्मी से राहत

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखण्ड:- पिछले कई दिनों से पाकुड़िया में हल्की बारिश व धूप से लोगों को कुछ सुकून मिलता रहा लेकिन बुधवार को मानसून पूर्व वर्षा से मौसम सुहाना होने के साथ ही किसानों को लाभ होगा। गुरुवार को पूछने पर कृषकों ने बताया कि वर्षा से भूमि में नमी रहेगी, हल चलाने में सुविधा होगी और घास निकलने से मवेशियों को चारा मिलेगा। पानी से आम फसल को लाभ होगा। हालांकि इस साल तेज आंधी में आम की फसल को नुकसान हो चुका है, पर बाकी बचे आम को लाभ होगा। वहीं वर्षा से प्रखण्ड मुख्यालय पाकुड़िया की कई सड़कों में जल जमाव होने से लोगों को आवागमन में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। कृषकों ने बताया कि खेतों में नमी बरकरार रहने से समय पर धान के बीज डालने और उनके बढ़ने में सुविधा होगी। ऋतुराज बसंत में वृक्षों की डालियों पर हरी-हरी नई कोमल पत्तियों के इठलाने से प्राकृतिक सौन्दर्य बिखर रहा है। बहरहाल फिलहाल मौसम खुशनुमा होने से प्रखण्डवासियों में उल्लास की झलक दिख रही है।

सुवेंदु अधिकारी को पश्चिम बंगाल का मुख्यमंत्री निर्वाचित किया जाना समय की मांग: हिन्दू विचार मंच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखण्ड। स्वतंत्र भारत के पूरे पचहत्तर वर्ष पूर्ण होने के उपरांत पश्चिम बंगाल प्रदेश के लोगों, विशेषकर हिन्दू मतदाताओं ने एकजुटता प्रदर्शित करते हुए पंद्रह वर्षों बाद पक्षपातपूर्ण प्रशासन तथा सनातन/ हिन्दू सांस्कृतिक मूल्यों के विरोधी टीएमसी सरकार को प्रचंड मतों से पराजित कर भारतीय सभ्यता के प्रतीक कमल पुष्प को खिलाया है। महर्षि अरविन्द, स्वामी विवेकानंद आदि महापुरुषों के स्वप्न को साकार करते हुए बंग भूमि को स्वच्छ एवं भयमुक्त शासन प्रदान कर बंगाल राज्य के साथ भारतवर्ष को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में जनता उत्सुक दिख रही है।हालांकि भारत की स्वतंत्रता के बाद विशेष रूप से विगत 34 वर्षों की वामपंथी सरकार तथा पिछले पंद्रह वर्षों की टीएमसी सरकार पर सनातन व विकास विरोधी होने के आरोप लगते रहे हैं। साथ ही हिन्दू विरोधी राजनीति, मुस्लिम तुष्टिकरण तथा बांग्लादेशी व रोहिंग्या घुसपैठियों को संरक्षण देने जैसे मुद्दों पर भी लगातार प्रश्न उठते रहे हैं। ऐसे में प्रदेश की सामूहिक विकासधारा को आगे बढ़ाने तथा राजनीतिक हिंसा के माहौल को कड़ाई से नियंत्रित कर निष्पक्ष रूप से सामूहिक प्रगति सुनिश्चित करने के लिए भावुकता नहीं बल्कि अनुभवी नेतृत्व की आवश्यकता होगी।

यद्यपि भाजपा दिल्ली से लेकर अपने सभी शासित राज्यों में कई बार जनता को सकारात्मक रूप से चौंकाती रही है और नेतृत्व चयन उनका आंतरिक विषय है, परंतु बंगाल के पिछले 49 वर्षों के शासन, विकास और पक्षपातपूर्ण रवैये पर मंथन करने के बाद प्रतीत होता है कि सुवेंदु अधिकारी सभी दृष्टियों से अत्यधिक प्रासंगिक दिखाई देते हैं। ऐसा हिन्दू विचार मंच, पाकुड़िया इकाई का मानना है।

महंगाई के खिलाफ आयोजित धरना-प्रदर्शन में शामिल हुई उपासना मरांडी

पाकुड़, झारखंड:- केन्द्र की भाजपा सरकार के गलत निर्णयों के कारण देश में लगातार बढ़ रही महंगाई के विरोध में दिनांक 7 मई, गुरुवार को पूर्वाह्न 11:00 बजे से जिले के गोकुलपुर स्थित पेट्रोल पंप समीप (बाजार समिति) में एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महेशपुर विधानसभा से केंद्रीय समिति सदस्य उपासना मरांडी शामिल हुई। कार्यक्रम में महेशपुर विधानसभा के दोनों प्रखंड अध्यक्ष मोतीलाल हाँसदा एवं अब्दुल वदूद ने प्रथम वक्ता के रूप में अपने विचार रखते हुए बढ़ती महंगाई एवं आम जनता की समस्याओं को लेकर अपनी बात रखी। साथ ही हमारे विधानसभा क्षेत्र के प्रखंड सचिव- मईनुद्दीन अंसारी, कालिदास मरांडी, मैनेजर हेम्ब्रम, अशोक भगत, मोईन आलम, मोहन लाल टुडू, पिंकू शेख, एनामुल हक, गोलक सिंह एवं तमाम पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

चौपारण के बसरिया विद्यालय में सांसद मनीष जायसवाल ने लगाई सांसद क्लास'

●बच्चों को दिए सफलता के मंत्र, शिक्षक कमी पर डीईओ को कड़े निर्देश

विद्यार्थियों ने सांसद मनीष जायसवाल को आकर्षक पेंटिंग भेंट कर किया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चौपारण, हजारीबाग, झारखंड:- शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करने के उद्देश्य से हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने चौपारण प्रखंड स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय बसरिया का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय के शिक्षकों से मुलाकात कर शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली तथा छात्रों से सीधे संवाद कर उनके भविष्य और करियर को लेकर मार्गदर्शन दिया।विद्यालय में शिक्षकों की कमी की जानकारी मिलने पर हज़ारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने तत्काल जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रवीण कुमार को फोन कर नाराजगी जताई। उन्होंने कड़े तेवर में निर्देश देते हुए कहा कि गर्मी की छुट्टी समाप्त होने से पूर्व विद्यालय में शिक्षकों की कमी हर हाल में दूर की जाए, ताकि बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो। सांसद ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को भी बेहतर शिक्षा और संसाधन उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। दौरे के दौरान सांसद मनीष जायसवाल ने विद्यालय के दसवीं कक्षा में पहुंचकर स्वयं 'सांसद क्लास' लिया।

उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के प्रति गंभीर रहने, अनुशासन का पालन करने तथा अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम, सकारात्मक सोच और निरंतर प्रयास से ही जीवन में सफलता प्राप्त की जा सकती है। सांसद श्री जयसवाल ने विद्यार्थियों से करियर विकल्पों पर भी चर्चा की और उन्हें अपने रुचि के अनुसार आगे बढ़ने की सलाह दी। उन्होंने बच्चों से कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है, जो व्यक्ति को समाज और देश में सम्मान दिलाती है। विद्यार्थियों को देश का आदर्श नागरिक बनने के लिए ईमानदारी, अनुशासन, संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारियों को अपनाने की सीख भी दी। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने सांसद मनीष जायसवाल को एक आकर्षक पेंटिंग भेंट कर सम्मानित किया। सांसद ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, जरूरत केवल उन्हें सही मंच और मार्गदर्शन देने की है।

संक्षिप्त खबरें

20 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कालपी(जालौन)- कोतवाली क्षेत्र के शाहजहांपुर गांव में 20 वर्षीय युवक ने खेत पर आम के पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के मुताबिक, राकेश कुशवाहा निवासी ग्राम शाहजहांपुर कोतवाली कालपी मानसिक रूप से परेशान रहता था। वह मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करता था और घर की आर्थिक जिम्मेदारियों को निभा रहा था। बताया जा रहा है कि बुधवार देर शाम राकेश घर से खेत की ओर गया था। काफी देर तक वापस न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान खेत में आम के पेड़ पर रस्सी के फंदे से उसका शव लटका हुआ मिला। यह दृश्य देखकर परिजनों के होश उड़ गए और मौके पर चीख-पुकार मच गई। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

खाद्य सुरक्षा टीम ने ऑयल और घी के जांच हेतु भरे नमूने

कोंच(जालौन)- मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गुरुवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने नगर के मुख्य बाजार में छापेमारी कर रिफाइंड ऑयल और पारस घी के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिए। इस कार्रवाई से दुकानदारों में हड़कंप मच गया। सहायक आयुक्त खाद्य डॉ. जतेन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार राय, खाद्य सुरक्षा अधिकारी महेश प्रसाद और कन्हैया लाल यादव की टीम ने मियागंज स्थित मित्तल किराना स्टोर से सोयाबीन रिफाइंड ऑयल का नमूना लिया। इसके बाद टीम ने रामगंज बाजार पहुंचकर राम मोहन राठौर की दुकान से पारस घी का सैंपल भरा। सहायक आयुक्त खाद्य डॉ. जतेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि मिलावटी खाद्य सामग्री के खिलाफ विभाग का अभियान लगातार जारी है। जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि आम लोगों को शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए अभियान आगे भी चलता,रहेगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर नोडल अधिकारियों की बैठक संपन्न

नौ मई को आयोजित होगी राष्ट्रीय लोक अदालत, अधिक से अधिक मामलों के निस्तारण पर जोर

ललितपुर। आगामी 9 मई 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर गुरुवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अशोक कुमार सिंह ने की। बैठक में राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के उद्देश्य से जनपद के विभिन्न विभागों के नोडल अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान विगत राष्ट्रीय लोक अदालत की समीक्षा करते हुए अधिक से अधिक वादों को चिन्हित कर नियत करने, नोटिसों की समय पर तामीली कराने तथा अधिकाधिक मामलों के आपसी समझौते के आधार पर निस्तारण कराने पर जोर दिया गया। बैठक में एडीजे (द.प्र.क्षे.)/प्रभारी अध्यक्ष प्रोसेस सर्विंग कमेटी सुनील सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मयंक जायसवाल, सचिव देवप्रिय सारस्वत, एएसपी कालू सिंह, डीआईओ दयाशंकर, यात्री/मालकर अधिकारी लिली चौधरी, चकबंदी अधिकारी, जेई जल संस्थान के अलावा श्रम एवं अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अधिक से अधिक वादों को राष्ट्रीय लोक अदालत में शामिल कर उनका त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को सरल और सुलभ न्याय मिल सके। अंत में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव ने सभी विभागों से समन्वय बनाकर राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने की अपील की।

दोहरे हत्याकांड में उम्रकैद की सजा बरकरार रहने पर वृद्ध झूला फांसी पर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उरई(जालौन)- सिरसाकलार थाना क्षेत्र के पिथऊपुर गांव में गुरुवार सुबह एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जहां दोहरे हत्याकांड के मामले में दोषी ठहराए गए 70 वर्षीय वृद्ध ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा उम्रकैद की सजा बरकरार रखे जाने के बाद से वह गहरे मानसिक तनाव में था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

पूरा मामला सिरसाकलार थाना क्षेत्र के ग्राम पिथऊपुर का है। मृतक की पहचान अमर सिंह पुत्र स्व. बाबूराम के रूप में हुई है। ग्रामीणों के अनुसार अमर सिंह अपने पुत्र रविंद्र उर्फ मनचुरे के साथ गांव के बाहर खेत पर बने ट्यूबवेल पर रहता था। गुरुवार सुबह काफी देर तक जब वह कमरे से बाहर नहीं निकला तो परिजनों को शक हुआ। परिवार के लोग जब कमरे के अंदर पहुंचे तो अमर सिंह का शव गमछे के सहारे फंदे से लटका हुआ मिला। यह दृश्य देखते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। बताया जा रहा है कि अमर सिंह वर्ष 1984 में हुए चर्चित दोहरे हत्याकांड का आरोपी था। गांव में पुरानी रंजिश के चलते मई 1984 में सरवन और वीरेंद्र सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में रामजीवन की ओर से मुकदमा दर्ज कराया गया था जिसमें अमर सिंह समेत चार लोगों को नामजद किया गया था। मामले की सुनवाई के बाद उरई स्थित मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट ने अमर सिंह को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। हालांकि बाद में उसने इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील दायर की थी। अपील लंबित रहने के दौरान उसे जमानत मिल गई थी और वह लंबे समय से बाहर रह रहा था।

परिजनों के मुताबिक दो दिन पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को सही ठहराते हुए उसकी उम्रकैद

की सजा को बरकरार रखा था। फैसले के बाद से अमर सिंह लगातार तनाव में था। उसे दोबारा जेल जाने और गिरफ्तारी का भय सता रहा था। बताया जाता है कि इसी मानसिक दबाव के चलते उसने यह आत्मघाती कदम उठा लिया। थाना प्रभारी निरीक्षक वरुण चाहर ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हाईकोर्ट द्वारा सजा बरकरार रखे जाने के बाद वृद्ध मानसिक रूप से परेशान था। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सामान वापसी के विवाद में दी जानमाल की धमकी

कोंच(जालौन)- सामान वापसी के विवाद में जानमाल की धमकी देने के मामले में पीड़ित दुकानदार ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाही किए जाने की मांग की है। मोहल्ला भगत सिंह नगर निवासी आरिश अली पुत्र अरमान शाह ने कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि वह पुरानी स्टेट बैंक के बगल में कपड़ों की दुकान खोले हुए है। गुरुवार को बाइक सवार एक व्यक्ति दुकान पर आया और दो माह पहले खरीदी गई शर्ट वापस करने का दबाव बनाने लगा। उसने खरीद के एक सप्ताह तक ही वापसी होने की बात कही तो उक्त व्यक्ति ने गाली गलौज कर उसे जानमाल की धमकी दी। मामले में पीड़ित दुकानदार ने पुलिस से कार्यवाही किए जाने की मांग की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

दुष्कर्म के आरोप में प्रधान पुत्र पर एफआईआर दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- स्नान करने पशुबाड़े में गई महिला को दबोचकर उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोप में पुलिस ने आरोपी युवक के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर ली है। महिला यहां अपने मायके आयी हुई थी। आरोपित युवक गांव के ही प्रधान का बेटा है।

मध्य प्रदेश के इंदरगढ़ क्षेत्र के एक गांव में ब्याही महिला ने कोंच कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि बीते दिनों पूर्व वह अपने पति के साथ यहां मायके आयी हुई थी। बुधवार की सुबह 11 बजे वह घर के सामने स्थित पशुबाड़े में नहाने गई हुई थी। नहाने के लिए जैसे ही उसने अपने कपड़े निकाले तभी गांव का ही रिश्ते में चाचा लगने वाला सौरभ मौके पर आया और उसे दबोचकर वहां बने एक कमरे में ले गया जहां उसने उसके साथ जबरन दुष्कर्म के किया। बचाव में वह चिल्लाई तो उसने गाली गलौज कर मारपीट की और घटना के बाबत किसी को बताने पर पति को

फोटो सेंड करने की धमकी देकर मौके से भाग गया। महिला ने प्रार्थना पत्र में बताया कि घर आकर वह कीटनाशक दवा पीने लगी तो पति ने यह देख लिया और उससे पूछा जिसके बाद उसने पति को पूरी घटना बताई। उक्त मामले में पुलिस ने आरोपित युवक सौरभ के विरुद्ध दफा 64(1), 115(2), 351(2) बीएनएस में एफआईआर दर्ज कर ली है। मामले में सीओ परमेश्वर प्रसाद का कहना है कि महिला की तहरीर पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। फिलहाल महिला का चिकित्सकीय परीक्षण और उसके बयानों को दर्ज किए जाने की कार्यवाही की जा रही है।

घर से भागी किशोरी को पुलिस ने किया बरामद, परिजनों ने काटा हंगामा

उरई(जालौन)- डकोर थाना क्षेत्र में एक नाबालिक किशोरी के एक युवक के साथ घर से अचानक लापता हो जाने का मामला सामने आया है। वहीं पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए किशोरी को बरामद कर लिया लेकिन, सकुशल बरामदगी के बाद किशोरी के परिजनों ने जिला अस्पताल में जमकर हंगामा काटा। जानकारी के अनुसार, डकोर थाना क्षेत्र के एक गांव की नाबालिक किशोरी गांव के ही एक युवक के साथ घर से अचानक गायब हो गई थी। परिजनों ने इसकी सूचना तत्काल डकोर पुलिस को दी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तलाश शुरू कर दी और पुलिस ने किशोरी को बरामद भी कर लिया। बरामदगी के बाद किशोरी को मेडिकल जांच के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। यहाँ पहुँचते ही मामले ने तूल पकड़ लिया। किशोरी के परिजन अस्पताल पहुँच गए और जमकर हंगामा शुरू कर दिया जिससे तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। बताया जा रहा है कि परिजनों ने जिला अस्पताल में तैनात चिकित्सकों और स्टाफ से भी अभद्रता की। उनका आरोप था कि डॉक्टर और स्टाफ उन्हें किशोरी से नहीं मिलने दे रहे हैं। परिजन इस बात पर उग्र हो गए और उन्होंने अस्पताल में ही हंगामा शुरू कर दिया। उनका कहना था कि उन्हें बिना किसी रोक-टोक के अपनी बेटी से मिलने की अनुमति मिलनी चाहिए। सूचना पर पहुँची पुलिस ने किसी तरह मामले को शांत कराया।

दिनदहाड़े रेत माफिया का तांडव, महारिकला में नदी का सीना चीरकर सरकारी संपदा पर डाका

● अब सवाल उठता है कि आखिर इस खुलेआम लूट पर लगाम कब लगेगी?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बीजपुर/सोनभद्र- जनपद सोनभद्र के महारिकला पिंडारी अंजीर नदी क्षेत्र में अवैध बालू खनन का काला खेल खुलेआम जारी है। ताजा तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि किस तरह नदी किनारे से बड़े पैमाने पर बालू निकालकर सरकारी संपदा में सेंधमारी की जा रही है। भारी वाहनों और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के जरिए दिनदहाड़े रेत की ढुलाई हो रही है, लेकिन जिम्मेदार विभाग मौन साधे हुए हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार खनन माफिया बेखौफ होकर नदी की सतह को खोखला कर रहे हैं, जिससे पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा है। तस्वीरों में दिख रहा है कि नदी किनारे गहरे गड्ढे बना दिए गए हैं, जो भविष्य में हादसों को न्योता दे सकते हैं। वहीं कच्चे रास्तों पर भारी वाहनों की आवाजाही से ग्रामीणों का आवागमन भी खतरे में पड़ गया है।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह पूरा खेल प्रशासन की नजरों के सामने हो रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही, जिससे माफियाओं के हौसले बुलंद हैं।

अवैध खनन के कारण न केवल सरकार को राजस्व का भारी नुकसान हो रहा है, बल्कि आने वाले समय में जल संकट और भूमि कटान जैसी गंभीर समस्याएं भी खड़ी हो सकती हैं। अब सवाल यह उठता है कि आखिर इस खुलेआम लूट पर लगाम कब लगेगी? क्या जिम्मेदार अधिकारी कार्रवाई करेंगे या फिर यूं ही सरकारी संपदा पर डाका पड़ता रहेगा? ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए अवैध खनन पर पूर्ण रोक लगाने की अपील की है, ताकि क्षेत्र की प्राकृतिक संपदा को बचाया जा सके। इस मामले में पक्ष जानने के लिए जब संबंधित वन क्षेत्राधिकारी सुधीर सिंह से संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो कॉल रिसीव नहीं हुआ। जिससे संबंधित विभाग का पक्ष सामने नहीं आ सका। अब सवाल यह उठता है कि अवैध खनन जैसे गंभीर मामले पर जिम्मेदार अधिकारी आखिर चुप्पी क्यों साधे हुए हैं?

बैठक में डीएम ने बाढ़ प्रबंधन को लेकर दिए दिशा निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उरई(जालौन)- जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट सभागार में वर्ष 2026 की बाढ़ प्रबंधन कार्य योजना को लेकर फ्लड स्टियरिंग ग्रुप की बैठक कर जनपद में संभावित बाढ़ एवं जलभराव की स्थिति से निपटने हेतु की गई तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग द्वारा प्रस्तुत कार्ययोजना पर चर्चा करते हुए जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को समन्वय बनाकर समय रहते आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। बाढ़ स्टियरिंग ग्रुप के गठन, नोडल अधिकारियों की तैनाती, बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना, बाढ़ पूर्व तैयारियां, चेतावनी प्रणाली, राहत एवं बचाव कार्यों, नाव-मोटरबोट एवं गोताखोरों की उपलब्धता, जल निकासी हेतु पंपों की व्यवस्था, प्रशिक्षण एवं क्षमता संवर्धन तथा प्रभावित क्षेत्रों के आंकलन सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही बाढ़ चौकियों की स्थापना, खाद्यान्न, भूसा-चारा, दवाइयां, बिजली एवं पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के साथ सभी संबंधित अधिकारी आवश्यक सामग्री हेतु 15 मई तक निविदाएं कराना सुनिश्चित करें। अपर जिलाधिकारी के नियंत्रण में जिला बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित किया जाएगा, जिसमें 8-8 घंटे की तीन पालियों में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी तथा टोल फ्री नंबर की व्यवस्था भी रहेगी। इसके अतिरिक्त बेतवा नहर प्रखंड प्रथम उरई कार्यालय में 15 जून से 15 अक्टूबर तक पृथक बाढ़ नियंत्रण कक्ष संचालित रहेगा। तहसील स्तर पर भी उपजिलाधिकारियों के नियंत्रण में आवश्यकता के अनुसार नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जाएंगे। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सड़कों, पुलियों एवं पुलों की समय से मरम्मत कराई जाए तथा कटान रोकने के लिए बालू की बोरियां एवं अन्य आवश्यक सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रखी जाए। उन्होंने कहा कि बाढ़ शरणालयों को चिन्हित कर वहां आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। वैकल्पिक यातायात मार्ग, नाव, मोटरबोट, गोताखोर, पेयजल, दवाइयां, पशुचारा एवं विद्युत आपूर्ति जैसी व्यवस्थाएं पहले से तैयार रखी जाएं ताकि आपदा की स्थिति में आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

बैठक में जनपद की प्रमुख नदियों यमुना, बेतवा, नून, पहूज एवं सिंध नदी की स्थिति तथा उनके जलस्तर की समीक्षा भी की गई। बताया गया कि जनपद में यमुना नदी की लंबाई 109 किलोमीटर तथा बेतवा नदी की लंबाई 130 किलोमीटर है। वहीं केंद्रीय जल आयोग द्वारा निर्धारित खतरे के निशान के अनुसार यमुना नदी का खतरा स्तर कालपी में 108 मीटर तथा बेतवा नदी का खतरा स्तर मोहाना में 122.664 मीटर निर्धारित है। सिंचाई विभाग द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों में बताया गया कि विगत 10 वर्षों में वर्ष 2022 में सर्वाधिक औसत वर्षा 856 मिमी दर्ज की गई थी। साथ ही विभिन्न वर्षों में यमुना एवं बेतवा नदियों के अधिकतम जलस्तर की जानकारी भी बैठक में प्रस्तुत की गई। बैठक में बाढ़ एवं जलभराव से प्रभावित होने वाले गांवों की स्थिति पर भी विस्तार से चर्चा हुई। जनपद की पांचों तहसीलों जालौन, उरई, कालपी, कोंच एवं माधौगढ़ के कुल 1155 गांवों में से 158 गांव बाढ़ एवं जलभराव से प्रभावित संभावित श्रेणी में चिन्हित किए गए हैं, जहां कुल 27 बाढ़ चौकियां स्थापित की जाएंगी। कालपी तहसील में 35, उरई में 31, कोंच में 33, माधौगढ़ में 38 तथा जालौन तहसील में 21 गांव प्रभावित श्रेणी में

शामिल हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि यमुना एवं बेतवा नदियों के जलस्तर की सूचना प्रतिदिन केंद्रीय जल आयोग एवं सिंचाई विभाग से प्राप्त कर जिला प्रशासन को उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि जैसे ही जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंचे, तत्काल बाढ़ चौकियों की स्थापना, कर्मचारियों की तैनाती एवं रूट चार्ट लागू कर राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिए जाएं। जनपद के अंतर्गत संचालित बाढ़ सुरक्षा परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि यमुना नदी के दाहिने किनारे स्थित ग्राम समूह गुड़ा, हिम्मतपुर एवं शिवगंज को बाढ़ से सुरक्षा प्रदान करने हेतु लगभग 997.92 लाख रुपये की लागत से बाढ़ सुरक्षात्मक कार्य कराए जा रहे हैं, जिनमें लॉन्चिंग एप्रन एवं एचडीपीई बैग विद एनआरसी से संबंधित कार्य शामिल हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि बाढ़ प्रबंधन केवल विभागीय कार्य नहीं बल्कि जनसुरक्षा से जुड़ा संवेदनशील दायित्व है। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संजय कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी बीरेंद्र सिंह, समस्त उप जिलाधिकारी, अधिशाषी अभियंता सिंचाई धर्म घोष, महेंद्र सिंह सहित सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

स्वयं सहायता समूहों व संस्थाओं को सौंपी गई गौशालाओं की जिम्मेदारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उरई(जालौन)- जनपद में गौवंश संरक्षण एवं गौशालाओं के बेहतर संचालन को नई दिशा देते हुए अध्यक्ष उप्र गौसेवा आयोग श्याम बिहारी गुप्ता, सदस्य राजेश सिंह सेंगर तथा जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने विकास भवन स्थित रानी लक्ष्मीबाई सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान स्थायी एवं अस्थायी गौ आश्रय स्थलों का संचालन विभिन्न स्वयं सहायता समूहों, संस्थाओं एवं एनजीओ को हस्तांतरित किया। कार्यक्रम में चयनित संस्थाओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर गौशालाओं के संचालन की औपचारिक जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यक्रम के दौरान बड़ी माता महिला स्वयं सहायता समूह को ग्राम ऐंधापुर गौशाला, पलक स्वयं सहायता समूह को ग्राम रामपुर ऐरी गौशाला, सेवा संकल्प को बोहदपुरा-कुकुरगांव गौशाला, बांके बिहारी स्वयं सहायता समूह को छौक गौशाला, गिरवा स्वयं सहायता समूह को पारासन गौशाला, मां संकटा स्वयं सहायता समूह को मरगंयाँ-गरेंही गौशाला, ओरछा धाम संस्था को ग्राम अंडा गौशाला, मां जगत जननी सेवा समिति को कैंथी गौशाला, भारतीय मानवाधिकार फाउंडेशन को राजीपुरा गौशाला, जय मां काली महिला स्वयं सहायता समूह को गौवंश वन्य विहार ग्राम ऐबरा, आनंदी महिला स्वयं सहायता समूह को गधेला गौशाला, जय सिद्ध बाबा महिला स्वयं सहायता समूह को बम्होरा गौशाला, अन्ना चैरिटेबल फाउंडेशन को ग्राम हीरापुर-जुगराजपुर गौशाला तथा यशोदा गौशाला सेवा संस्थान को मुहाना गौशाला का संचालन सौंपा गया। अध्यक्ष गौसेवा आयोग श्याम बिहारी गुप्ता ने कहा कि प्रदेश सरकार गौवंश संरक्षण के लिए निरंतर संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि गौशालाओं के संचालन में स्वयं सहायता समूहों और सामाजिक संस्थाओं की भागीदारी से व्यवस्थाएं और अधिक मजबूत होंगी तथा गौवंशों को बेहतर संरक्षण एवं देखभाल मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि गौसेवा भारतीय संस्कृति, आस्था और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है इसलिए सभी संस्थाएं पूरी निष्ठा एवं सेवा भाव से अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

सदस्य गौसेवा आयोग राजेश सिंह सेंगर ने कहा कि गौशालाओं के प्रभावी संचालन से निराश्रित गौवंश की समस्या में कमी आएगी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और सामाजिक सहभागिता को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि प्रत्येक गौ आश्रय स्थल सुव्यवस्थित, स्वच्छ और आत्मनिर्भर मॉडल के रूप में विकसित हो। जिलाधिकारी

राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि जनपद में गौवंश संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं संस्थाओं को निर्देशित किया कि गौशालाओं में चारा, पानी, छाया, साफ-सफाई एवं चिकित्सीय सुविधाएं नियमित रूप से सुनिश्चित की जाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों एवं संस्थाओं की सहभागिता से गौशालाओं के संचालन में पारदर्शिता और गुणवत्ता दोनों सुनिश्चित होंगी। उन्होंने सभी संस्थाओं से अपेक्षा की है कि वह सेवाभाव के साथ गौवंशों की देखभाल करें और गौशालाओं को आदर्श मॉडल के रूप में विकसित करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, डीसी मनरेगा रामेन्द्र सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी मनोज अवस्थी, डीडीओ निशान्त पाण्डेय, स्वयं सहायता समूहों के प्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जनसमस्याओं के समाधान को लेकर नवागत में जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी एक्शन मोड

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। जनसमस्याओं के समाधान को लेकर नवागत जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। गुरुवार को आयोजित जनता दर्शन में डीएम ने फरियादियों की समस्याएं न सिर्फ गंभीरता से सुनीं, बल्कि उनके त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश दिए। खास बात यह रही कि अब शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए जूम लिंक और व्हाट्सएप व्यवस्था भी शुरू कर दी गई है। जनता दर्शन के दौरान उस समय संवेदनशील तस्वीर देखने को मिली, जब ग्राम हरपुर निजाम से आए दिव्यांग दम्पति रहमत अली और खुशबून अपनी जमीन विवाद की शिकायत लेकर पहुंचे। जिलाधिकारी स्वयं उनके पास पहुंचे, उन्हें फल का पैकेट दिया और तत्काल सदर एसडीएम को मौके पर जाकर जांच करने के निर्देश दिए। डीएम ने राजस्व निरीक्षक और दो लेखपालों की टीम बनाकर उसी दिन कार्रवाई को कहा।

इस दौरान डीएम ने दिव्यांग दम्पति से

सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने की जानकारी भी ली। पता चला कि खुशबून को दिव्यांग पेंशन नहीं मिल रही है। इस पर जिलाधिकारी ने जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी को तत्काल बुलाकर जरूरी अभिलेख प्राप्त कर पेंशन स्वीकृत कराने के निर्देश दिए। वहीं दम्पति की दो वर्षीय बच्ची को आंगनबाड़ी केंद्र से जोड़ने के निर्देश भी जिला कार्यक्रम अधिकारी को दिए गए। जनता दर्शन में आई एक अन्य महिला फरियादी सीता देवी अपनी चार वर्षीय बच्ची अंशिका के साथ पहुंचीं। बच्ची के स्कूल न जाने की जानकारी मिलने पर जिलाधिकारी ने उसे भी आंगनबाड़ी केंद्र से जोड़ने के निर्देश दिए और कहा कि छोटे बच्चों का शुरुआती बौद्धिक विकास बेहद जरूरी है।

लोहरौली गांव में विद्युत आपूर्ति न होने से ग्रामीण परेशान

सिद्धार्थनगर। भनवापुर विकास खंड के तरहर विद्युत केंद्र स्थिति लोहरौली गांव में विद्युत आपूर्ति न होने से ग्रामीणों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बीते सोमवार को आए जबरदस्त आंधी में ट्रांसफार्मर सहित खंभे धराशाई हो गए थे। लेकिन चार दिन बीत जाने के बावजूद भी गांव में विद्युत आपूर्ति बहाल नहीं हो पाई।जिससे ग्रामीणों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बालेदीन, हृदयनरायन,रामकृपाल, रामशबद पांडेय, रामपाल यादव, बेनी, जगलाल, फारूक अहमद, समीउल्लाह आदि विद्युत उपभोक्ताओं ने जल्द से जल्द विद्युत आपूर्ति बहाल करने की मांग की है। तरहर विद्युत केंद्र अवर अभियंता अजय पटेल ने बताया कि एक हाइड्रो के उपलब्धता के चलते आज सप्लाई नहीं करा पाया हूं।कल निश्चित रूप से आपूर्ति बहाल करा दिया जाएगा।

बसपा की सेक्टर कमेटियों के गठन को लेकर बैठक संपन्न, संगठन मजबूती पर जोर

ललितपुर। बहुजन समाज पार्टी की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें सेक्टर-48 की कमेटियों के गठन, पुनर्गठन और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में मंडल प्रभारी रामबाबू चिरगैयां एवं केहर सिंह गौतम मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। मंडल प्रभारियों ने कार्यकर्ताओं से कहा कि पार्टी को जमीनी स्तर पर और अधिक सक्रिय करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व के निर्देशानुसार प्रत्येक बूथ पर सर्वसमाज को जोड़ते हुए संगठन को मजबूत किया जाए, ताकि पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए पूरी मजबूती के साथ बूथ स्तर पर कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में विधानसभा प्रभारी अभिषेक गौतम और विधानसभा अध्यक्ष संतोष अहिरवार उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि सेक्टर कमेटियां संगठन की रीढ़ होती हैं और मजबूत संगठन ही पार्टी को सफलता दिला सकता है। बैठक की अध्यक्षता सेक्टर अध्यक्ष बृजभान अहिरवार (परोंदा) ने की। बैठक में सर्वसम्मति से बूथ संख्या 543 पर उत्तम सिंह तथा बूथ संख्या 544 पर जयराम को बूथ अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस दौरान संतोष कुमार (विधानसभा महासचिव), धर्मेन्द्र कुमार अहिरवार (पूर्व मंडल प्रभारी), प्रकाश पाल (सेक्टर महासचिव), आशाराम समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। अंत में सेक्टर महासचिव प्रकाश पाल ने सभी अतिथियों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

गर्मी से प्यासे गले को पानी की व्यवस्था

चीरा तिराहे पर जनसत्ता दल लोकतांत्रिक जिला अध्यक्ष ने प्याऊ का किया उद्घाटन

ललितपुर। भीषण गर्मी को देखते हुए नेशनल हाईवे 44 पर जगह-जगह तिराहे चौराहा पर राहगीर यात्रियों के लिए जल व्यवस्था के लिए राजनीतिक दल सामाजिक संगठन निरंतर आगे आ रहे हैं। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक जिलाध्यक्ष केशवेंद्रसिंह बुंदेला ने निशुल्क जल सेवा प्याऊ का उद्घाटन कार्यकर्ताओं के साथ एनएच 44 पर चीरा पाचौनी मार्ग पर किया। उद्घाटन कार्यक्रम में लोकसत्ता कार्यकर्ता राजपाल चीरा, सौरभ राजा राणा प्रधान, रामेश्वर यादव, मोहरम सिंह राजा, पिंटू, संदीप, संजीव, आनंद, प्रियांशु, आयुष, विकास, राजेंद्र पचौनी आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ललितपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई 4 किलो से अधिक गांजे के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, एक फरार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जनपद पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 4 किलो 104 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है, जबकि गिरोह का एक अन्य सदस्य मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार कोतवाली सदर क्षेत्र की नई बस्ती चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक आलोक कुमार सिंह अपनी टीम के साथ क्षेत्र में मौजूद थे, तभी मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम खोंखरा में कुछ लोग अवैध गांजे की बिक्री कर रहे हैं। सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी के निर्देशन में पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और दो संदिग्धों को दबोच लिया। तलाशी के दौरान गिरफ्तार आरोपी केहर सिंह बुन्देला के पास से 2 किलो 41 ग्राम गांजा तथा एक मोबाइल फोन बरामद हुआ, जबकि दूसरे आरोपी छत्रपाल सिंह परमार के कब्जे से 2 किलो 63 ग्राम गांजा बरामद किया गया। कुल बरामद गांजे की मात्रा 4 किलो 104 ग्राम पाई गई। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह काफी समय से अवैध मादक पदार्थों की बिक्री कर रहे थे। पुलिस जांच में सामने आया कि घर के पीछे खाली स्थान का उपयोग कर गांजे की बिक्री की जा रही थी। मामले में तीसरा आरोपी अरविन्द राजा पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। पुलिस ने थाना नाराहट के ग्राम बरौदिया व हाल रामनगर निवासी केहर सिंह बुन्देला पुत्र राजेन्द्र सिंह, ग्राम खोंखरा

निवासी छत्रपाल सिंह परमार पुत्र प्रीतम सिंह परमार को हिरासत में लिया है, जबकि ग्राम खोंखरा निवासी अरविन्द राजा पुत्र निरन राजा भागने में कामयाब रहा। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट 1985 की धारा 8/20 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है। इस कार्रवाई से अवैध नशे के कारोबार में लिप्त लोगों में हड़कंप मचा हुआ है।

फर्जी फर्म बनाकर करोड़ों रुपए का हेरफेर करने वाले गैंग का मुखिया महफूज गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। फर्जी फर्म बनाकर लोगों को डरा-धमकाकर एवं उनके प्रपत्रों के आधार पर कूटरचित दस्तावेज तैयार कर करोड़ों रुपये का फर्जीवाड़ा करने वाले गिरोह का सरगना एवं इनामिया अभियुक्त महफूज अली उर्फ पप्पू छुरी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने बताया कि थाना चकेरी प्रकरण के अंतर्गत एक लूट की घटना हुई थी लेकिन इस लूट की घटना को वादी द्वारा छिपाया गया था तत्काल एफआईआर दर्ज नहीं कराई गई थी क्योंकि वह फर्जी फर्म बनाकर लोगों को डरा-धमकाकर एवं उनके प्रपत्रों के आधार पर कूटरचित दस्तावेज तैयार कर करोड़ों रुपये का फर्जीवाड़ा करता था। तथापि पुलिस टीम द्वारा स्वतः संज्ञान लेकर गहन जांच एवं सर्विलांस के आधार पर कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल 5 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया तथा उनके कब्जे से लगभग ?11,00,000 की बरामदगी की गई।

पुलिस आयुक्त रघुवीर लाल ने बताया कि पूछताछ में महफूज उर्फ पप्पू चोरी गिरोह के मुख्य संचालक के रूप में सामने आए हैं, जो भोले-भाले लोगों के बैंक खाते खुलवाकर, लोन एवं बीमा दिलाने का झांसा देकर उनका दुरुपयोग करते थे। इनके द्वारा फर्जी जीएसटी फर्में भी पंजीकृत कराई गई थीं। पुलिस जांच में संबंधित 68 बैंक खातों में लगभग ?3000 करोड़ से अधिक के संदिग्ध लेनदेन पाए गए हैं। इस नेटवर्क के तार पंजाब, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, पश्चिम बंगाल एवं उत्तर प्रदेश से जुड़े पाए गए हैं, जिसकी गहन जांच की जा रही है। प्रकरण में जीएसटी एवं आयकर विभाग से भी समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्रवाई कराई जाएगी। पूछताछ में यह भी सामने आया है कि एपीएमसी प्रमाणपत्रों के माध्यम से भारी

मात्रा में धन का अवैध ट्रांजेक्शन किया गया तथा धनराशि का संबंध स्लॉटर एवं स्क्रैप व्यवसाय से भी जुड़ा पाया गया है। प्रकरण में अग्रिम विधिक कार्रवाई प्रचलित है।

संक्षिप्त खबरें

सद्भावना के लिए महबूब आलम खान को 'लाइफटाइम सेवा संघर्ष सम्मान'

कानपुर। आज दिनांक 7 मार्च 2026 को राष्ट्रीय मानव अधिकार कार्य परिषद नई दिल्ली संस्था द्वारा मानवता की सेवा, सद्भावना का संदेश एवं समाज सेवा अमानो अमन के लिए संघर्ष करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह कार्यक्रम संस्था के ब्रांच कार्यालय काशथाना रोड बेकनगंज मे आयोजित हुआ राष्ट्रीय अध्यक्ष मो उस्मान अली शाह ने बताया कि संस्था हर वर्ष मानवता की सेवा करने वाले ऐसे लोगों को चुनती है जो समाज में संघर्ष करते हुए समाज सेवा एवं सामाजिक सौहार्द को कायम करने में अपना योगदान देकर शहर कानपुर का नाम रोशन करते हैं इस वर्ष सद्भावना के लिए संघर्ष करने वाले वरिष्ठ समाजसेवी महबूब आलम खान को चुना गया था उन्हें उनकी सामाजिक सेवाओं के लिए लाइफटाइम सेवा संघर्ष सम्मान 2026 अवार्ड से सम्मानित किया गया इसी के साथ शहर के कई और सामाजिक लोगों को भी सम्मानित किया गया! उम्मीद है श्री खान और उनके साथी आगे भी मानवता की सेवा के लिए काम करेंगे राष्ट्रीय अध्यक्ष उस्मान अली शाह एवं हाजी मोहम्मद सिद्दीक प्रदेश अध्यक्ष लघु उद्योग व्यापार संरक्षण उत्तर प्रदेश ने गुलपोशी कर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया! कार्यक्रम में मुख्य रूप से अध्यक्ष उस्मान अली शाह प्रदेश अध्यक्ष हाजी मोहम्मद सिद्दीक सर्वधर्म महासभा के महामंत्री महबूब आलम खान, समाजसेवी सीनू शाह, अर्पित सिंह, मोहम्मद मेहताब आलम, गौतम संभवानी, मोहम्मद सरताज आदि मौजूद रहे।

चेकिंग के नाम पर ठगी करने वाले दो शातिर गिरफ्तार

प्रतापगढ़। नगर कोतवाली के एसआई अमित सिंह ने मुखबिर खास की सूचना पर चेकिंग के नाम पर ठगी करने वाले दो अंतर्जनपदीय बदमाशों को दबोच लिया।पट्टी कोतवाली क्षेत्र का एक वादी 01 जनवरी को रेलवे स्टेशन प्रतापगढ़ से पट्टी जाने हेतु एक चार पहिया गाड़ी में बैठने पर गाड़ी चालक ने चेकिंग का भय दिखाकर वादी का 23 हजार रुपए एक लिफाफा में रखवा लिया और आगे चिलबिला ओवर ब्रिज के पास वादी को उतारकर नौ दो ग्यारह हो गया। वादी की तहरीर पर पुलिस ने सुसंगत धाराओं मे मामला दर्ज कर बेसब्री से आरोपियों की तलाश कर रही थी कि भंगवा रेलवे क्रासिंग के पास से कमलेश कुमार यादव पुत्र स्व. राम आधार यादव निवासी खामपुर सिसवा थाना मऊ आइमा प्रयागराज व राकेश गौतम उर्फ पप्पू पुत्र स्व. राम चरण निवासी पूरे पितई कोतवाली नगर को गिरफ्तार कर लिया है। कमलेश यादव पर 5 व राकेश गौतम पर 7 अपराधिक मामलों में केस दर्ज है।पुलिस ने ठगी के 1060 रुपए बरामद कर मुकदमा उपरोक्त मे सुसंगत धारा बढ़ोत्तरी कर जिला कारागार के हवाले कर दिया है।

करंट लगने से भैंस की मौतः दो लोगों को भी लगे झटके, बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप

सिद्धार्थनगर। बिस्कोहर नगर पंचायत क्षेत्र के अशोक नगर संग्रामपुर वार्ड में गुरुवार सुबह करंट लगने से एक भैंस की मौत हो गई। भैंस को बचाने पहुंचे दो लोगों को भी बिजली के झटके लगे, हालांकि वे सुरक्षित बच गए। वार्ड निवासी मिलन यादव की भैंस संग्रामपुर स्थित नायरा पेट्रोल पंप के पास खंभे के किनारे लगे तार के संपर्क में आ गई। तार में उतर रहे करंट की चपेट में आने से भैंस तड़पने लगी। बचाने दौड़े मिलन यादव और कल्लू यादव को भी झटके लगे। घटना के बाद लोगों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

पीएनबी बैंक के बाहर से बाइक चोरी

ललितपुर। शहर में वाहन चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। गुरुवार को तुवन चौराहा स्थित पंजाब नेशनल बैंक के बाहर से दिनदहाड़े एक युवक की मोटरसाइकिल चोरी हो गई। घटना के बाद पीड़ित ने कोतवाली पहुंचकर पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। ग्राम सिलगन निवासी अमजद खां पुत्र सत्तार खां ने बताया कि वह 07 मई 2026 को दोपहर करीब 1 बजे बैंक के काम से तुवन चौराहा स्थित पीएनबी शाखा पहुंचा था। उन्होंने अपनी हीरो डिलक्स मोटरसाइकिल (नंबर यू.पी. 94 एम 9766) बैंक के बाहर खड़ी की और अंदर चले गए। कुछ देर बाद जब वह वापस लौटे तो उनकी बाइक मौके से गायब मिली। पीड़ित ने आसपास काफी तलाश की, लेकिन मोटरसाइकिल का कोई सुराग नहीं लग सका। इसके बाद उन्होंने कोतवाली ललितपुर पहुंचकर पुलिस को शिकायती पत्र सौंपते हुए रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

जम्मू कश्मीर में अमन के माहौल की मजबूती के बाबत प्रमोद तिवारी की सीएम उमर से हुई अहम मुलाकात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। केंद्रीय वित्त मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति के महत्वपूर्ण दौरे में जम्मू कश्मीर राज्य के भ्रमण के दौरान राज्य सभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी की वहां के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के साथ राष्ट्रीय मसलों पर चर्चा को लेकर खास मुलाकात हुई। मुख्यमंत्री उमर सीएम उमर ने उपनेता प्रमोद तिवारी के साथ कमेटी में शामिल लोकसभा व राज्यसभा के सांसदो व अर्थशास्त्रियों के सम्मान में हुये रात्रि भोज में शिरकत की। छोटी बेटी प्रोफेसर डॉ0 विजय श्री सोना के साथ सांसद प्रमोद तिवारी सीएम उमर अब्दुल्ला से मुलाकात में जम्मू कश्मीर में अमन के मौजूदा माहौल पर खुशी जतायी।

सीएम उमर व सांसद प्रमोद तिवारी ने राष्ट्रीय संप्रभुता की हिफाजत के साथ देश की एकता अंखण्डता की मजबूती के लिए संयुक्त संकल्प भी दोहराया। एलजी मनोज सिन्हा से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से सांसद प्रमोद तिवारी की मुलाकात की जानकारी गुरुवार को मीडिया प्रभारी ज्ञान प्रकाश शुक्ल ने जरिये विज्ञप्ति में दी है।

चुनाव सकुशल संपन्न कराने के लिए में प्रशासन से ली जायेगी मदद

लालगंज, प्रतापगढ़। संयुक्त अधिवक्ता संघ के चुनाव में शांति व्यवस्था के बावत प्रशासन से मदद लिये जाने का चुनाव समिति ने निर्णप लिया है। इसके तहत समिति जिले के आला अधिकारियों को अवगत कराया जाएगा।अगले सप्ताह मंगलवार को संघ के चुनाव को लेकर मतदान व इसी दिन मतगणना होगी। समिति के अध्यक्ष ज्ञान प्रकाश शुक्ल ने बताया कि मतदान व मतगणना में शांति व्यवस्था को लेकर फोर्स की मांग की गई है।चुनाव समिति के महामंत्री वीरेन्द्र सिंह अगई, शिवाकांत उपाध्याय, राम लगन यादव, बेनीलाल शुक्ल, संतोष पाण्डेय, शैलेन्द्र चर्तुवेदी लाइब्रेरी हाल में पोलिंग बूथ, मतदाता काउंटर, प्रकाश व्यवस्था को लेकर मंथन में मशक्कत करते दिखे।

पुष्प फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने किया 'शिशु वाटिका' का उद्घाटन

● बच्चों को बांटी शैक्षिक सामग्री

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव/ बीघापुर- ग्राम बैधरा में नन्हे-मुन्नों के बेहतर भविष्य और उनकी बुनियादी शिक्षा को मजबूत करने के लिए 'शिशु वाटिका' का शुभारंभ भव्य रूप से किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पुष्प फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पेंद्र प्रताप सिंह उपस्थित रहे। समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि पुष्पेंद्र प्रताप सिंह और अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इस दौरान ग्रामीणों ने मुख्य अतिथि का फूल-मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बच्चों का बढ़ाया उत्साहः अपने संबोधन में पुष्पेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उन्हें सही संस्कार व शिक्षा देना हम सबकी जिम्मेदारी है। पुष्प फाउंडेशन हमेशा से समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए

कार्यरत रहा है, और शिशु वाटिका के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को शहर जैसी आधुनिक शैक्षिक सुविधाएं मिल सकेंगी। उन्होंने उपस्थित अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों की शिक्षा के प्रति जागरूक रहें।

कार्यक्रम की झलकियां:

» मुख्य अतिथि द्वारा बच्चों को उपहार और प्रारंभिक शिक्षा से जुड़ी सामग्री वितरित की गई।

» फाउंडेशन की टीम ने गांव में शिक्षा के प्रचार-प्रसार का संकल्प लिया।

» कार्यक्रम में सरिता सिंहशिक्षा समिति अध्यक्ष,जिला पंचायत सदस्य बृजभूषण पासवान ,सुरेश ,मुकेश, सत्येंद्र, ऋतिक, रोहित सिंह ,श्याम, मनोहर शुक्ला ,मनोज कुमार, महेंद्र सिंह ,पप्पू सिंह, ज्ञान सिंह, प्रखर सिंह, सुनील सिंह ,विक्रम यादव, राघवेंद्र सिंह राजपूत राम जी सेनू यादव ,अनीश यादव, कमलेश, सुनील, मोहम्मद सलीम, नरेश वर्मा,भारी संख्या में ग्रामीण, महिलाएं और क्षेत्रीय जनप्रति निधि मौजूद रहे। शिशु वाटिका के खुलने से स्थानीय लोगों में काफी खुशी का माहौल है। कार्यक्रम के अंत में आयोजन समिति ने पुष्पेंद्र प्रताप सिंह व उनके साथ आए सभी सहयोगियों का आभार प्रकट किया।

बिना फिटनेस स्कूली वाहनों के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही, नहीं माने तो सीज होंगे वाहन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। अपर मुख्य सचिव परिवहन विभाग उत्तर प्रदेश प्रदत्त निर्देशों के अनुपालन में प्रदेश में संचालित समस्त विद्यालयीय वाहनों की सुरक्षा, निगरानी एवं वैधानिक अनुपालन सुनिश्चित किये जाने हेतु परिवहन विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा विकसित UP Integrated School Vehicle Management Portal (UP-ISVMP) पोर्टल पर जनपद के समस्त स्कूलों एवं स्कूली वाहनों के विवरण को ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड करते हुए उसके भौतिक निरीक्षण किये जाने के निर्देश दिये गये थे। जिसके क्रम में सम्भागीय परिवहन अधिकारी, कानपुर की अध्यक्षता में दिनांक 6.05.2026 को सम्भागीय परिवहन कार्यालय, कानपुर में संभाग के समस्त प्रवर्तन अधिकारियों के साथ बैठक आहूत की गयी। जिसमें सम्भागीय परिवहन अधिकारी, कानपुर द्वारा जनपद में पंजीकृत स्कूली वाहनों के सापेक्ष 99 फिटनेस समाप्त तथा 112 परमिट समाप्त एवं बिना

परमिट वाहनों को तत्काल फिटनेस कराने एवं परमिट से आच्छादित किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। साथ ही फिटनेस समाप्त, परमिट समाप्त एवं बिना परमिट संचालित वाहनों का मार्ग पर संचालन पाये जाने पर उक्त वाहन को निरूद्ध (बन्द) किये जाने के निर्देश दिये गये हैं । उक्त निर्देशों के अनुपालन में 99 फिटनेस समाप्त तथा 112 परमिट समाप्त एवं बिना परमिट वाहनों से संबंधित प्रधानाचार्यो / प्रबन्धकों/स्वामियों को परिवहन विभाग द्वारा नोटिस निर्गत किया जा चुका है । इसके अतिरिक्त जनपद कानपुर नगर में प्रवर्तन कार्यवाही के दौरान 13 स्कूली वाहनों के विरूद्ध चालान करते हुए 6 वाह्नों को बन्द किया गया है । जनपद कानपुर नगर के समस्त स्कूल प्रबन्धकों /वाहन स्वामियों को निर्देशित किया गया है कि तत्काल अपने स्कूली वाहन की फिटनेस एवं परमिट वैध कराना सुनिश्चित करें, अन्यथा उनके विरूद्ध नियमतः प्रवर्तन कार्यवाही करते हुए उक्त वाहनों को बाहन पोर्टल पर ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा तथा उपरोक्त वाहनों के विरूद्ध धारा-53 के अन्तर्गत कार्यवाही करते हुए पंजियन समाप्त कर दिया जाएगा एवं मार्ग पर संचालित पाये जाने की दशा में उक्त वाहनों के विरूद्ध निरूद्ध (बन्द) की कार्यवाही की जाएगी।

दुःसाहसः तमंचे की नोंक पर छेड़खानी का आरोप

पीड़िता की माँ ने दिया शिकायती पत्र चार दिन बाद अफसरों के निर्देश पर मुकदमा दर्ज

तालबेहट। कोतवाली के एक गांव निवासी महिला ने युवक पर उसकी पुत्री के साथ तमंचे की नोंक पर छेड़खानी का आरोप लगाया। पीड़िता ने इस सम्बंध में कोतवाली में शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की गुहार लगाई। मामले में गम्भीरता दिखाते हुए पुलिस कप्तान के निर्देश पर कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। पीड़िता की माँ द्वारा पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया गया कि दिनाँक 03.05.2026 को घर के लोग शादी में गये थे। मेरी पुत्री घर पर अकेली थी । तभी विपक्षी आनन्द तनय प्रकाश कुशवाहा घर मे धुस आया बुरी नियत से पकड कर उसकी पुत्री का गाल काट दिया। पुत्री के चिल्लाने पर विपक्षी भाग गया व जान से मारने कि देते हुए कहने लगा कि किसी से कुछ कहा तो तुम्हारे घर वालों को जान से मारकर फेंक देंगे। विपक्षी उसकी के साथ कोई भी घटना कर सकता है। घटना के तीन दिन बाद भी कोतवाली पुलिस ने इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की। मीडिया में मामला आने के बाद पुलिस अफसरों के निर्देश पर कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी।

स्कार्पियो सीज करने पर बहनों का हंगामा, हूटर बजाने पर शुरू हुआ विवाद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। शहर कानपुर के कल्याण पुर क्रासिंग पर बीती रात हूटर लगी स्कार्पियो सीज करने पर सगी बहनों ने पुलिस से उलझ गई,, महिला पुलिस दोनों को थाने ले आई, जहां उन्होंने पुलिस पर बदसलूकी के आरोप लगाएं, महिला स्टाफ ने उन्हें रोकने का प्रयास किया,,जिस पर नोक झोंक हुई,,इस दौरान एस आई रूचि कुशवाहा ने उनमें से एक पर हाथ चबाने का आरोप लगाया, दोनों पर शांति भंग की कार्रवाई हुई,एसआई रूचि कुशवाहा ने दोनों के खिलाफ तहरीर दी,, डीसीपी पश्चिम एस एम आबिदी के मुताबिक बीती रात को कल्याण पुर क्षेत्र में चेकिंग अभियान चल रहा था,इस दौरान सफेद रंग की स्कार्पियो हूटर बजाते हुए वहां से गुज़री,कार दिवंगत भाजपा नेत्री सुनीता शुक्ला की बेटियां ऋचा शुक्ला,और त्रिचा शुक्ला थी , पुलिस कर्मियों ने कार के कागजात मांगे,जिस पर दोनों उलझ गई, महिला स्टाफ बहनों को थाने ले आई, यहां पर दोनों ने हंगामा किया,, महिला स्टाफ ने उन्हें रोका और शांत रहने के लिए कहा,जिस पर बात बढ़ गई, दोनों धक्का-मुक्की करने लगी,एसआई रूचि कुशवाहा ने आरोप लगाया कि उनके हाथ को दोनों बहनों में से एक ने चबा लिया,थाने

के स्टाफ ने भी बीच बचाव किया,यह खींचतान करीब 40 मिनट तक जारी रहा,, जिसके बाद ऋचा शुक्ला और त्रिचा शुक्ला का शांति भंग में चालान किया गया,एस आई रूचि कुशवाहा ने दोनों के खिलाफ सरकारी काम में बाधा डालने और मारपीट करने की तहरीर दी ,, मामले की जांच की जा रही है।

प्रताड़ना से पति की मौत में पत्नी गई जेल

क्राइम

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने प्रताड़ना के चलते पति की मौत की घटना में आरोपिता पत्नी को जेल भेजा है। लालगंज के श्रीरामपुर सारीपुर निवासी रामू वर्मा 31वर्ष पाँच मई को पत्नी ऊषा के बुलावे पर मधुकरपुर गाँव में अपनी ससुराल गया था।वहां उसने जहरीला पदार्थ निगल लिया। हालत गंभीर होने पर मृतक के ससुराल पक्ष के लोग उसे लालगंज ट्रामा सेंण्टर ले आये थे। अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इधर मृतक के परिजन अस्पताल पहुंचे तब ससुराल के लोग भाग निकले। मृतक की मां की तहरीर पर पत्नी ऊषा के खिलाफ बुधवार को आत्महत्या के लिए उकसाने का पुलिस ने केस दर्ज किया। परिजनों ने गुरुवार को मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया। इधर पुलिस टीम ने गुरुवार की सुबह आरोपिता को घर के समीप से हिरासत में ले लिया। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार ने बताया आरोपिता को जेल भेज दिया गया।

सुगम एवं सुरक्षित यातायात के लिए आरटीसी स्कीम के अंतर्गत सुधर रही है यातायात व्यवस्था

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। आज दिनांक 7.5.2026 को पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार द्वारा सुगम यातायात योजना 'Reducing Traffic Congestion (RTC) Scheme' के अंतर्गत शहर के प्रमुख स्थानों – हैलेट अस्पताल मार्ग, कार्डियोलॉजी मार्ग, गंगा बैराज एवं गोल चौराहा का भौतिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस उपायुक्त यातायात द्वारा यातायात व्यवस्था, सड़क पर वाहन दबाव, अवैध पार्किंग, ई-रिक्शा एवं ऑटो संचालन , सड़क किनारे अतिक्रमण तथा प्रमुख चौराहों पर यातायात संचालन की स्थिति का गहन अवलोकन किया गया। महोदय द्वारा संबंधित अधिकारियों एवं यातायात कर्मियों को निर्देशित किया गया कि यातायात को सुगम , सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने हेतु प्रभावी एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

हैलेट अस्पताल मार्ग एवं कार्डियोलॉजी मार्ग के आसपास मरीजों एवं तीमारदारों की अधिक आवाजाही को दृष्टिगत रखते हुए अवैध पार्किंग हटाने, ई-रिक्शा एवं ऑटो के लिए निर्धारित स्टॉप चिन्हित करने तथा सड़क पर अनावश्यक रुकने वाले वाहनों के विरुद्ध अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। अस्पताल क्षेत्रों में एम्बुलेंस आवागमन को प्राथमिकता देने हेतु विशेष यातायात प्रबंधन लागू करने पर भी बल दिया गया। पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार द्वारा बताया गया कि 'Reducing Traffic Congestion (RTC) Scheme' का उद्देश्य शहरवासियों को सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराना है।

स्व-गणना कर जनगणना में निभाएं अपनी सक्रिय सहभागिता : जिलाधिकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह एवं उनकी पत्नी रश्मि सिंह ने आज सिविल लाइन स्थित जिलाधिकारी आवास पर स्व-गणना कर जनपदवासियों से जनगणना में सक्रिय सहभागिता करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि नागरिक पहले से स्व-गणना कर लेंगे तो प्रगणकों को गणना कार्य में काफी सुविधा होगी तथा प्रक्रिया अधिक सरल और त्वरित हो जाएगी।

जिलाधिकारी ने बताया कि प्रदेश में स्व-गणना का चरण 07 मई से 21 मई 2026 तक संचालित किया जा रहा है। इसके उपरांत 22 मई से 20 जून 2026 के बीच प्रगणक घर-घर जाकर सत्यापन एवं गणना का कार्य किया जाएगा। नागरिक स्वयं अपने मोबाइल के माध्यम से जनगणना पोर्टल पर जाकर स्व-गणना कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि स्व-गणना के लिए नागरिकों को जनगणना पोर्टल httpsÑ//se.census.gov.in पर जाकर अपने राज्य का चयन कर पंजीकरण करना होगा।

परिवार के मुखिया का नाम एवं 10 अंकों का मोबाइल नंबर दर्ज करने के बाद ओटीपी के माध्यम से सत्यापन किया जाएगा। एक मोबाइल नंबर से केवल एक परिवार का ही पंजीकरण किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि कोई भी व्यक्ति देश में कहीं से भी अपने अथवा अपने परिवार की स्व-गणना कर सकता है। पंजीकरण के बाद नागरिकों को अपनी लोकेशन चयनित करनी होगी तथा मकान एवं परिवार से संबंधित सामान्य जानकारी देनी होगी। इसमें मकान का प्रकार, फर्श एवं छत की स्थिति, शौचालय एवं

स्नानघर की सुविधा, गैस कनेक्शन, मोबाइल, इंटरनेट, वाहन, दुपहिया वाहन, रेडियो, केबल एवं इंटरनेट कनेक्शन जैसी मूलभूत सुविधाओं से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे। सभी जानकारी सही रूप से भरने के बाद आवेदन सबमिट हो जाएगा तथा नागरिकों को 11 अंकों की सेल्फ एन्यूमरेशन आईडी प्राप्त होगी, जो '॥' अक्षर से प्रारंभ होगी।

श्रमिकों को लेजाती हुई मिनी बस बिधनू नहर में गिरी, सभी को सुरक्षित बाहर निकाला गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। आज प्रातः एक फैक्ट्री की मिनी बस बैलेंस खोकर बिधनू नहर की रेलिंग तोड़ती हुई नहर में गिर गई। मौके पर उपस्थित ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी पुलिस और ग्रामीणों ने बड़ी ऐहतियात बरतते हुए सभी बस सवार को सुरक्षित बाहर निकाल लिया और एक बड़ा हादसा होने से बच गया। सहायक पुलिस आयुक्त घाटमपुर, कृष्णकांत यादव ने बताया कि आज दिनांक 7.05.2026 को प्रातः करीब 08:19 बजे कंट्रोल रूम के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि कुढ़नी से श्रमिकों को लेकर अकबरपुर रनियां जा रही एक प्राइवेट बस अनियंत्रित होकर बिधनू नहर में गिर गई है। बस में लगभग 20 मजदूर एवं एक चालक सहित कुल 21 लोग सवार थे। सूचना पर थाना बिधनू पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची तथा स्थानीय ग्रामीणों की सहायता से राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ किया गया। संयुक्त प्रयास से बस में सवार

सभी 20 श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार चालक घटना के बाद मौके से निकल गया, जिसकी तस्दीक की जा रही है। प्रारंभिक पूछताछ एवं जांच में बस में सवार सभी व्यक्तियों को सुरक्षित निकाल लिए जाने की पुष्टि हुई है। फिर भी एहतियातन नहर एवं आसपास क्षेत्र में पुनः सर्चिंग कराई जा रही है, ताकि किसी अन्य व्यक्ति के फंसे होने की संभावना की पूरी तरह जांच की जा सके। प्रकरण में अग्रिम वैधानिक कार्यवाही प्रचलित है।

जनगणना जागरुकता जत्थे को दिखलायी हरी झंण्डी

लालगंज, प्रतापगढ़। घर घर की गणना के तहत जनगणना अभियान को लेकर गुरुवार को प्रचार वाहन के साथ जत्था रवाना हुआ। तहसीलदार गरिमा वर्मा ने तहसील परिसर में जनगणना अभियान पर विंदुवार प्रकाश डाला। वहीं उन्होने अधिवक्ताओं, कर्मचारियों व वादकारियों के साथ परिसर में अभियान के बाबत जागरुकता दी। तहसीलदार ने लोगों से गणना में सभी विंदुओं पर सही जानकारी उपलब्ध कराने को कहा। संचालन अमीन संघ के जिलाध्यक्ष आशुतोष सिंह ने किया। इस मौके पर संयुक्त अधिवक्ता संघ के पूर्व महामंत्री शेष तिवारी, श्याम पुष्पाकर, मनोज तिवारी, प्रदीप सिंह, अरुण तिवारी, गीता सिंह, हिना अंसारी, हरिकेश पटेल आदि रहे।

विश्वविद्यालय कपिलवस्तु के एमबीए छात्र दीपक कुमार वर्मा का 7 लाख वार्षिक पैकेज पर चयन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर के प्रबंध अध्ययन विभाग के लिए अत्यंत गर्व एवं हर्ष का विषय है कि एमबीए पाठ्यक्रम के अंतिम वर्ष के छात्र दीपक कुमार वर्मा का चयन प्रतिष्ठित कंपनी एक्स पावर सलूशन एलएलपी में वार्षिक 7 लाख रुपये के आकर्षक पैकेज पर हुआ है। छात्र की इस उल्लेखनीय उपलब्धि से विश्वविद्यालय परिवार में हर्ष का वातावरण व्याप्त है। दीपक कुमार वर्मा ने अपनी मेहनत, लगन एवं उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के बल पर यह सफलता प्राप्त की है। उनका चयन विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बन गया है तथा यह सिद्ध करता है कि सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के छात्र राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।

इस अवसर पर प्रबंध अध्ययन विभागाध्यक्ष एवं वाणिज्य संकाय के अधिष्ठाता प्रो0 सौरभ ने छात्र को बधाई देते हुए कहा कि विभाग निरंतर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं रोजगारोन्मुख शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि दीपक की सफलता विभाग के गुणवत्तापूर्ण शिक्षण एवं प्रशिक्षण का परिणाम है और इससे अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलेगी।

वहीं सिद्धार्थ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 कविता शाह ने दीपक कुमार वर्मा को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा, प्रशिक्षण एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए

निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में विश्वविद्यालय के और अधिक छात्र-छात्राएं विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में चयनित होकर विश्वविद्यालय का नाम गौरवान्वित करेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन, शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं ने दीपक कुमार वर्मा की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल एवं सफल भविष्य की कामना की है।

नगर पालिका कर्मी से मारपीट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला पिसनारी बाग निवासी प्रियंक कुमार ने चार युवकों के खिलाफ मारपीट, जातिसूचक शब्दों से अपमानित करने, रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित प्रियंक कुमार पुत्र स्व. अजय कुमार, जो नगर पालिका परिषद में स्वास्थ्य नायक के पद पर कार्यरत हैं, ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि मोहल्ले के ही मोहित खटीक, अनिकेत, अमन पुत्रगण राकेश उर्फ झब्बू खटीक तथा सोनू यादव आए दिन उन्हें परेशान करते थे और ड्यूटी पर जाने से रोकते थे। आरोप है कि 15 अप्रैल 2026 की शाम करीब 5.30 बजे जब वह ड्यूटी से लौट रहे थे, तभी आरोपियों ने रास्ता रोककर उनसे शराब के लिए 5 हजार रुपए की मांग की और विरोध करने पर मारपीट कर दी। आसपास के लोग आने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़ित का आरोप है कि अगले दिन फिर आरोपियों ने पानी की टंकी के पास रोककर जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए अपमानित किया और 20 हजार रुपए की मांग की। रकम न देने पर पूरे परिवार की हत्या करने की धमकी भी दी गई। पीड़ित ने इस संबंध में पहले पुलिस अधिकारियों को शिकायत दी थी, लेकिन कार्रवाई न होने पर न्यायालय की शरण ली, जिसके बाद मुकदमा दर्ज हुआ। कोतवाली पुलिस ने आरोपी मोहित खटीक, अनिकेत खटीक, अमन खटीक और सोनू यादव के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 352, 351(3), 119(1) तथा एससीएसटी की धारा 3(1)(द), 3(1)(ध), 3(2)(व्ही), 3(2) (व्ही.ए.) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। मामले की जांच क्षेत्राधिकारी सदर को सौंपी गई है।

महिला पत्रकार के घर लगे सीसीटीवी कैमरे तोड़े

विरोध करने पर धमकाने का आरोप, दस नामजद आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

ललितपुर। शहर कोतवाली क्षेत्र के आजादपुरा मोहल्ले में एक महिला पत्रकार के घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों को क्षतिग्रस्त करने, अभद्रता करने और धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने 10 नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मोहल्ला आजादपुरा निवासी संजना सिंह पत्नी स्व.अनवर सिंह, जो एक मान्यता प्राप्त पत्रकार हैं, ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 18 अप्रैल 2026 की शाम करीब 8.15 बजे जब वह घर से बाहर निकलीं तो देखा कि उनके घर और गली के मोड़ पर सुरक्षा के लिए लगाए गए दो सीसीटीवी कैमरे टूटे हुए लटक रहे थे। आरोप है कि मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने कैमरे क्षतिग्रस्त किए और विरोध करने पर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए धमकियां दीं। पीड़िता ने तत्काल डायल 112 पर सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

संक्षिप्त खबरें

बिहार मंत्रिमंडल विस्तार में गोपालगंज से सुनील कुमार मिथिलेश तिवारी को शामिल करने पर प्रमोद कुमार पटेल ने दिया बधाई एवं शुभकामनाएं

गोपालगंज,(बिहार)- जनता दल यूनाइटेड के जिला अध्यक्ष प्रमोद कुमार पटेल ने बिहार में मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में एनडीए सरकार मंत्रिमंडल विस्तार में श्री निशांत कुमार श्री सुनील कुमार श्री मिथिलेश तिवारी सहित शपथग्रहण करने वाले सभी मंत्री गणों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए जदयू जिला अध्यक्ष प्रमोद कुमार पटेल ने कहा कि बिहार में एनडीए के सर्वमान्य नेता जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में और माननीय मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में जो मंत्रिमंडल का विस्तार हुआ है सभी 5 वर्षो का कार्यकाल पुरा करेगे ! बिहार में जो विकास की रफ्तार चल रहे थी उसे और तेज रफ्तार से सभी लोग आगे बढ़ने का काम करेंगे ! बधाई देने वालों में राधेश्याम साहनी, उमाशंकर शर्मा, योगेंद्र राम एजाज आलम, दिलीप कुमार, साहेबजाद अली, नौशाद अली मुन्ना, इबरार खाँ, परवेज आलम खाँ, रामाशीष सिंह अमरेंद्र कुमार बारी, लाइक हुसैन, हरेंद्र चौधरी सहित सैकड़ो जदयू नेताओं ने बधाई एवं शुभकामनाएं दिया !

9 मई को सुपौल में राष्ट्रीय लोक अदालत, ट्रैफिक चालानों में मिलेगी बड़ी राहत

सुपौल। लंबे समय से लंबित ट्रैफिक चालानों से परेशान वाहन मालिकों के लिए राहत भरी खबर है। बिहार सरकार के परिवहन विभाग की 'एकमुश्त यातायात चालान निपटान योजना-2026' के तहत 09 मई को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में पुराने ई-चालानों का रियायती दर पर निष्पादन किया जाएगा। इस दौरान शमन राशि में अधिकतम 50 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी। सुपौल जिला प्रशासन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन टाउन हॉल, व्यवहार न्यायालय के समीप, सुपौल में किया जाएगा। लोक अदालत सुबह 10:30 बजे से शुरू होगी, जहां वाहन स्वामी अपने लंबित ट्रैफिक चालानों का त्वरित एवं सरल तरीके से निपटारा करा सकेंगे। जानकारी के अनुसार 90 दिनों से अधिक समय से लंबित वैसे ई-चालान, जिनकी शमन राशि अब तक जमा नहीं हुई है, उन्हें इस योजना में शामिल किया गया है। परिवहन विभाग के मुताबिक कई बार जानकारी के अभाव, अधिक जुर्माना राशि या लंबी प्रक्रिया के कारण लोग चालान का समय पर निष्पादन नहीं करा पाते हैं। इसी समस्या के समाधान के लिए सरकार ने यह विशेष योजना लागू की है। लोक अदालत में वाहन स्वामियों की सुविधा के लिए विशेष काउंटर लगाए जाएंगे। यहां ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से भुगतान की सुविधा उपलब्ध रहेगी। साथ ही लोगों को तकनीकी सहायता एवं आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। जिला पदाधिकारी सह उपाध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार सुपौल, ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत आम लोगों को त्वरित न्याय एवं राहत प्रदान करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि जिनके ट्रैफिक चालान लंबित हैं, वे इस अवसर का लाभ उठाकर 09 मई को आयोजित लोक अदालत में उपस्थित होकर अपने मामलों का निष्पादन कराएं।

बांग्लादेश के मदरसों में मासूमियत पर प्रहार

● बढ़ रहे हैं यौन हिंसा के मामले

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। बांग्लादेश के मदरसों में मासूमों के साथ हो रही यौन हिंसा की बढ़ती घटनाओं ने देश के सामाजिक और प्रशासनिक ढांचे को झकझोर कर रख दिया है। प्रमुख मानवाधिकार संस्था 'मानुषेर जोन्नो फाउंडेशन' (एमजेएफ) ने इन घटनाओं पर गहरा दुख और आक्रोश व्यक्त करते हुए सरकार से सख्त कदम उठाने की मांग की है। संस्था का कहना है कि शिक्षा के इन केंद्रों में मासूमों की सुरक्षा भगवान भरोसे है, जो बेहद चिंताजनक है। ढाका स्थित इस संस्था ने शैक्षणिक संस्थानों के लिए हाईकोर्ट के निर्देशों के अनुरूप, देश भर के सभी मदरसों में यौन उत्पीड़न समितियों के तत्काल गठन की मांग की है।

दहला देने वाली घटनाएं और न्याय की मांग

हाल ही में नेतोकोना जिले के मदन उपजिला में एक 11 वर्षीय छात्रा के साथ हुई दरिंदगी ने रूह कंपा दी है। आरोप है कि एक मदरसा शिक्षक पिछले अक्टूबर से मासूम का शोषण कर रहा था, जिसका पर्दाफाश तब हुआ जब चिकित्सीय जांच में वह गर्भवती पाई गई। इसी तरह पटुआखली जिले में भी एक 10 वर्षीय छात्र के साथ यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। 'बांग्लादेश महिला परिषद' के आंकड़े बताते हैं कि इस साल के शुरुआती चार महीनों में ही कुल 1028 महिलाओं और लड़कियों को यौन हिंसा सहित विभिन्न प्रकार की हिंसा का शिकार होना पड़ा है। ये आंकड़े लड़कियों से जुड़े एक चिंताजनक पैटर्न को उजागर करते हैं, जिसमें जनवरी से अप्रैल के बीच 479 घटनाएं दर्ज की गई हैं। इससे पता चलता है कि स्थिति कितनी भयावह हो चुकी है।

सिस्टम की विफलता व जवाबदेही का सवाल

एमजेएफ की कार्यकारी निदेशक शाहीन अनम का कहना है कि मदरसे भी शैक्षणिक संस्थान हैं, इसलिए उन्हें हाईकोर्ट के 2023 के उन निर्देशों से बाहर नहीं रखा जा सकता, जिनमें यौन उत्पीड़न रोकथाम समितियां बनाना अनिवार्य है। अक्सर रसूख और सामाजिक प्रभाव के कारण इन अपराधों को दबा दिया जाता है।

संस्था ने मांग की है कि 'महिला एवं बाल दमन निवारण अधिनियम, 2000' को पूरी सख्ती से लागू किया जाए और संसद में लंबित 'यौन उत्पीड़न कानून' को जल्द से जल्द पारित किया जाए। समाज और सरकार दोनों को अपनी विफलता स्वीकार करते हुए मासूमों के लिए एक सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करना होगा, ताकि आस्था के केंद्रों में मासूमियत का कत्ल न हो सके।

विवेक विहार अग्निकांड में 9 लोगों की मौत पर अब बिल्डर पर भी होगा एक्शन

दिल्ली। विवेक विहार में हुए अग्निकांड मामले में पुलिस की जांच जारी है। अब इस मामले में बिल्डर की भूमिका भी जांच के दायरे में आ गई है। पुलिस ने एमसीडी को पत्र लिखकर संबंधित इमारत के बिल्डर और निर्माण से जुड़ी पूरी जानकारी मांगी है। यह हादसा बीते दिनों तड़के एक चार मंजिला रिहायशी इमारत में हुआ था, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई थी। शुरुआती जांच में आग लगने की वजह शार्ट सर्किट या एसी ब्लास्ट मानी जा रही है।

इमारत में मिली हैं सुरक्षा खामियां

आग तेजी से ऊपरी मंजिलों तक फैल गई, जिससे लोगों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। जांच में यह भी सामने आया है कि इमारत में कई सुरक्षा खामियां थीं। भवन के पास कम्प्लीशन सर्टिफिकेट नहीं था या नहीं इसकी जांच जारी है। इसके अलावा निकास के रास्ते भी ठीक नहीं थे, जिससे बचाव कार्य प्रभावित हुआ। उधर, जांच एजेंसियां ये भी देख रही हैं कि बीएसईएस से जितना लोड पास था उतना ही चल रहा था या बिल्डिंग ओवरलोड थी। पुलिस का कहना है कि एमसीडी से रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। यदि निर्माण में लापरवाही या नियमों का उल्लंघन पाया गया तो बिल्डर के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

बराक वैली में स्थायी हाई कोर्ट बेंच की मांग तेज

● 112 पन्नों का अतिरिक्त ज्ञापन गुवाहाटी हाई कोर्ट को सौंपा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमिः सिलचर, गत 6 मईः बराक वैली में स्थायी हाई कोर्ट बेंच की लंबे समय से चली आ रही मांग को लेकर एक महत्वपूर्ण कानूनी पहल की गई है। हाई कोर्ट बेंच डिमांड इम्प्लीमेंटेशन कमेटी, कछार जिला इकाई ने गुवाहाटी हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष 112 पन्नों का विस्तृत अतिरिक्त ज्ञापन प्रस्तुत किया है। ज्ञापन में बराक घाटी के लोगों को न्याय प्राप्त करने में आने वाली भौगोलिक, आर्थिक और प्रशासनिक कठिनाइयों का विस्तार से उल्लेख किया गया है। समिति का कहना है कि गुवाहाटी हाई कोर्ट तक पहुंचने के लिए लोगों को लगभग 350 से 400 किलोमीटर की यात्रा करनी पड़ती है, जिससे विशेष रूप से गरीब और ग्रामीण नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। दस्तावेज में संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 का हवाला देते हुए कहा गया है कि न्याय तक आसान और समान पहुंच नागरिकों का मौलिक अधिकार है। साथ ही, सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों का उल्लेख करते हुए न्यायिक व्यवस्था के विकेंद्रीकरण की आवश्यकता पर बल दिया गया है। ज्ञापन में यह भी बताया गया कि बराक वैली में हाई कोर्ट बेंच की मांग नई नहीं है। इस मुद्दे को वर्ष 2012 में लोकसभा तथा 1991 में राज्यसभा में भी उठाया जा चुका है। करीब 45 लाख की आबादी वाले बराक घाटी क्षेत्र में न्यायिक सुविधाओं को और अधिक सुलभ बनाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए समिति ने अन्य क्षेत्रों की तर्ज पर यहां स्थायी हाई कोर्ट बेंच स्थापित करने की मांग दोहराई है। यह अतिरिक्त ज्ञापन वरिष्ठ अधिवक्ता धर्मानंद देब द्वारा समिति की ओर से प्रस्तुत किया गया। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम लंबे समय से चल रहे आंदोलन को नया बल दे सकता है।

रेत के ढेर से उठी बदबू तो खुला मजदूर की मौत का राज, हत्या के बाद निर्माणाधीन इमारत में छिपाई थी लाश

दिल्ली। शाहदरा जिले के नवीन शाहदरा इलाके में निर्माणाधीन इमारत की छत पर रेत के नीचे दबा युवक का शव मिलने का मामला सामने आया है। घटना जे-4 नवीन शाहदरा की है। मृतक की उम्र करीब 25 से 30 वर्ष के बीच बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक, निर्माण स्थल से बदबू आने पर श्रमिकों ने सूचना दी थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने चौथी मंजिल की छत पर जांच की तो युवक का शव रेत-बदरपुर के नीचे दबा मिला। शव काफी सड़ चुका था, जिससे अंदेशा है कि हत्या तीन से चार दिन पहले की गई थी।

श्रमिक है मृतक पर कहीं और काम करता था

शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि मृतक श्रमिक था, लेकिन वह इस निर्माणाधीन इमारत में काम नहीं कर रहा था। संभावना है कि उसे किसी अन्य जगह से यहां बुलाया गया और फिर उसकी हत्या कर शव को छिपाने के लिए रेत के नीचे दबा दिया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद हत्या के तरीके और अन्य तथ्यों का पता चल सकेगा। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और निर्माण स्थल से जुड़े लोगों से पूछताछ कर रही है।

लिकाबाली में गुरुकुलम विद्यापीठ का शुभउद्घाटन

● इलाके में जागी आशा की उमीद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

धेमाजी असम। असम धेमाजी जिले की असम अरुणाचल प्रदेश सीमांत के लिकाबाली में आज गुरुकुलम विद्यापीठ नामक एक स्कूल का शुभ उद्घाटन किया गया। इस स्कूल की स्थापना 2014 में श्री श्रीचंडी देवी जगत 'माँ' ने लिकाबाली में जगत सेवा आश्रम की जगह पर दुनिया में शांति और नई पीढ़ी के अच्छे भविष्य की कामना के खुला था। बंद पड़े इस स्कूल को आज धेमाजी जिले की कुछ महानुभावों ने गुरुकुलम विद्यापीठ नाम देकर उद्घाटन कर इलाके के विद्यार्थियों के लिए फिर से आशा के किरण डाल दिया। प्राकृतिक सुन्दरता पेड़ों और शांत पहाड़ों की ताज़ी हवा में नई उम्मीदों, नए लक्ष्यों और नए मौकों के साथ स्कूल की शुरुआत की है। 'गुरुकुलम विद्यापीठ' 2026-2 के लिए उद्घाटन किया गया। स्कूल के टीचर्स और कमिटी के पदाधिकारियों ने स्कूल के मेन गेट से पेरेंट्स और स्टूडेंट्स का स्वागत किया और उन्हें उनके भविष्य के लिए आशीर्वाद देने के लिए पेन, नोटबुक और चॉकलेट दिए। इसके बाद, स्कूल ग्राउंड में एक फॉर्मल मीटिंग शुरू हुई। इस इवेंट में धेमाजी कॉलेज के रिटायर्ड वाइस-प्रिंसिपल और आर्टिस्ट डॉ. बंजीत भट्ट शामिल हुए, उनके संरचना में स्कूल के लिए एक गाना पैश किया गया जो डॉ. बंजीत भट्ट, दीक्षिता दत्ता ने गाया है, म्यूजिक दिलीप बरगोहाई (मैना) ने दिया है, साउंड शशांक दले (राजा) ने दिया है और प्रोड्यूस डॉ. रंजीत शैकिया ने किया है। इसके बाद, राष्ट्रगान गाया गया और स्कूल के क्लासरूम का रिबन काटकर उद्घाटन किया गया। इस इवेंट में डॉ. रंजीत शैकिया, डॉ. बंजीत भट्ट, डॉ. रॉबिन फुकन, तृष्णा शैकिया, राजीव शर्मा, विजय दत्ता, मुनमी बुरागोहेन, बिष्णु डेका बरुआ, नयनमोनी महंत, बनमाली महंत, जगन्नाथ बाबा, स्वामीजी महाराज, एडवोकेट मेमन अहमद, जमशेद आलम, ब्रिस्टी पैंगिंग, संजय नाथ के साथ-साथ स्कूल के टीचर्स और कई लोकल लोगों समेत कई पेरेंट्स भी शामिल हुए। धेमाजी कॉलेज के रिटायर्ड वाइस-प्रिंसिपल डॉ. बंजीत भट्ट और स्कूल के डायरेक्टर डॉ. रंजीत शैकिया ने स्कूल को उसके नए सफर के लिए बधाई दी और उम्मीद जताई कि गुरुकुलम विद्यापीठ आने वाले दिनों में एजुकेशन में एक्सीलेंस और इनोवेशन की ओर बढ़ेगा।

4000 करोड़ी Ramayana की 'सीता' को आमिर खान की फिल्म करने का हुआ पछतावा?

● बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हुई 'एक दिन'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। साउथ की मशहूर अदाकारा साई पल्लवी अब हिंदी फिल्मों में भी अपनी एंट्री कर चुकी हैं। उन्होंने आमिर खान निर्मित एक दिन से बॉलीवुड में डेब्यू किया है। रोमांटिक ड्रामा 'एक दिन' में साई पल्लवी ने आमिर के बेटे जुनैद खान के साथ स्क्रीन शेयर किया है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ढेर हो गई। साथ ही एक्ट्रेस को भी अपने रोल के लिए ट्रोलिंग सहनी पड़ी। फिल्म के प्रमोशन में भी सही से हिंदी न बोल पाने की वजह से भी उनकी आलोचना हुई।

एक दिन मूवी करके पछता रहीं साई पल्लवी?

अब साई पल्लवी ने माना है कि वह 'एक दिन' में अपने रोल के सूटेबल नहीं थीं। जुनैद खान के अपोजिट उनका रोल सही नहीं था। आमिर खान टॉकीज यूट्यूब चैनल पर शेयर किए गए एक वीडियो में साई पल्लवी, जुनैद खान के साथ बातचीत कर एक दिन में अपने रोल के बारे में बात करती हुई नजर आईं। उन्होंने कहा-मुझे नहीं लगता है कि मैं इस रोल के लिए बनी थी। मुझे लगता है कि मुझे गलत कास्ट किया गया है।

मुझे ऐसा ही महसूस होता है। यह रोल किसी ऐसे नए इंसान को मिलना चाहिए था जिसमें थोड़ी-सी चंचलता हो।

क्यों 'एक दिन' के लिए बोला हां?

साई पल्लवी ने अपनी बात को समझाते हुए आगे बताया कि आखिर वह 'एक दिन' को करने से क्यों राजी हो गईं। उन्होंने कहा, 'मुझे फिल्म का पैमाना नहीं, बल्कि कुछ और चीज प्रेरित करती है। उस समय मेरी जिंदगी में मैंने बहुत सारी ऐसी फिल्में की थीं जो काफी गंभीर थीं और मैं कुछ ऐसा करना चाहती थी जो हल्का-फुल्का हो, जिसमें मुझे फिल्म बनाने के दौरान और उसके बाद भी बहुत ज्यादा मानसिक तनाव न झेलना पड़े। ' साई पल्लवी ने आगे कहा, 'इसलिए जब यह स्क्रिप्ट मेरे पास आई, तो मुझे लगा कि यह 'बिफोर सनराइज' जैसी फिल्मों की लिस्ट में आएगी क्योंकि मुझे 'बिफोर सनराइज' पसंद है और मुझे लगा कि यह भी वैसी ही होगी। '

साई पल्लवी की आगामी फिल्म

'एक दिन' के बाद साई पल्लवी 4000 करोड़ी फिल्म रामायण में सीता की भूमिका निभाती हुई नजर आएंगी। फिल्म इसी साल दीवाली के मौके पर रिलीज होगी। दूसरा पार्ट अगले साल दीवाली पर आएगा। फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं।

महज 200 रुपये न देने पर हत्या, दिल्ली में बुजुर्ग को चाकुओं से गोदा

इलाके में तनाव के बाद पुलिस बल तैनात

दिल्ली। शास्त्री पार्क इलाके में 200 रुपये के विवाद में एक बुजुर्ग की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान अली अहमद फखरूद्दीन के रूप में हुई है। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया, जिसके चलते मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। स्वजन के अनुसार, अली अहमद फखरूद्दीन रात में खाना खाने के बाद घर के पास टहलने निकले थे। इसी दौरान एक युवक ने उनसे नशा करने के लिए 200 रुपये मांगे।

लगातार कई बार किए गए वार

जब उन्होंने पैसे देने से इनकार किया तो आरोपित ने उन पर चाकू से हमला कर दिया।

बताया जा रहा है कि आरोपित ने लगातार कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल अवस्था में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। मामले में आरोपित की तलाश जारी है।

दिल्ली की मंडोली जेल में कैदी पर जानलेवा हमला

● उगाही न देने पर धारदार हथियार से किया वार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। मंडोली जेल एक बार फिर गंभीर सवालों के घेरे में है। हर्ष विहार थाना क्षेत्र स्थित जेल परिसर में 40 वर्षीय विचाराधीन कैदी जावेद उर्फ टोनी पर जानलेवा हमला किया गया। आरोप है कि जेल के अंदर ही किसी धारदार हथियार से उसकी कमर पर कई वार किए। वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद जेल प्रशासन ने घायल कैदी को तुरंत जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है।

गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया

पुलिस के अनुसार यह हमला बुधवार देर रात हुआ। पीड़ित की पत्नी अफरोजा ने बताया कि वह बुधवार सुबह अपने पति से मिलने मंडोली जेल गई थी और उस समय वह पूरी तरह ठीक था। लेकिन देर रात उसे जेल से फोन आया। अधिकारियों ने बताया कि जावेद पर हमला हुआ है। उसे तुरंत जीटीबी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पत्नी ने बताया कि अस्पताल पहुंचने पर जावेद गंभीर हालत में मिला। घायल जावेद ने आरोप लगाया है कि जेल के अंदर उससे 10 से 15 हजार रुपये की अवैध उगाही की मांग की जा रही थी। रकम पूरी नहीं करने पर उसे जान से मारने की धमकी दी जा रही थी। उसने यह भी दावा किया कि उस पर कई बार चाकू से हमला करने की कोशिश की गई लेकिन वह बच निकला।

एक माह पहले की गई थी बहनोई की हत्या

जावेद के भाई गुलशन ने बताया कि उनके पति बीते लगभग सात माह से नशीला पदार्थ बेचने के आरोप में मंडोली जेल में बंद हैं। उनके बहनोई अमजद उर्फ राकल की भी एक मार्च को नुकीले हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि जेल में बंद जाकिर नाम के कैदी ने उनके भाई पर हमला किया है। इस हमले में जेल प्रशासन के कुछ लोग भी शामिल हैं जो उगाही करवाते हैं। पुलिस और जेल प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

310 परिवारों को सरकारी अल्टीमेटम, 15 दिन में खाली करने होंगे घर

● काशी की तर्ज पर संवरेंगे यमुना घाट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। काशी के गंगा घाटों की तर्ज पर दिल्ली में भी यमुना किनारे स्थित पक्के घाट दिव्य, भव्य व आस्था से परिपूर्ण होंगे। दिल्ली सरकार ने उस दिशा में प्रयास तेज कर दिए हैं। उसके तहत यमुना बाजार स्थित पक्के 30 घाटों के किनारे के पंडों (तीर्थ पुरोहित) की बसावट को हटाने के आदेश दिए हैं। उससे संबंधित नोटिस जिला प्रशासन ने मंगलवार को जारी किया है, जिसमें, 15 दिन की अवधि दी गई है। हालांकि, इस प्रयास के साथ दशकों से कई छह से सात पीढ़ियों से रहते पंडा परिवारों की चिंता बढ़ गई है। वे यमुना से जुड़ाव, आजीविका, कर्मकांड व धार्मिक आस्था का हवाला देकर घाट से 300 मीटर के दायरे में उन्हें रहने के लिए जगह तथा कर्मकांड के लिए घाटों पर उचित स्थान देने की मांग की है।

पक्के घाट पांडव कालीन माने जाते हैं

ये पक्के घाट पांडव कालीन माने जाते हैं। प्रमाणिक उल्लेख 100 वर्ष से कुछ अधिक का है। उन्हें पुरानी दिल्ली के धनाढ्य व धार्मिक आस्था रखने वाले लोगों द्वारा तकरीबन 100 वर्ष पूर्व बनवाए गए हैं। जबकि, घाट ऊपर पंडों के पुराने मकान है, जो एक चौड़ी मोटी दीवार तक विस्तार लिए हुए हैं। कई घाटों की पंडे महिलाएं हैं। पंडा सुरेश चंद शर्मा कहते हैं कि उन्हें घाटों के पुनर्विकास से आपत्ति नहीं है। पर उसमें हाई कोर्ट के आदेश का पालन होना चाहिए और घाट के नजदीक ही पुर्नवास होना चाहिए। यहां पंडों का करीब 60 परिवार रहता है। जिनके 310 घरों को दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने डीडीए कानून के तहत खाली करने का नोटिस भेजा है। पंडे उर्मिला शर्मा बताती हैं कि वर्ष 2006 में भी दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने घाट खाली कराने की कोशिश की थी। तब कुछ लोग मान गए और बवाना में आवंटित जमीन ले ली थी। लेकिन अधिकांश पंडों ने यमुना छोड़ना स्वीकार नहीं किया। मामला हाई कोर्ट में गया, तब कोर्ट ने उन लोगों को घाट के 300 मीटर के दायरे में रहने के लिए स्थान उपलब्ध कराने का आदेश डीडीए को दिया था, 20 वर्ष बाद भी उस निर्णय का पालन नहीं हुआ है।

सरकार की श्रद्धा, घाटों किनारे आस्था

दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यमुना पर अगाध श्रद्धा व्यक्त की है। जीत के बाद उन्होंने यमुना आरती कर पदभार ग्रहण किया। पूर्व राज्यपाल वीके सक्सेना का भी यमुना की सफाई व सुंदरता पर पूरा जोर रहा। कश्मीरी गेट स्थित कुदेशिया घाट को नया व भव्य रूप देकर वासुदेव घाट बनाया गया है। उसी तरह की कोशिश यमुना बाजार के 30 घाटों को लेकर भी है। बसावट खाली कर वहां हरियाली, भक्तों के लिए सुविधा और स्वच्छ वातावरण विकसित करने पर है।

50 से अधिक मंदिरों को लेकर संशय

घाटों पर 50 से अधिक मंदिर और यज्ञशाला स्थापित है। उसे लेकर अभी तस्वीर स्पष्ट नहीं है। इस संबंध में पूछे जाने पर जिला प्रशासन ने कहा कि वर्तमान में कुछ तय नहीं किया गया है। पर उचित प्रबंध होगा। यह मामला इसलिए भी अहम है क्योंकि, काशी में घाटों के पुनर्विकास के दौरान और घाट तक सड़कों के चौड़ीकरण में मंदिरों को हटाने का मामला विवादों में रहा था।

डीडीएमए कानून के तहत नोटिस पर उठा रहे निवासी सवाल

डीएमए कानून के तहत नोटिस में डीडीएमए ने कहा कि ''ओ जोन'' क्षेत्र में स्थित यह बसावट प्रत्येक वर्ष बाढ़ से प्रभावित होता है, जिससे जान माल की हानि होती है। ऐसे में इस ''अवैध निर्माण'' को 15 दिन में खाली कर दें। उसके बाद उसे कभी भी गिराया जा सकता है। वहीं, स्थानीय निवासी नितिन शर्मा कहते हैं कि डीएमए कानून में किसी का घर गिराए जाने का प्रविधान नहीं है।

अब ममता बनर्जी नहीं रहीं मुख्यमंत्री, राज्यपाल आरएन रवि ने भंग की विधानसभा

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आरएन रवि ने मंत्रिमंडल भंग कर दिया है। इसका मतलब है कि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी अब पूर्वी राज्य की मुख्यमंत्री नहीं हैं। 71 वर्षीय ममता बनर्जी ने इस्तीफा देने से इनकार कर दिया था और लगातार भाजपा पर वोटों की लूट और अनैतिक तरीके से बंगाल चुनाव जीतने का आरोप लगाते हुए अपने पद पर अड़ी रहीं। 294 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा की 207 सीटों पर शानदार जीत के एक दिन बाद, जिसने तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के निरंतर शासन का अंत कर दिया, ममता बनर्जी ने परिणाम को 'षड्यंत्रित' करार दिया और जोर देकर कहा कि उनकी पार्टी चुनाव आयोग से लड़ रही है, भाजपा से नहीं।टीएमसी को केवल 80 सीटें ही मिल सकीं। उन्होंने पद छोड़ने से इनकार करते हुए कहा कि मैं इस्तीफा क्यों दूं? हम हारे नहीं हैं। जनादेश लूटा गया है। इस्तीफे का सवाल ही कहां उठता है? भरी हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने जोर देकर कहा कि मेरे इस्तीफे का सवाल ही नहीं उठता, क्योंकि हम जनता के जनादेश से नहीं, बल्कि एक साजिश से हारे हैं।

दीदी आप हारी नहीं', ममता बनर्जी को हौसला देकर बोले अखिलेश यादव

भाजपा के खिलाफ लड़ाई रहेगी जारी

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी से मुलाकात की और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद निवर्तमान मुख्यमंत्री को भावनात्मक समर्थन दिया। अखिलेश ने ममता और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी से कोलकाता स्थित टीएमसी अध्यक्ष के आवास पर मुलाकात की। एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, टीएमसी के आधिकारिक सूत्रों ने अखिलेश यादव से कहा कि दीदी, आप हारी नहीं हैं। उन्होंने आगे बताया कि ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी से मुलाकात के दौरान, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अभिषेक से कहा, 'आप सभी ने कितनी सराहनीय लड़ाई लड़ी है।' अखिलेश यादव ने कहा कि बंगाल में जो हुआ है, उससे लोकतंत्र को नष्ट करने का रास्ता मिल गया है। शायद ही किसी ने लोकतंत्र को इतना नुकसान पहुंचाया हो जितना भाजपा ने। वे कभी किसी महिला के उत्थान को नहीं देख सकते। यहां मतदान तो हुआ है, लेकिन लोगों ने अपनी इच्छा से ज़्यादा दबाव में आकर मतदान किया है।

गैस मूल्य वृद्धि के विरोध में झामुमो का धरना, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लातेहार, झारखंडः- झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) लातेहार जिला इकाई की ओर से गुरुवार को समाहरणालय परिसर के समक्ष एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला सचिव बुद्धेश्वर उरांव ने की। धरना प्रदर्शन केंद्र सरकार द्वारा एलपीजी गैस की कीमतों में बढ़ोतरी एवं बढ़ते भ्रष्टाचार के विरोध में किया गया। धरना को संबोधित करते हुए झामुमो जिला सचिव बुद्धेश्वर उरांव ने कहा कि गैस सिलेंडर की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी का सीधा असर आम जनता की रसोई पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यदि केंद्र सरकार बढ़ी हुई कीमतों को वापस नहीं लेती है, तो झामुमो सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन जारी रखेगा। जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष अरुण कुमार दुबे ने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण आम आदमी का जीवन कठिन होता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल चुनाव परिणाम के बाद केंद्र सरकार ने गैस की कीमतों में वृद्धि कर जनता पर अतिरिक्त बोझ डाल दिया। महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष रीना उरांव ने कहा कि झारखंड की जनता संघर्ष करना जानती है और केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज उठाती रहेगी। उन्होंने कहा कि गैस समेत आवश्यक खाद्य पदार्थों की कीमतों में बढ़ोतरी आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रही है। धरना प्रदर्शन में जिला उपाध्यक्ष शमशुल होदा, जिला प्रवक्ता सुशील कुमार यादव, सितमोहन मुंडा, जीरा देवी, विलासी टोपनो, सुदामा प्रसाद, राजेंद्र लोहारा, ममता सिंह, सौरव श्रीवास्तव, कामेश्वर भोक्ता, गीता देवी, आरती देवी, राजेंद्र भोक्ता, प्रदीप गंझू, मनोज चौधरी, आर्सेन तिर्की, तौकीर खान, संजय उरांव, रिंकू कच्छप, अरशद खान, शशि भूषण तिवारी, अहसान अंसारी, अहद खान, राजेश सिंह, इमरान खान, अबुल अंसारी, नवसाद अंसारी सहित झामुमो के कई नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। धरना प्रदर्शन के बाद राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन उपायुक्त को सौंपा गया।